{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 04 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 189
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### जनरल मिन बने म्यांमार के राष्ट्रपति

नाएप्यीडॉ। म्यांमार की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुना। यह एक जनरल हैं जिन्होंने 2021 में आंग सान सू की की नागरिक सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। इसके साथ ही पिछले पांच वर्षों से सत्ता पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी थी। यह कदम नाममात्र के लिए निर्वाचित सरकार की वापसी का प्रतीक है, लेकिन इसे व्यापक रूप से सेना द्वारा आयोजित चुनाव के बाद सेना को सत्ता में बनाए रखने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिसे विरोधियों और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष माना है। मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित तीन उम्मीदवारों में से एक थे, लेकिन उन्हें यह पद लगभग निश्चित ही मिल गया था क्योंकि सैन्य समर्थित दलों के सांसदों और सेना द्वारा नियुक्त सदस्यों के पास संसद में भारी बहुमत है।

### 15 दिन में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बदला अपना फैसला

मुंबई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन के भीतर अपने पूर्व निर्णय में बदलाव करते हुए विमान यात्रियों को बड़ी राहत देने वाले प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। पहले मंत्रालय की ओर से सुझाव दिया गया था कि उड़ानों में 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि यात्रियों को समान अवसर मिल सके। हालांकि अब इस फैसले को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, विस्तृत समीक्षा और विमान कंपनियों से प्राप्त सुझावों के बाद यह निर्णय लिया गया। एयरलाइनों ने परिचालन लागत, राजस्व संरचना और व्यावसायिक प्रभाव का हवाला देते हुए आपत्ति जताई थी। वर्तमान व्यवस्था के तहत सीमित सीटें ही बिना अतिरिक्त शुल्क के मिलती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए यात्रियों को अलग से भुगतान करना पड़ता है। इस बदलाव के बाद यात्रियों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

### एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी के कारोबार में 50 फीसदी की कमी

किशनगढ़। राजस्थान के किशनगढ़ स्थित एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी में इन दिनों कारोबार में करीब 50 प्रतिशत तक की कमी की है। निर्माण क्षेत्र में सुस्ती, बढ़ती लागत और बाहरी मांग में कमी के कारण मार्बल उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मंडी में पहले जहां प्रतिदिन सैकड़ों ट्रकों से माल की आवक-जावक होती थी,अब यह संख्या काफी घट गई है।

उद्योग से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि नए ऑर्डर लगभग ठप हो गए हैं. पुराने भुगतान भी समय पर नहीं मिल पा रहे हैं।

## कुछ ना कहना

# मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम... तब पीएम मोदी उनके वोट से ही जीते

## ममता का आरोप...सबसे पहले पीएम इस्तीफा दें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले भी उनके वोट से जीत चुके हैं। इसके बाद पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। सीएम ममता ने कहा कि बंगाल में अधिकारियों के तबादले इस तरह किए गए, जिससे बाहरी लोगों का राज्य में आना आसान हो जाएं।

मालदा में दो दिन पहले न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना पर ममता ने एआईएमएआईएम और आईएसएफ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर उकसाने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर अब सरगर्मी बढ़ती जा रही है। मालदा हिंसा को लेकर जहां सत्ता टीएमसी और बीजेपी में ठनी है। वहीं दूसरी ममता ने मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम पर होने के दावे पर पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सबसे पहले उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

ममता ने जनसभा में लोगों के सामने मतदाता सूची से जुड़ी बातों को मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनावों में इस्तेमाल की गई उन्हीं मतदाता सूची को अब विधानसभा चुनावों से पहले क्यों चुनौती दी जा रही है।

ममता बनर्जी ने मालदा की हिंसा पर कहा कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक अन्य रैली में उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने उस (आरोपी को) एआईएमआईएम से उधार लिया और यहां ले आई। उन्होंने कहा कि आईएसएसफ उनके साथ है। कांग्रेस और बीजेपी ने भी उकसाने का काम किया है। बनर्जी ने बताया कि क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने मुख्य आरोपी, वकील मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा हवाई अड्डे से तब गिरफ्तार किया जब वह भागने की कोशिश कर रहा था।

ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा के मोथाबाड़ी में हिंसा भड़काने वाले यही लोग हैं। उन्होंने चुनावों के संचालन को लेकर चिंता जताकर आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को राज्य में आने की सुविधा देने के लिए अधिकारियों का तबादला हुआ है। उन्होंने सुरक्षा बलों से जुड़ी अनियमितताओं का भी दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ के वाहनों का इस्तेमाल करके पैसा लाया जा रहा है। मेरे पास इन गतिविधियों का रिकॉर्ड है और मैं सही समय आने पर इनका पर्दाफ़ाश करूंगी। ममता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा, जिन्होंने चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में ही रुकने की योजना की घोषणा की है। बनर्जी ने दावा किया कि उनकी मौजूदगी से बीजेपी को चुनावी तौर पर कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान राज्य में शाह के लंबे समय तक रुकने से, इसके विपरीत, पार्टी के वोट शेयर में कमी आएगी।

### बंगाल में तैनात रहेंगी केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है। इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी।

# जंग के बीच ट्रम्प सरकार में उथल-पुथल

### 24 घंटे में निकाले गए आर्मी चीफ और अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद अब ट्रम्प सरकार में कुछ और बड़े अफसरों को निकाले जाने की आशंका बढ़ गई है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने गुरुवार को आर्मी चीफ जनरल रैंडी जॉर्ज को तुरंत रिटायर होने का आदेश दिया। व्हाइट हाउस के प्लान से जुड़े कई लोगों ने बताया कि और भी अधिकारियों को हटाने पर चर्चा चल रही है। इसमें आर्मी सेक्रेटरी डेनियल ड्रिस्कॉल और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डीरेमर का नाम भी शामिल है। अगला नंबर एफबीआई चीफ काश पटेल और नेशनल इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड का हो सकता है। ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े अधिकारियों को हटाने से बचते रहे थे। उन्हें लगता था कि ऐसा करना डेमोक्रेट्स और मीडिया के सामने झुकना होगा। पिछले कुछ महीनों तक यह आदेश था कि मिडटर्म चुनाव से पहले किसी कैबिनेट अधिकारी को नहीं हटाया जाएगा, लेकिन ईरान युद्ध के बाद ट्रम्प की लोकप्रियता घटने से स्थिति बदल गई है।

ईरान से जंग के बीच अमेरिकी सरकार में तेजी से प्रशासनिक बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले होमलैंड सिक्योरिटी चीफ क्रिस्टी नोएम को बेदखल किए जाने से इसकी शुरुआत हुई। उन्हें किस वजह से हटाया गया इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं बताई गई है। कुछ समय से उनकी काम करने की शैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जिम्मेदारी होती है कि देश को अंदर और बाहर से आने वाले खतरों से सुरक्षित रखा जाए। उनकी राजनीतिक छवि भी विवादों में रही, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा था। आलोचकों का कहना था कि वे ज्यादा राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं।

### टॉड ब्लांश अमेरिका के अटॉर्नी जनरल बने

अमेरिका में पैम बॉन्डी को हटाए जाने के बाद टॉड ब्लांश को कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल बना दिया गया है। उन्हें पहले डिप्टी अटॉर्नी जनरल के तौर पर काम करने का अनुभव था और अब वह जस्टिस डिपार्टमेंट की कमान संभाल रहे हैं। टॉड ब्लांश पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के निजी वकील भी रह चुके हैं। उन्होंने ट्रम्प के कई अहम आपराधिक मामलों में उनकी पैरवी की थी, जिसमें न्यूयॉर्क का हश मनी केस भी शामिल है, जहां ट्रम्प को 34 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा उन्होंने 2020 चुनाव में दखल और गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामलों में भी ट्रम्प का बचाव किया। ट्रम्प ने उन्हें बेहद काबिल और कानूनी दिमाग वाला शख्स बताया है। ब्लांश का करियर काफी लंबा और मजबूत रहा है। वह पहले एक फेडरल प्रॉसीक्यूटर (सरकारी वकील) रहे हैं और करीब 8 साल तक इस पद पर काम किया। उन्होंने कई बड़े आपराधिक मामलों को संभाला, जिनमें हत्या और किडनैपिंग जैसे केस शामिल थे।

# 16 अप्रैल से महिला आरक्षण को लेकर संसद सत्र

**- 543 से बढ़ाकर 816 लोकसभा सीटें करने पर विचार**
**- महिला आरक्षण और परिसीमन पर होगी चर्चा**
**- दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस को मनाने में जुटी सरकार**

नई दिल्ली। महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में 16 अप्रैल से शुरू हो रहे संसद सत्र को अहम माना जा रहा है। सरकार इस दौरान महिला आरक्षण से जुड़े प्रावधानों और परिसीमन की प्रक्रिया पर व्यापक चर्चा कराने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों को बढ़ाकर 816 करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि आरक्षण लागू करने के बाद क्षेत्रीय संतुलन और प्रतिनिधित्व बना रहे। महिला आरक्षण विधेयक के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। हालांकि, इसके क्रियान्वयन को परिसीमन से जोड़ने को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है। दक्षिण भारत के कई क्षेत्रीय दलों को आशंका है कि परिसीमन के बाद सीटों के पुनर्विन्यास से उनके राज्यों का प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है।

सरकार इन चिंताओं को दूर करने के लिए विभिन्न दलों से संवाद कर रही है। विशेष रूप से कांग्रेस और दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों को साथ लाने की कोशिशें तेज हैं, ताकि विधेयक को व्यापक समर्थन मिल सके और इसे सुचारु रूप से लागू किया जा सके।

# घरेलू उड़ानों पर 8.5 प्रतिशत और इंटरनेशनल पर दोगुना हुए दाम

## हवाई किराया बढ़ाया तो सरकार दखल देगी

नई दिल्ली। एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद कई एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे यात्रियों पर बढ़ते बोझ को देखते हुए केंद्र सरकार अब इस मामले में हस्तक्षेप करने की तैयारी में है। सरकार जल्द ही एयरलाइंस के साथ मीटिंग कर सकती है ताकि आम लोगों को महंगे सफर से राहत मिल सके। सरकार ने अभी तक कोई लिखित निर्देश तो जारी नहीं किया है, लेकिन एयरलाइंस से उनकी प्राइसिंग स्ट्रैटेजी को लेकर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्री किरायों में बढ़ोतरी न हो।

एटीएफ की कीमतों में हाल ही में सोझ समझकर बढ़ोतरी की गई थी। सरकार ने एविएशन सेक्टर को सपोर्ट देने के लिए कीमतों में कुल 25त्न की बढ़ोतरी की अनुमति दी थी। हालांकि, आम यात्रियों को राहत देने के लिए घरेलू ऑपरेशंस के लिए प्रभावी बढ़ोतरी को करीब 8.5 प्रतिशत तक ही सीमित रखा गया था। वहीं इंटरनेशनल ऑपरेशंस और चार्टर्ड फ्लाइट्स के लिए एटीएफ के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। यह 96,638.14 रुपए प्रति किलोलीटर से बढ़कर 2,07,341.22 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गया है। घरेलू एटीएफ की कीमत अब 1,04,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई है।

### इंडिगो ने 10 हजार रुपए तक फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया

भले ही सरकार ने घरेलू स्तर पर बोझ कम रखने की कोशिश की, लेकिन देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव किया। इंडिगो ने पहले के 425 रुपए के फ्लैट सरचार्ज को हटाकर अब दूरी के हिसाब से नया स्ट्रक्चर लागू किया है। अब दूरी के आधार पर 275 रुपए से लेकर 950 रुपए तक का फ्यूल सरचार्ज लगेगा। कम दूरी की उड़ानों के लिए यह राहत की बात है, लेकिन लंबी दूरी की घरेलू उड़ानें महंगी हो गई हैं। इंटरनेशनल रूट्स- यहां सबसे ज्यादा असर पड़ा है। यूरोप जैसे लॉन्ग-हॉल रूट्स पर इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज 10,000 रुपए तक बढ़ा दिया है।

### न्यायिक अधिकारियों की टीम को बंधक बनाने वाले गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों की टीम को बंधक बनाने और हिंसा के मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपे जाने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया है। अब तक कुल 35 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और इस मामले में 19 केस दर्ज किए गए हैं। हिंसा भड़काने के मुख्य आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया, जहां से उसे आगे पूछताछ के लिए लाया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आरोपी पेशे से वकील बताया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बचाव कार्य में देरी क्यों हुई और क्या यह पूरी घटना पूर्व-नियोजित साजिश थी। गौरतलब है कि 1 अप्रैल 2026 को मालदा के कालियाचक ब्लॉक-द्ध में मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों के निपटारे के लिए पहुंची सात न्यायिक अधिकारियों (जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं) की टीम को उग्र भीड़ ने करीब 8-9 घंटे तक बंधक बनाए रखा था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया, पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ की और सुरक्षा बलों के साथ झड़प की, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए।

### पुडुचेरी में प्रधानमंत्री मोदी ने किया रोडशो, हुआ भव्य स्वागत

पुडुचेरी। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को गरमाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में रोडशो किया। इस दौरान शहर की सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' तथा 'जय श्री राम' के नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने रोडशो की शुरुआत अजंता सिग्नल पॉइंट के पास से की। उनके साथ सीएम एन रंगास्वामी और गृहमंत्री ए नमासिवयम भी मौजूद रहे। यह रोडशो लगभग दो किलोमीटर से कुछ कम दूरी तय करते हुए कामराजर स्टैच्यू/राजा थिएटर सिग्नल के पास जाकर समाप्त हुआ। रोडशो के दौरान पूरे मार्ग को सजाया गया था और जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण और रंगारंग बन गया।

### ईरान का बड़ा दावा : फिर गिराया एफ-35 लड़ाकू विमान

**जारी किया मलबे का वीडियो; अमेरिका बोला- झूठ फैलाया जा रहा**

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव कम होने का नाम ही नहीं ले रहा हैं। दोनों देश अपने-अपने हिसाब के कई बड़े दावे कर रहे हैं। कभी अमेरिका कहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है। वहीं, इन सबके बीच ईरान की ओर से भी बड़ा दावा किया गया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा है कि उसकी सेना ने एक और अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान को मार गिराया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने मध्य ईरान के आसमान में एक अमेरिकी एफ-35 विमान को नष्ट कर दिया। एजेंसी ने विमान के मलबे की तस्वीरें भी जारी की हैं और कहा है कि यह विमान अमेरिका के लेकनहीथ स्क्वाड्रन का था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि विमान पूरी तरह तबाह हो गया और पायलट के बचने की संभावना बहुत कम है। ईरान का दावा है कि पिछले 24 घंटों में यह दूसरा एफ-35 विमान है जिसे मार गिराया गया है। इससे पहले 2 अप्रैल और 23 मार्च को भी ऐसे ही दावे किए गए थे।

## मोदी सरकार ने तीन साल बाद मानी एनसीईआरटी मांग...दिया डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) को, मोदी सरकार की तरफ से अपने काम का दायरा बढ़ाने की मंशा बताने के तीन साल बाद, अब डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिल गया है। अब, एनसीईआरटी यूजीसी के दिशा-निर्देशों के मुताबिक नए कोर्स/प्रोग्राम शुरू कर सकता है और ऑफ-कैंपस और ऑफशोर सेंटर बना सकता है।

नोटिफिकेशन में बताया गया हैं कि शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी की सलाह पर, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग को, जिसमें छह अलग-अलग यूनिट शामिल हैं, एक खास कैटेगरी के तहत डीम्ड यूनिवर्सिटी घोषित किया गया है।

नोटिफिकेशन के मुताबिक, एनसीईआरटी में जो भी एकेडमिक प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे, वे यूजीसी और संबंधित वैधानिक परिषदों/ संस्थाओं द्वारा तय नियमों और मानकों के मुताबिक होने है। एनसीईआरटी रिसर्च प्रोग्राम के साथ-साथ डॉक्टोरल और नए तरह के एकेडमिक प्रोग्राम भी शुरू कर सकता है। इसमें यह भी बताया गया है कि कोर्स की फीस का ढांचा यूजीसी और संबंधित वैधानिक परिषदों के नियमों और कानूनों के मुताबिक होना चाहिए।

एनसीईआरटी को भी दूसरे उच्च शिक्षा संस्थानों की तरह एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स बनाए रखना होगा और अपने क्रेडिट स्कोर को डिजिटल लॉकर में अपलोड करना होगा। इस संस्थान को राष्ट्रीय रैंकिंग और मान्यता प्रणालियों में भी हिस्सा लेना होगा।

NCERT

इस बीच, संस्थान को किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए जो कमर्शियल या मुनाफा कमाने के मकसद से हो रही हो। इसमें जोड़ा गया है कि यूजीसी और केंद्र सरकार की पहले से अनुमति लिए बिना, इस डीम्ड यूनिवर्सिटी या इसकी अलग-अलग टीचिंग यूनिट की संपत्ति या फंड/ राजस्व का किसी और काम के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते।

एनसीईआरटी की स्थापना 1961 में सोसायटी एक्ट के तहत की गई थी, ताकि स्कूल शिक्षा से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार को मदद और सलाह दी जा सके। एक्ट के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के अलावा कोई भी उच्च शिक्षा संस्थान, जो किसी खास विषय के क्षेत्र में बहुत ऊंचे स्तर पर काम कर रहा हो, उस केंद्र सरकार द्वारा यूजीसी की सलाह पर डीम्ड यूनिवर्सिटी घोषित किया जा सकता है। जिन संस्थानों को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिलता है, उन्हें यूनिवर्सिटी के बराबर ही एकेडमिक दर्जा और अधिकार मिलते हैं।

**शाह ने कहा, असम में सत्ता आते ही यूसीसी लागू होगा...**

# लेकिन आदिवासियों को बाहर रखा जाएगा

गोलपाड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के गोलपाड़ा में चुनावी सभा को संबोधित कर कहा कि राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद कोई चार शादी नहीं करेगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा।

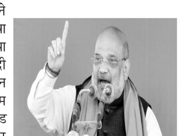

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोलपाड़ा में कहा कि असम के युवा कहते हैं कि घुसपैठियों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इतनी सारी आबादी बढ़ती है, रोका कैसे जाएं। मैं उन युवाओं से कहना चाहता हूं हम असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लाएंगे। अब कोई चार शादी नहीं कर पाएगा। यूसीसी में कांग्रेस आदिवासियों को डराती है कि आप पर भी यूसीसी लगेगी लेकिन आदिवासियों को यूसीसी से बाहर रखा जाएगा। यूसीसी किसके लिए लगाना है हमें मालूम है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इस नजरिये को बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू देश की पहली नागरिक बन गईं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के विकास के लिए पीएम मोदी और असम मुख्यमंत्री ने एक रोडमैप तैयार किया है। इस रोडमैप को आगे बढ़ाने और लागू करने के लिए बीजेपी को वोट दें।

मेघालय के पास गारो हिल्स में हाल ही में हुई हिंसा पर शाह ने कहा कि घुसपैठियों ने आदिवासी महिलाओं से शादी करके गारो काउंसिल में सत्ता हथियाने की कोशिश की, और इसकारण यह झगड़ा हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि बीजेपी ने असम में शांति बहाल की, लेकिन अगर 9 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कोई भी सीट जीतती है, तब नॉर्थ-ईस्ट में फिर से अस्थिरता आएगी। गोलपाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला है।

# मसीह धर्मावलंबियों द्वारा भक्तिभाव के साथ मनाया गुड फ्राइडे पर्व

## जिले के सभी गिरजाघरों में हुए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन, नगर में निकाली गई क्रूस ( सलीब ) रैली

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** मसीह धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व गुड फ्राइडे आज शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसिल व ग्रामीण अँचलो में भक्ति भाव के साथ मनाया गया। जहा जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस पर्व विशेष पर जगह-जगह प्रभु यीशु की आराधना, प्रवचन सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए गए। इसी कड़ी में नगर के मेथोडिस्ट चर्च और कैथोलिक चर्च में गुड फ्राइडे पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर प्रभु यीशु मसीह को याद किया गया।जहां बस स्टैंड स्थित मेथोडिस्ट चर्च में 3 घंटे की विशेष आराधना की गई ।वहीं क्रुस की विशेष आराधना कर, प्रभु यीशु के 7 वचनों का वाचन किया गया। इसके अलावा प्रभु यीशु की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक के सफर और मृत्यु के बाद पुनर्जीवित होने के सन्देश का जिक्र करते हुए प्रभु यीशु मसीह के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेने और उनकी जीवनी को आत्मसात कर प्रभु यीशु के बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। वहीं शाम को मीठी रोटी का सेवन कर उपवास तोड़ा गया।

### कैथोलिक चर्च से निकाली गई क्रूस रैली

इसी तरह नगर के कैथोलिक चर्च में गुड फ्राइडे पर विशेष आराधना की गई, जहाँ प्रभु यीशु के प्रवचन, उनके दिए गए उपदेश ,क्रूस यातना, उनकी जीवनी आदि का वाचन कर उपस्थितजनों ने सामूहिक आराधना की। वही देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए। इसके अलावा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी कैथोलिक चर्च से नगर मे एक क्रुस(सलीब) रैली निकाली गई ।जो नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए आकाशवाणी चौक स्थित ईसाई कब्रिस्तान पहुंची ।जहां धार्मिक नियमानुसार कार्यक्रम संपन्न कराए गए। जहां से यह रैली पून- अन्य मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस कैथोलिक चर्च पहुची। जहा इसका समापन किया गया। जहां इस रैली में शामिल सामाजिक बंधुओं ने जगह जगह प्रभु यीशु के प्रवचनों का पाठकर प्रभु यीशु के बताए हुए मार्ग पर चलने का संदेश दिया ।वही गिरजाघर के भीतर रात में भी प्रभु यीशु के कार्यक्रम चलते रहे।

### आज ही के दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था

बताया गया है कि आज ही दिन प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया था। ईसा मसीह प्रेम और शांति के मसीहा थे। दुनिया को प्रेम और करुणा का संदेश देने वाले प्रभु यीशु को उस समय के धार्मिक कट्टरपंथी ने रोम के शासक से शिकायत करके उन्हें सूली पर लटकवा दिया था, लेकिन कहा जाता है कि प्रभु यीशु इस घटना के तीन दिन बाद पुन: जीवित हो उठे थे। इसलिए गुड फ्राइडे के बाद आने वाले संडे को इस्टर संडे मनाया जाता है।

### यीशु मसीह ने त्यागे थे अपने प्राण

ईसाई समुदाय का प्रमुख पर्व गुडफ्राइडे आज ईसाई समुदाय द्वारा पूर्ण भावना एंव विश्वास के साथ मनाया गया ।ऐसी मान्यता है कि इसी दिन प्रभु यीशु मसीह ने अपने प्राण त्यागे थे। जिनके उपदेशों और मानव कल्याण के लिए दिए गए उनके बलिदान को याद कर आज मसीह समुदाय के लोग गिरिजाघरों में जाकर विशेष प्रार्थना करते है ।इसके अलावा प्रभु यीशु की याद में उपवास किया जाता है और उपवास करने के बाद मीठी रोटी बनाकर खाई जाती है ।साथ ही लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर प्रभु यीशु का स्मरण करते हैं

### रविवार को मनाया जाएगा ईस्टर संडे

आपकों बताए कि गुड फ्राइडे हर साल ईस्टर संडे से पहले यानी की 3 दिन पूर्व फ्राइडे को आता है ।मसीह समुदाय ये त्यौहार बड़े ही भक्तिभाव से मनाते है ।वही गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के लिए बहुत ही पवित्र दिन माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन प्रभु यीशु मसीह ने अपने प्राण त्याग दिए थे। इस दिन ईसाई धर्म के लोग श्रद्धा, प्रेम, सत्य और विश्वास के रास्ते पर चलने का प्रण लेते हैं। कई लोग इस दिन काले कपड़े पहनकर शोक मनाते है ।इस दिन व्रत भी रखते हैं। गिरजाघरों में घंटा न बजाकर लकड़ी के खटखटे बजाकर चर्च में क्रास चूमकर ईसा मसीह का स्मरण करते है। धार्मिक मान्यताओ के अनुसार आज के दिन गुडफ्राइडे को अपने प्राण त्याग कर प्रभु ईसा मसीह ईस्टर संडे को पून- जीवित हो उठे थे ।इसी वजह से ईसाई धर्म के लोग गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु के बलिदान को याद करते हैं।

गुड फ्राइडे पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान मेथोडिस्ट चर्च पास्टर इंचार्ज रेव्ह सुरेश कुमार ने बताया कि धार्मिक मान्यताओ के अनुसार आज के दिन गुडफ्राइडे को अपने प्राण त्याग कर प्रभु यीशु मसीह ईस्टर संडे को पून- जीवित हो उठे थे ।इसी वजह से ईसाई धर्म के लोग गुड फ्राइडे के दिन प्रभु यीशु के बलिदान को याद करते हैं। प्रभु यीशु संपूर्ण इंसानियत के लिए मरे थे उनके 7 उपदेशों का वाचन किया जाता है क्रॉस रैली के अलावा क्रॉस का चुंबन ,विशेष आराधना सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए गए है ।अवनी श्री परिवार की ओर से भोजन की व्यवस्था समाज के लिए कराई गई जिंसमे मोनू, संतोष, प्रियांश दास, प्रवहर व्यवहार, अमोल आशीष मसीह, संजय सिंह, शशांक मैंत्थू और सिमोन बिल्फ्रेड एंव समस्त मसीह जवान लोगो का सहयोग रहा ।तो वहीं कल रात को प्रभु यीशु मसीह के पुन: जीवन के बारे में बताया जाएगा। यह कार्यक्रम गुड फ्राइडे से लेकर ईस्टर संडे तक चलते रहेंगे।

# हनुमान जन्मोत्सव पर हीरापुर में निकली शोभायात्रा

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले में इस वर्ष हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। शहर और गांवों में कई स्थानों पर इस पर्व को दशहरा की तर्ज पर मनाते हुए हनुमान जी महाराज का मुकुट धारण कार्यक्रम आयोजित किया गया,

जिसने धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक रंग भी बिखेरा। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विभिन्न मंदिर समितियों द्वारा अपने-अपने स्तर पर सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन एवं पूजन-अर्चन जैसे धार्मिक आयोजन किए गए। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचे और भगवान हनुमान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे जिले का वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर नजर आया। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत हीरापुर में भी इस अवसर पर आयोजन किया गया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। यहां हनुमान जी महाराज का चोला शुभ सरवरी महाराज द्वारा धारण किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। 2 अप्रैल को शाम 7 बजे सार्वजनिक संकट मोचन हनुमान मंदिर, हीरापुर से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महाराज जी चल समारोह में शीश पर मुकुट धारण कर निकले । उनके पीछे-पीछे सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु जय श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों के साथ चलते नजर आए। इस शोभायात्रा में छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध धुमाल दल आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा, जिसकी धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। इसके साथ ही विभिन्न धार्मिक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिनमें भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान जी के जीवन प्रसंगों को जीवंत रूप में दर्शाया गया। शिव तांडव नृत्य की प्रस्तुति ने भी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे आयोजन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। शोभायात्रा हीरापुर से प्रारंभ होकर विष्णुधाम, भरवेली, सिवनी कैंप सहित विभिन्न मार्गों से नगर भ्रमण करते हुए पुन: हनुमान मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा प्रसाद वितरण और जलपान की व्यवस्था भी की गई। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए प्रशासन और पुलिस का भी सहयोग देखने को मिला, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

# बम्हनवाड़ा में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी क्षेत्र के ग्राम बम्हनवाड़ा में 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पालीवाल परिवार एवं ग्रामवासियों के सहयोग से

हनुमान मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ भगवान हनुमान जी के पंचामृत स्नान एवं अभिषेक से हुई। इसके पश्चात पूजा-अर्चना कर भक्तों ने भक्ति भाव से आरती की। मंदिर परिसर में पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा, जहां श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की।

आरती के उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में अशोक पालीवाल, ज्योति पालीवाल, आदित्य पालीवाल, मोहन मटाले, किशननाथ सोलंकी, बालकिशन कारसर्पे, फूलनबाई, शकुनबाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# श्री हनुमान जन्मोत्सव पर जगह-जगह हुए सुंदर काण्ड व हनुमान चालीसा पाठ व भंडारे

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार... बल बुद्धि विद्या देहु मोहि, हरहु कलेश विकार.... जब-जब भक्तों ने इस विनय के साथ पवनपुत्र का स्मरण किया, तब-तब संकट अपने आप दूर होते गए। भगवान श्रीराम के वनवास काल में लंका तक मार्ग प्रशस्त करने से लेकर माता सीता की खोज और रावण की स्वर्ण नगरी में पराक्रम का परचम लहराने वाले बजरंगबली की गाथा आज भी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा बनी हुई है। वहीं लक्ष्मण के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी के लिए पूरा पर्वत उठा लाने का अद्भुत प्रसंग भक्तों के मन में अटूट विश्वास और समर्पण की भावना जगाता है। इन्हीं आदर्शों और अटूट आस्था के साथ 2 अप्रैल 2026, गुरुवार को धर्मनगरी लांजी में हनुमान जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। पूरा नगर दिनभर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से गुंजायमान रहा, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। विशेष रूप से अभिनंदन बाल ग्रुप लांजी द्वारा विगत 22 वर्षों से निभाई जा रही परंपरा इस वर्ष भी पूरे भव्य स्वरूप में देखने को मिली। पुराना राम मंदिर परिसर में प्रात- 6 बजे अभिषेक से कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे महाआरती एवं विधिवत पूजन किया गया। सायं 7 बजे आरती उपरांत एकल संच की महिलाओं द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जो रात्रि 10.30 बजे तक सतत जारी रहा। इस दौरान शाम 7 बजे से महाप्रसाद वितरण

प्रारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान शाम 7 बजे पुराने राम मंदिर से राम भक्तों के एक ग्रुप ने डीजे एवं राम दरबार की झांकी के साथ भव्य यात्रा निकाली जो देर रात्रि तक पुरे नगर का भ्रमण कर वापस राम मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। नगर के पुराना गुजरी चौक स्थित नया राम मंदिर प्रांगण में मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में दोपहर 1 बजे से महिलाओं द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ, जिसने भक्तों को भक्ति रस में डुबो दिया। सायं 6.30 बजे महाआरती एवं 7 बजे से महाप्रसाद भोज का आयोजन हुआ, जिसमें नगरवासियों ने बढ-चढ़कर सहभागिता की। इसके अतिरिक्त पुरानी नगर पंचायत प्रांगण स्थित हनुमान मंदिर में अभिषेक, आरती, हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड पाठ के पश्चात महाप्रसाद वितरण किया गया। दुल्हापुर स्थित हनुमान मंदिर में भी विविध धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और अनुशासन के साथ संपन्न हुए। इस वर्ष का हनुमान जन्मोत्सव एक विशेष उपलब्धि के साथ भी यादगार बन गया, जब पुराना थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर का कायाकल्प कार्य पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं ने नवीन और सुसज्जित वातावरण में पूजा-अर्चना की। %लाल देह लाली लसे, अरु धरि लाल लंगूर, वज्र देह दानव दलन, जय जय जय कपि सूर.. जैसे ओजस्वी श्लोकों और भक्ति गीतों के साथ पूरा लांजी भक्तिरस में सराबोर नजर आया। यह उत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि शक्ति, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। प्रभु श्रीराम एवं हनुमान भक्तों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इसी तरह की भक्ति और सहभागिता भविष्य में भी नगर को धर्म और संस्कारों की राह पर अग्रसर करती रहेगी।

# सांदीपनि उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी का प्रवेशोत्सव संपन्न

## कक्षा ९वीं और ११ वीं के टॉप तीन विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ खैरलांजी।** खैरलांजी सांदीपनि उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के शुभारंभ के अवसर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुर्गाप्रसाद लिल्हारे , गुनाराम बघेले,सुनीता मानसिंह बहेटवार ,ज्योति भगतसिंह नगपुरे ,मुकेश कुमार तिवारी,संजय लिल्हारे ,बालक ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्हें नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया तथा मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे और सभी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन परिश्रम तथा विद्यालय एवं अपने माता पिता के प्रति सम्मान बनाए रखने की प्रेरणा दी। इसी क्रम में कक्षा ९वीं एवं ११वीं के टॉप ३ विद्यार्थियों का अतिथियों एवं शिक्षकगण के द्वारा मेडल अंकसूची तथा नि:शुल्क पुस्तकें प्रदान कर तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक रहा। साथ ही टॉप ३ में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता एवं विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। तत्पश्चात शासन की नि:शुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को अतिथियों के द्वारा साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम का सफ ल मंच संचालन बीजू बघेले ,श्रीमती पूजा गौतम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार प्रदर्शन विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती हर्षिता शिवहरे के द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता रही तथा संपूर्ण आयोजन अत्यंत आनंद उत्साह एवं उमंग के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# वृद्धाश्रम का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वृद्ध माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण अधिकरण, बालाघाट द्वारा भटेरा चौकी स्थित वृद्धाश्रम का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धजनों की सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर अधिकरण के अध्यक्ष प्रतिनिधि श्रीमती मंजूलता महोबिया, सुलह अधिकारी अधिवक्ता बी.आर. भैरम, सदस्य श्रीमती फिरोजा खान, पुलिस हमदर्द सेल के शैलेन्द्र शुक्ला एवं श्रीमती रुपरेखा नगपुरे उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान टीम ने वृद्धाश्रम में मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। अधिकरण द्वारा वेंटिलेशन की समुचित व्यवस्था करने, आवश्यक रैक (अलमारी) लगाने, स्वच्छ एवं आरामदायक गद्दे उपलब्ध कराने, टीवी नियमित रूप से चालू रखने, शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने, गर्मी को देखते हुए कूलर की व्यवस्था करने तथा पीने के लिए ठंडे पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकरण ने संबंधित प्रबंधन को निर्देशित किया कि वृद्धजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी देखभाल एवं आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

# श्रीराम कथा भक्तिमय और सत्कर्म की ओर प्रेरित कर ईश्वर से जोड़ता है- प्रदीप जायसवाल

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** ग्राम कायदी में रामनवमी से हनुमान जयंती तक आयोजित एक साथ दो बडी कथा संगीतमय श्रीराम कथा एवं श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया। कथा के समापन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,पूर्व न पा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे,श्रीमती मनीषा पिपरेवार ने व्यासपीठ को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संत श्री राधिकाशरण महाराज,सुश्री राधकिशोरी , सुश्री श्यामाकिशोरी व्रन्दावनधाम का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की एक साथ दो बड़ी कथाओं के आयोजन का उद्देश्य मानव जीवन को मर्यादित, भक्तिमय और सत्कर्म की ओर प्रेरित कर ईश्वर से जोड़ना है। यह कथाएं विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। धार्मिक कार्यक्रम में समापन पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें कायदी पंचायत के अलावा निकट की ग्राम पंचायत के भक्तो ने भी अधिक संख्या में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ भोजन रूपी प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती रेखा जितेंद्र नगरगड़े ,दीपक चौतगुरु, जगदीश चेतगुरु, खेमनलाल चौतगुरु, राधेश्याम केलकर, कमल उपराडे, रविन्द्र सोनबिरसे,ओमप्रकाश चेतगुरु ,हरिओम महिला मण्डल,

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

## न्यूज गैलरी

### दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर इंदिरा नगर में मनाया हनुमान प्रगटोत्सव

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** नगर के वार्ड क्रमांक 24 स्थित इंदिरा नगर के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में केसरी नंदन हनुमान जी का प्रगटोत्सव बड़े ही उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। भक्तिमय माहौल में श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारों से पूरे वातावरण को गूंजायमान कर दिया। भगवान को विधिवत भोग अर्पित

करने के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा सुंदरकाण्ड पाठ का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने श्रद्धा पूर्वक सहभागिता निभाई। इस संबंध में वार्ड पार्षद उज्जवल आमाडारे ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राहुल धुर्वे, सचिन चौरावार, महेश बावनक, दिनेश वासनिक, राकेश वैद्य, संतोष पीपलेवार, गणेश ठाकरे, राजेंद्र दियेववार, डॉ. देव बिसेन, दीपक अवचट, योगेश कावड़े, गोलू इंगले, थानेन्द्र गौतम, खिमेद्र गौतम, भव्य पटले, महेंद्र आमाडारे सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं नगर के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

# गैस वितरण में नई व्यवस्था, कोतवाली से मिल रहे सिलेंडर

## लंबी कतारों और विवाद की स्थिति के बीच प्रशासन की पहल, उपभोक्ताओं ने बताया सराहनीय कदम

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**बीते कुछ दिनों से शहर में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता और स्टॉक को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। लोगों के बीच यह जनचर्चा बनी हुई है कि जिले में पर्याप्त एलपीजी गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले डीजल-पेट्रोल की कमी को लेकर भी अफवाह फैली थी, हालांकि उसमें स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई। लेकिन रसोई गैस को लेकर अब भी कई क्षेत्रों में लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कुछ स्थानों पर गैस वितरण को लेकर विवाद की स्थिति भी निर्मित हो रही है। इसी बीच व्यवस्था को सुचारू बनाने और विवाद की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने नई पहल की है। अब एलपीजी गैस का वितरण स्थानिक कोतवाली थाना बालाघाट से किया जा रहा है। इस व्यवस्था के चलते गैस वितरण में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। कोतवाली थाना परिसर से गैस वितरण होने के कारण उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत व्यवस्थित तरीके से सिलेंडर प्राप्त हो रहे हैं। साथ ही पुलिस की मौजूदगी से अव्यवस्था और विवाद की स्थिति पर भी नियंत्रण पाया जा रहा है।**

जिले में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस को लेकर हाल ही में उत्पन्न हुई स्थिति को लेकर आमजन में चिंता और चर्चाओं का दौर जारी है। हालांकि डीजल और पेट्रोल की उपलब्धता अब सामान्य हो चुकी है, लेकिन रसोई गैस को लेकर अभी भी उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि संबंधित विभाग और गैस एजेंसियां पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रही हैं,

इसके बावजूद उपभोक्ताओं में पिछले कुछ दिनों से पैनिक की स्थिति बनी हुई है। डीजल-पेट्रोल के मामले में राहत मिलने के बाद भी रसोई गैस के लिए लोगों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के बाद ओटीपी और सब्सिडी मिलने के बावजूद उन्हें समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। अफवाहों के चलते गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों पर भीड़ बढ़ गई है, जिससे कई स्थानों पर विवाद जैसी स्थिति बन रही है। होम डिलीवरी का इंतजार करने के बजाय उपभोक्ता स्वयं गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, जिसके कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लोगों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है। गैस कंपनियों द्वारा वितरण प्रक्रिया में कुछ सख्ती बरती गई है, जिसमें सिलेंडर डिलीवरी की समयावधि बढ़ाई गई है। इसका असर विशेष रूप से सिंगल कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं पर अधिक देखा जा रहा है। इसी बीच कोतवाली पुलिस द्वारा एक नई व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत कुछ गैस एजेंसी के सिलेंडरों का वितरण अब गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों के बजाय कोतवाली थाना परिसर से किया जा रहा है। इस पहल को उपभोक्ताओं ने सराहा है। लोगों का मानना है कि इससे अनियमितताओं पर रोक लगेगी और अधिक कीमत पर सिलेंडर बेचने जैसी शिकायतों में कमी आएगी।

### कभी सोचा नही था, सिलेंडर थाने से मिलेगा - मनोजदास

कोतवाली थाना पहुंचे उपभोक्ता मनोजदास ने बताया कि उन्होंने एक महीने पहले गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन पिछले 3-4 दिनों से उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा था। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि कोतवाली थाना से वितरण किया जा रहा है, जिसके बाद वे वहां पहुंचे और सिलेंडर प्राप्त किया। उन्होंने इस व्यवस्था को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और पारदर्शिता भी बनी रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने कभी यह नही सोचा था कि गैस का सिलेंडर थाने से भी मिलेगा।

### थाना परिसर से ही गैस का वितरण शुरू किया गया हैं - कामेश

कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया कि गैस वितरण को लेकर उन्हें लगातार विवाद की स्थिति बनने की जानकारी मिल रही थी। साथ ही कुछ स्थानों पर गैस सिलेंडरों के वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें भी प्राप्त हो रही थीं। उन्होंने बताया कि पुलिस हर जगह तैनात नहीं हो सकती, इसलिए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गैस एजेंसियों से चर्चा की गई। इसके बाद व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु कोतवाली थाना परिसर से ही गैस सिलेंडरों का वितरण शुरू करवाया गया है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल गैस सिलेंडरों का वितरण कोतवाली थाने से ही किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार का विवाद न हो। व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना परिसर में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो पूरे वितरण कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

# फिर सामने आई जिला अस्पताल की लचर व्यवस्था

## मरीज के परिजनो को खीचना पर रहा स्ट्रेचर, सी.एस. बोले करेंगे कार्यवाही

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** यदि आपने, अपने किसी परिजन को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया है और आप उस मरीज को जिला अस्पताल में भर्ती कराकर उसका इलाज करवाना चाहते है तो आपको वो सब कुछ करना पड़ेगा जो काम अस्पताल के कर्मचारियों का है। ऐसे मामले में आप अस्पताल के किसी कर्मचारी से सहयोग की उम्मीद ना रखे तो बेहतर है।यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि इसके नजारे जिला अस्पताल में आए दिनों देखने को मिल रहे हैं ।क्योंकि जिला अस्पताल में आने वाले लोगों को अपने मरीज को भर्ती कराने के लिए खुद ही स्ट्रेचर में लेंटाना पड़ता है खुद ही इस स्ट्रेचर को खींचते हुए वार्ड में ले जाना पड़ता है और खुद ही खाली पलंग ढूंडकर उस पलंग में बेडशीट आदि बिछानी पड़ती है।क्योंकि पिछले कई दिनों से जिला अस्पताल के ऐसे ही हालात बने हुए हैं।जहा मरीज के परिजनों को ही वार्डबॉय का काम करते देखा जा रहा है।

### परिजन स्वयं ही स्ट्रेचर खींचने को हो रहे मजबूर

ग्रीष्मकालीन सीजन शुरू होते ही जिला अस्पताल में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों की संख्या बढ़ गई है,ऐसे में जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को जिला अस्पताल में बेहतर सुविधा नहीं मिल पा रही है।हालात यह है कि मरीज के परिजनों को स्वयं ही स्ट्रेचर खींचने को मजबूर होना पड़ रहा है वहीं स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा केवल एक ही जवाब दिया जा रहा है कि कर्मचारियों की कमी होने की वजह से यह सब समस्या आ रही है।ज्ञात हो कि प्रशासनिक स्तर से जिला अस्पताल की अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयास नजर आते हैं जबकि मरीजों को मिलने वाली आकस्मिक सुविधाएं आज भी मरीजों तक नहीं पहुंच पा रही हैं

### आए दिन अस्पताल का होता है निरीक्षण, पर समस्या जस की तस

उधर जिला प्रशासन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में तो, इधर कर्मचारी व्यवस्थाओं को बिगाड़ने में जुटे हैं। बात अगर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की करें तो जिला अस्पताल की व्यवस्था और वहां मिलने वाली सुविधाए किसी से छुपी नहीं है।प्रशासनिक अधिकारी आए दिनो, जिला अस्पताल का निरीक्षण कर यहां की सुविधाएं पहले से और अधिक बेहतर बनाने में जुटे है तो वहीं दूसरी ओर आए दिन नजर आ रहे यह नजारे अस्पताल प्रबंधन और यहां की गई व्यवस्थाओं की पोल खोलते नजर आते हैं।ज्ञात हो कि पूर्व में एक मरीज को स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं कराने के मामले में 5 एएनएम पर एक वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई हुई थी।लेकिन कार्यवाही के बावजूद जिला अस्पताल के भीतर की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है, वही आए दिनों लोगो को अपने मरीज को वार्ड में भर्ती कराने के लिए स्ट्रेचर खीचते देखा जा रहा है।अक्सर सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के परिजन ही स्ट्रेचर खींचते दिखाई देते है।वही पूरे जिला अस्पताल में कहीं वार्ड बाय दिखाई नहीं देते। यह नजारे, पिछले कुछ दिनों से जिला अस्पताल में रोज नजर आ रहे है।

### वर्षों से चली आ रही परंपरा, अब भी कायम कार्यवाही का नहीं है डर

शुक्रवार को अलग-अलग घटनाओं में गंभीर रूप से घायल, या बीमार हुए लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के लिए एंबुलेंस 108 से लाया गया था जिन्हें एंबुलेंस से उतारकर डॉक्टर के पास ले जाने और उन्हें वार्ड में जाकर शिफ्ट कराने की जिम्मेदारी वहां के वार्ड बॉय और संबंधित स्टाफ की थी लेकिन देखने में यह आया कि लोग अपने मरीजों को खुद स्ट्रेचर में डालकर स्ट्रेचर खुद घसीटते हुए नजर आए ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब जिला अस्पताल में मरीजों को स्ट्रेचर में ले जाने की जिम्मेदारी वहां के वार्ड बॉय और संबंधित स्टाफ को दी गई है तो फिर परेशान होकर अस्पताल में आ रहे मरीजों के परिजनों से स्ट्रेचर क्यों खिंचवाया जा रहा है सवाल यह भी है की पूर्व में कार्यवाही होने के बाद भी जिला अस्पताल की व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं आ रहा है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि मामले का संज्ञान लेने के बाद क्या प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा दोबारा इस पर कार्यवाही की जाएगी या फिर वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

### भर्ती मरीजों को भी नही मिलती वार्डबॉय की सुविधा

वैसे तो जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर मरीजों की हमेशा ही शिकायत रही है।जिसका समाधान आज तक ना तो प्रबंधन और ना ही प्रशासन कर पाया है।अक्सर देखा जाता है कि गम्भीर अवस्था मे मरीज को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाने पर, चिकित्सकों के द्वारा घायल को मेडिकल वार्ड में भर्ती करने की सलाह दी जाती है।कर्मचारियों द्वारा मरीज के परिजन को स्ट्रेचर तो उपलब्ध करा दिया जाता है लेकिन परिजनों से ही स्ट्रेचर खिंचवाया जाता है।मजबूरी में परिजनों को ही स्ट्रेचर खींचकर मेडिकल वार्ड तक मरीज को ले जाना पड़ता है।जिसके बाद भी लापरवाही का सिलसिला खत्म नही होता।कई बार एक्सरा कराने के लिए परिजनों को खुद स्ट्रेचर पर मरीज को ले जाना पडता है, वही एक्सरा के बाद परिजन पुन: स्ट्रेचर खींचते हुए मेडिकल वार्ड तक अपना मरीज वापस लेकर आते है।

### जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में नहीं आ रहा सुधार

जिला अस्पताल पर प्रशासनिक अधिकारियों की पैनी नजर होती है इसके बावजूद भी मरीज के परिजन इलाज के लिए परेशानी उठाते हैं इस हालत का जिम्मेदार जिला अस्पताल प्रबंधन की लचर व्यवस्था को माना जा सकता है।प्रशासनिक अधिकारियों के बार-बार निरीक्षण का भी असर भी नहीं पड़ रहा है और आए दिनों ऐसे नजारे अस्पताल में देखने को मिल जाते हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी जिला अस्पताल की व्यवस्था में सुधार आता नहीं दिख रहा है

### मरीजो के परिजनों को ही करना पड़ता है सभी काम- महेंद्र उपवंशी

स्टेचर पर मरीज को बैठाकर इधर उधर लाना ले जाना कर रहे मरीज के परिजन महेंद्र उपवंशी ने बताया कि यहां पर वार्ड बॉय नहीं है मरीज को स्वयं ही लाना ले जाना पड़ता है,केवल हम ही नहीं बल्कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों के परिजन, अपने अपने मरीजों को स्ट्रेचर पर इधर से उधर लाना ले जाना करते हैं। यहां तक की चिकित्सक के पास, व एक्सरे रूम में भी लाने ले जाने का काम मरीजों के परिजनों को ही करना पड़ता है।

### स्ट्रेचर खिंचने कोई वार्डबॉय नही आता-भीमराव कोहरे

वही मरीज के परिजन भीमराव कोहरे ने बताया कि यहां वार्ड बॉय की सुविधा नहीं है।एक साहब आए थे बोले कि स्ट्रेचर पर बैठकर मरीज को वार्ड में ले जाओ, तो हम लोग अपने मरीज को स्ट्रेचर में बैठाकर वार्ड के भीतर आए हैं। यहां सभी लोग ऐसा कर रहे हैं किसी को भी वार्ड बाय नहीं मिला है।

### यदि ऐसा है तो कार्यवाही की जाएगी-जैन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि जिला अस्पताल में पर्याप्त वार्ड बॉय, गार्ड और अन्य कर्मचारी हैं।जिन्हें इन कामों के लिए रखा गया है वही व्हीलचेयर, व स्ट्रेचर भी हमारे पास में पर्याप्त है।जिसे जगह-जगह रखवाया गया है,जब कभी मरीज अस्पताल आता है तो वार्ड बाय, गार्ड या फिर सम्बधित स्टाफ, सट्रेचर लेकर मरीज तक पहुंच जाते हैं और मरीजों की पूरी मदद करते हैं। कई बार परिजन जब मरीज को जब अस्पताल आते है तो वे स्वयं ही स्ट्रेचर में मरीज को बैठाकर ,खुद ही स्ट्रेचर खींचते हुए डॉक्टर के पास लाते हैं ताकि मरीज को जल्द से जल्द प्राथमिक उपचार मिल सके। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वह भावात्मक रूप से मरीज से जुड़े होते हैं। वह तुरंत प्राथमिक उपचार करना चाहते हैं इसीलिए कई बार परिजन खुद ही सहयोग करते हैं।हमारे पास पर्याप्त वार्ड बॉय की व्यवस्था है यदि वार्ड बाय परिजनों से स्ट्रेचर खिंचवाते हैं या व्हीलचेयर ,व स्ट्रेचर खींचने के लिए कहते हैं तो यह गलत है यदि ऐसा है तो नामजद शिकायत मिलने पर सम्बधितों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

# वीरों का बलिदान हम सभी के लिये सीख व प्रेरणा का विषय-जालम सिंह पटेल

## 28 अप्रैल को भोपाल में होगा राजा हिरदेशाह लोधी की पूण्यतिथि पर शौर्य दिवस कार्यक्रम, लोधी महासभा की विशाल बैठक में भोपाल चलने का किया आह्वान

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** वीरों का बलिदान हम सभी के लिये सीख व प्रेरणा का विषय हैं। वीरांगना रानी अवंती ने महज 27 साल की उम्र में बेटी, पत्नी, मां और वीरांगना बनने का गौरव प्राप्त किया। राजा हिरदेशाह की एक चार जिलों में अलग-अलग रियासत होने के बावजूद उन्होने गुलामी को स्वीकार नहीं किया बल्कि अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ संघर्ष किया। सन 1842 की क्रांति का उन्होने बिगुल बजाया और 18 महीने तक लगातार संघर्ष किया। जेल में भी समय बिताया। अंग्रेजी हुकुमत ने उनकी सारी रियासत को जप्त कर ली। यहां तक कि उनकी जो आज पीढ़ी हैं उनके पास एक भी जमीन नहीं थी। ऐसे योद्धाओं का बलिदान हमारे युवाओं और मातृशक्ति की ताकत का एहसास कराती हैं। राजा हिरदेशाह की आगामी 28 अप्रैल को पूण्यतिथि है और इस अवसर पर भोपाल के जबुंरी मैदान में विशाल शौर्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित तमाम जनप्रतिनिधियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सहित सभी को आमंत्रित किया जाता हैं। लोधी समाज की सहभागिता की ज्यादा अपेक्षा हैं। उक्ताशय के सारगर्भित उद्‌गार पूर्व मंत्री व अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेशाध्यक्ष जालम सिंह पटेल ने व्यक्त किये। बता देवें कि आज 3 अप्रैल को जिला लोधी महासभा के नेतृत्व में विशाल बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें अखिल भारतीय लोधी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष जालम सिंह पटेल, युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सर्वजीत ड्क्ससह लोधी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमलेश्वर वर्मा, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला लोधी महासभा के अध्यक्ष डॉ अशोक लिल्हारे प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर समाज के तमाम संगठन के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधिगण, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। वीरांगना अवंती बाई व राजा हिरदेशाह के तैल्य चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजली अर्पित करने के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सर्वजीत सिंह ने युवाओं का आह्वान करते हुये उन्हें हर अवसर पर सहयोग करने की बात कहते हुये भोपाल के आयोजन में सहभागिता करने की बात कही।विधायक अनुभा मुंजारे ने लोधी समाज के एकता व एकजूटता पर जोर देते हुये कहा कि हम सभी को सामाजिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। यहां पर आयोजित हुई इस बैठक के माध्यम से हम सभी को यही संकल्प करना हैं कि हमारे महान वीर सपूतों के बलिदान के साथ ही हमें अपनी शिक्षा, संस्कार को भी मजबूती प्रदान करना हैं। विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि लोधी समाज बहुत ब?ा समाज हैं। जिसकी संख्या बालाघाट ही नहीं पूरे देशभर में हैं। यह ऐसा समुदाय है जिसका अपना इतिहास है। स्वतंत्रा संग्राम में हमारे वीरों का बहुत योगदान हैं। उन्होने भोपाल में होने जा रहे शौर्य दिवस कार्यक्रम में लोधी समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह अधिकाधिक संख्या में शामिल होवें। इस कार्यक्रम में टीकाराम सौलखे,बी.एल.लिल्हारे,दिलीप उपवंशी, जितेंद्र मोहारे, शौकत बिसाने,धर्मपाल सिंह नगपुरे, गगन नगपुरे, दुर्गा सौलखे, सी.डी.नगपुरे, डॉक्टर विजय बरैया,रामड्क्ससह पटेल, रामचंद सिहोरे, सुखदेव मुनि कुतराहे,यशवंत लिल्हारे,राकेश बनोटे, दुर्गा सौलखे, सी.डी.नगपुरे, प्रभुलाल पिछोड़े,चुमेश लिल्हारे,सावन पिछोड़े,भोजराज गहगहे, गुडडू नगपुरे,चंदर दमाहे, गंगाप्रसाद लिल्हारे, आतिश लिल्हारे,गौरीशंकर मोहारे,शैलेंद्र ठकरेले, राजेश लिल्हारे, डॉक्टर लक्ष्मण कुर्राहे,पवन नगपुरे,दुर्गा प्रसाद पगरवार, अनिल नगपुरे, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे, प्रदेश महामंत्री गौरी लिल्हारे,श्रीमती रितु मोहारे, श्रीमती अंबिका नगपुरे,श्रीमती सपना विजय मसखरे, पूनम गणेश लिल्हारे, श्रीमती रत्ना नगपुरे,सुलभा नगपुरे, सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन योगेश नगपुरे व आभार प्रदर्शन जिला लोधी महासभा के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक लिल्हारे द्वारा किया गया।

# बालाघाट-वारासिवनी मार्ग पर ट्रकों का जाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में केंद्रीय भंडारण निगम के गोदाम के सामने लगातार लगने वाले जाम से आमजन और राहगीर गंभीर रूप से परेशान हैं। यह गोदाम वारासिवनी रोड पर ग्राम गर्रा के मशीन टोला क्षेत्र में स्थित हैम जहां ट्रकों की अव्यवस्थित आवाजाही के कारण आए दिन यातायात बाधित हो रहा है।

### ट्रकों की अव्यवस्था से बिगड़ रहा यातायात

गोदाम में माल खाली करने के लिए आने वाले और खाली होकर लौटने वाले ट्रकों के बीच अक्सर जल्दबाजी और विवाद की स्थिति बन जाती है। ट्रक चालक बिना किसी व्यवस्था के सड़क पर ही वाहन खड़ा कर देते हैं। जिससे सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग जाता है। स्थिति यह हो जाती है कि बालाघाट से वारासिवनी और वारासिवनी से बालाघाट जाने वाले वाहनों की कतारें लग जाती हैं।यहां तक कि दोपहिया वाहन भी निकल नहीं पाते।

### 3 अप्रैल को हालात हुए गंभीर

3 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे हालात बेहद खराब हो गए। जब गोदाम के मुख्य गेट के सामने ही ट्रक खड़े हो गए। दोनों ओर दर्जनों वाहन फंस गए और घंटों तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। स्थानीय रहवासियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यह क्षेत्र कोतवाली बालाघाट के अंतर्गत आता है। लेकिन यहां न तो यातायात पुलिस की नियमित तैनाती है और न ही गोदाम प्रबंधन की ओर से कोई कर्मचारी व्यवस्था संभालने के लिए मौजूद रहता है।ट्रकों के लंबे समय तक सड़क पर खड़े रहने के कारण जाम की समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

### स्थानीय लोगों की बढ़ती परेशानी

लगातार लगने वाले जाम के कारण आसपास के निवासियों को भी दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आपात स्थिति में भी रास्ता खुला नहीं मिल पाता। जिससे चिंता और बढ़ जाती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि केंद्रीय भंडारण निगम के गोदाम के सामने यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए।ट्रकों की आवाजाही के लिए निर्धारित व्यवस्था बनाई जाए,यातायात पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करे,गोदाम प्रबंधन की जिम्मेदारी तय करे,ताकि ट्रक आसानी से गोदाम में प्रवेश कर सकें और माल खाली कर समय पर निकल जाएं साथ ही बालाघाट वारासिवनी मार्ग पर आवागमन सुचारू रूप से जारी रह सके।

# लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग के रहवासियों ने विधायक अनुभा मुंजारे पर चंद लोगों के इशारे पर सड़क का गुणवत्ताहीन काम करवाने का लगाया आरोप

## सड़क निर्माण कार्य बना विवाद का अखाड़ा, जल निकासी की अनदेखी से आक्रोश व्याप्त

## प्रेसवर्ता आयोजित कर दी जानकारी, पानी निकासी के लिए पुलिया निर्माण एवं सड़क निर्माण कार्य की जांच करवाने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

**नगर मुख्यालय के लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का अधूरा निर्माण कार्य और पानी निकासी के लिए पुलिया निर्माण कार्य नही होने का कार्य अब विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के लिए गले की हड्डी बनता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने 3 मार्च को स्थानीय विश्राम गृह में प्रेसवर्ता आयोजित कर विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे वास्तविक जनसमस्याओं को नजर अंदाज कर कुछ लोगों के इशारों पर काम कर रही है एवं कुछ करीबियों के सुझावों को अधिक प्राथमिकता दे रही है जिससे क्षेत्र का विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। वहीं नीरज पशीने सहित अन्य निवासरत लोगों का कहना है लंबे समय बाद लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है। साथ ही दो स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुलिया का निर्माण किया जाना अत्यंत आवश्यक है किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा निर्माण नही किया जा रहा है। जबकि निर्माण के पूर्व सड़क विभाग के अधिकारियों ने पानी निकासी हेतु दो स्थानों पर पुलिया निर्माण हेतु आश्वस्त किया था किन्तु वर्तमान में सड़क का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है किन्तु पानी की निकासी का उचित प्रबंध नहीं किया गया है। जिससे भविष्य में निवासरत लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जबकि सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने के पहले विधायक को वार्डवासियों और स्थानीयजनों से विचार-विमर्श करना चाहिए था, लेकिन उन्होने ऐसा नही किया है और तकनीकी इंजीनियरों से परामर्श लेने के बजाय राजनीतिक दबाव और अपने लोगों के बहकावे में आकर निर्माण कार्य को गति दे रही हैं जो गलत है।**

### विधायक के रूख पर नाराजगी

विवाद तब और गहरा गया जब गत दिनों विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सड़क का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में व्यवधान डालने वालों को कड़ी फटकार लगाई थी। साथ ही कहा था कि निजी स्वार्थ के लिए जनहित के कार्य में अगर कोई व्यवधान उत्पन्न करेगें तो उन पर कार्यवाही की जायेगी। जिस पर स्थानीय नागरिक नीरज पशीने सहित अन्य लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि अपनी जायज मांगों को रखना व्यवधान नहीं है। विधायक को अनर्गल बयानबाजी करने के बजाय धरातल पर आकर समस्या को सुनना चाहिए था। लेकिन हमारी समस्या एवं मांगों को नही सुना गया जो गलत है, जबकि इस सड़क का नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए किन्तु ऐसा नही किया जा रहा है। विधायक महोदया कुछ लोगों के बहकावे में आने के बजाय जनता के बीच आकर तकनीकी विशेषज्ञों के साथ वस्तुस्थिति देखनी चाहिए। चंद लोगों को खुश करने के चक्कर में पूरे क्षेत्र की जनता को परेशानी में नहीं डाला जा सकता। वहीं फिलहाल, इस लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के 600 मीटर की सड़क निर्माण का विवाद ने क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और अब देखना यह होगा कि क्या विधायक जनभावनाओं को देखते हुए निर्माण कार्य में बदलाव करवाती हैं या विवाद यूं ही बरकरार रहता है।

### विधायक और सरपंच समस्या को दरकिनार कर ठेकेदार का कर रहे सपोर्ट - नीरज

वार्डवासी नीरज पसीने ने बताया कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का गत दिवस विधायक महोदया के द्वारा निरीक्षण किया गया परन्तु निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा जनहित के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया और अपने तानाशाही अंदाज में ठेकेदार का पक्ष लिया गया है। जबकि इस सड़क निर्माण को लेकर पूर्व कलेक्टर से शिकायत की गई थी, जिसके बाद उनके द्वारा इसकी जांच करवाई गई और जांच के बाद भी उन्होंने काम को रूकवाया था और उस समय जो अधिकारी सड़क का निर्माण करवा रहे थे उन्हे इस समस्या की भली-भांति जानकारी है। श्री पशीने ने बताया कि पांढरवानी सरपंच और विधायक वार्डवासियों की समस्या को दरकिनार करके ठेकेदार का सपोर्ट कर रहे हैं और यह बहुत ही ताजुब की बात है कि जनप्रतिनिधि जनसमस्या को छोड़कर किसी ठेकेदार को समर्थन दे रहे हैं। जबकि विधायक महोदया दो बार की नगरपालिका अध्यक्ष रह चुकी है उनके कार्यकाल में बहुत से निर्माण कार्य बालाघाट में हुए हैं तो मुझे लगता है कि उन्हें भी इस सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता के बारे में बहुत समझ होगी और सरपंच जो की विधायक प्रतिनिधि भी है। उसके द्वारा ठेकेदार का पुरा सपोर्ट किया जा रहा है और गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण में सहयोग किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि इस नाली से चार वार्डों का पानी की निकासी होती है इसलिए हमारी मांग है कि दो स्थानों पर पानी निकासी के लिए पुलिया का निर्माण किया जाये लेकिन नही किया जा रहा है इसी बात का विरोध कर रहे है, शासन-प्रशासन से मांग है कि पानी निकासी की उचित व्यवस्था एवं निर्माण कार्य की जांच की जाये।

### विद्युत पोलों को नही किया गया है शिफ्टिंग - मनीष

वार्डवासी मनीष कुशवाहा ने बताया कि सड़क निर्माण के पहले बिजली के खंबों को शिफ्टिंग कर देना चाहिए था लेकिन ऐसा नही किया गया है। जिसके कारण कुछ स्थानों पर सड़क के बीच में विद्युत पोल है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है, साथ ही पानी निकासी की भी समस्या उत्पन्न हो रही है। श्री कुशवाहा ने बताया कि जब सड़क का स्टीमेट तैयार किया गया, तब पानी निकासी के लिए नाली निर्माण के संबंध में किसी तरह कोई स्टीमेट तैयार नही किया गया था। जबकि इसी नाली से चार-पांच वार्डों का पानी की निकासी होती है और इस समस्या को देखते हुए पुलिया का निर्माण किया जाना था परंतु पुलिया का निर्माण नहीं किया जा रहा है। हमारी मांग है कि सड़क के बीच में आ रहे विद्युत पोलों को हटाये जाये और सड़क के साथ ही पानी निकासी के लिए नाली का भी निर्माण करवाये प्रशासन।

# बोरी में बह रही ज्ञान की गंगा, श्रध्दालुजन ले रहे पुण्यलाभ

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत बोरी में 2 अप्रैल से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ जारी है। इस अवसर पर 2 अप्रैल को कलशों की शोभायात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जिसके बाद संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ प्रारंभ हुआ। इस 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में वृंदावन (उत्तरप्रदेश) से पधारे भागवत भूषण आचार्य पंडित लोकेश उपाध्याय महाराज जी के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है। जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है और श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरूवार से 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ हुआ है और इस अवसर पर प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कथावाचक के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है और बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन कथा श्रवण कर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे है। आगे बताया कि 5 अप्रैल को कृष्ण जन्मोत्सव, 7 अप्रैल को

रूखमणी विवाह, 8 अप्रैल को पुर्णाहुति एवं भंडारा के साथ 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

# मिरेगांव में रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज आज

## विजेता को मिलेगा 21,111 रुपये का नकद पुरस्कार एवं शिल्ड

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में डब्ल्यूसीसी क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य रात्रिकालीन ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार 4 अप्रैल को शाम 7 बजे मिरेगांव के खेल मैदान में होगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21,111 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 12,250 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1000 रूपये निर्धारित किया गया है। आगे बताया कि उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा श्रीराम नागेश्वर के विशिष्ट आतिथ्य, मिरेगांव सरपंच श्रीमती काजल हेमंत कुर्वेती, उपसरपंच नीलकुमार बघेल, जनपद सदस्य शशीकला ज्ञानीराम पंचेश्वर, पूर्व सरपंच प्रशांत चंद्रवार के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा।

आगे पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन बनाये रखने के लिए कड़े नियम लागू किये गये है और मैच में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 8 अप्रैल है और फाइनल मैच 13 अप्रैल को संपन्न होगा। इस अवसर पर जिलेभर के क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष सुरेश पंचेश्वर, उपाध्यक्ष डॉ. अशोक बिसेन, सचिव जितेन्द्र कावरे, कोषाध्यक्ष महेन्द्र कावरे, कार्यकारिणी अध्यक्ष दुर्गेश बिसेन, शेषकुमार बिसेन, आनंद बिसेन, निरज बिसेन, डुलीचंद कावरे, कपूर बिसेन, तेजराम राउत, संजय माने, संतोष चंद्रवार, जयेश बिसेन, श्रीकांत चंद्रवार, क्रांति बिसेन, पंकज बिसेन, विरेन्द्र डुम्भरे, धर्मेन्द्र चंद्रवार, वासु बिसेन, सोनू कावरे, दिलीप बिसेन, दीपक बिसेन, राकेश बिसेन, दीपक शेन्द्रे, देवेन्द्र बिसेन, सोमेश पंचेश्वर, निलेश कावरे, संतोष बिसेन, पवन भतवारे, विरेन्द्र भतवारे, खोजन बिसेन, शुभम ठाकरे, राजेश ठाकरे, मुनेश ठाकरे, संकेत बांगरे सहित अन्य सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

# लालबर्रा में सिलेंडर गैस की नही है कमी, अफवाहों से बचे - गैस एजेंसी

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** फिजा भारत गैंस एजेंसी लालबर्रा ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे एलपीजी गैस की कमी को लेकर फैल रही झूठी अफवाहों पर ध्यान न दें। एजेंसी के संचालक जमील खान और मैनेजर मिथुन बोरकर ने संयुक्त रूप से विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एजेंसी के पास एलपीजी सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं एवं गैस खत्म हो गई है या आने वाले समय में नहीं मिलेगी जैसी बातें पूरी तरह निराधार हैं। उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। आगे बताया कि एजेंसी के द्वारा उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घर बैठे गैस बुकिंग की व्यवस्था की गई है।

उपभोक्ता अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से 7715012345, 7718012345 पर कॉल कर सिलेंडर गैंस बुक करवा सकते है, जिसके बाद एजेंसी के कर्मचारी नगर एवं गांवों में वाहन के माध्यम से होम डिलीवरी की सुविधा पहुंचायेगें। वहीं डिलीवरी के दौरान उपभोक्ता के मोबाइल पर भेजे गये 6 अंकों के डिलीवरी कोड को बताना अनिवार्य होगा। तभी डिलीवरी पूरी मानी जायेगी, इसके अलावा उज्जवला उपभोक्ताओं को 45 दिन, सामान्य कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को 25 से 35 दिन बाद ही वे अपना रिफील बुक करवा सकते हैं। भारत गैंस के एजेंसी संचालक व मैनेजर ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अनावश्यक रूप से एजेंसी पर पहुंचकर भीड़ न बढ़ाये और घर पर रहकर ही बुकिंग कर सुविधा का लाभ उठाये।

## घोटी में भक्तिभाव के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत घोटी स्थित बजरंग मंदिर में गुरूवार को भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 8 बजे भगवान हनुमान जी का जलाभिषेक, पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद दोपहर में हवन-पूजन संपन्न हुआ तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर में दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। साथ ही जय-जय श्रीराम, जय-जय पवन पुत्र बजरंगबली के नारे भी लगे जिससे पूरा ग्राम नारों से गुंजमान्य हो उठा और सभी भक्तिमय में नजर आये। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी

पवनपुत्र संकटमोचन भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव भक्तिभाव एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान मंदिर में दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए एवं दोपहर में हवन-पूजन संपन्न हुआ तत्पश्चात आरती करने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया और भगवान हनुमान से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

# बैहर नगर में सफाई व्यवस्था बदहाल, कचरा जलाने पर नहीं लग रही रोक

**पद्मेश न्यूज। बैहर।** बैहर नगर में साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर नगर परिषद की लापरवाही लगातार सामने आ रही है। लंबे समय से यह देखा जा रहा है कि नगर परिषद के कर्मचारी सफाई कार्य के प्रति गंभीर नहीं हैं। सफाई निरीक्षक समय पर उपस्थित नहीं रहते, जिसके कारण प्रात:काल सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा एकत्र कर उसे खुले में जला दिया जाता है।

गौरतलब है कि कचरा जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद बिना किसी रोक-टोक के यह कार्य जारी है। जो कचरा नहीं जल पाता ।उसे कचरा वाहन के माध्यम से अन्य स्थानों पर ले जाकर डाल दिया जाता है। यह स्थिति नगर के लगभग सभी वार्डों और मोहल्लों में देखने को मिल रही है। नागरिकों ने मांग की है कि कचरा जलाने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इधर तालाबों की सफाई और जल प्रबंधन कार्य भी बदहाल स्थिति में है। संबंधित दल के पास आवश्यक उपकरणों का अभाव है। जिसके चलते कार्य केवल जुगाड़ के सहारे किया जा रहा है। हाल ही में सार्वजनिक सिढ़िया तालाब में फैली काई को हटाने का कार्य शुरू किया गया। लेकिन पर्याप्त संसाधनों के अभाव में यह कार्य धीमी गति से चल रहा है। नागरिकों का कहना है कि बड़ी टीम होने के बावजूद कार्य में गंभीरता की कमी नजर आती है ।जिससे काम कम और समय की बर्बादी अधिक होती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सफाई और जल प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ।ताकि कार्य समय पर और प्रभावी ढंग से पूरा हो सके ।नगरवासियों की बढ़ती

नाराजगी के बीच अब यह आवश्यक हो गया है कि नगर परिषद सफाई व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाए, कचरा जलाने पर सख्ती से रोक लगाए और बुनियादी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

# बुदबूदा में बुजुर्गों के निवाले पर संकट

## दो माह से नहीं मिली वृद्धावस्था पेंशन,पंचायत और बैंकों के चक्कर काटने को मजबूर

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बुदबूदा में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की बदहाली का मामला सामने आया है। यहाँ शासन की इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थियों को बीते दो महीनों से पेंशन की राशि नसीब नहीं हुई है। आर्थिक रूप से कमजोर और बेसहारा बुजुर्गों के लिए अब दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम के अधिकांश वृद्धों को मिलने वाली ६०० रुपये की मासिक पेंशन दिसंबर और फरवरी माह से रुकी हुई है। कुछ लोगों के खातों में राशि आ रही है लेकिन वह भी महीने के अंतिम सप्ताह में मिल रही है जिससे घर का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। ग्राम के कई ऐसे वृद्ध दंपत्ति हैं जिनका कोई सहारा नहीं है। उनके लिए यह राशि ही जीवन निर्वाह का एक मात्र जरिया है। पेंशन ना मिलने और भुगतान में देरी होने से इन बुजुर्गों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। परेशान बुजुर्ग कड़ाके की धूप और शारीरिक अक्षमता के बावजूद पंचायत भवन,कियोस्क सेंटर और बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं। संतोषजनक जवाब नही मिलने के कारण बुजुर्गों में असमंजस की स्थिति है कि आखिर वर्षों से मिल रही पेंशन अचानक कहाँ अटक गई है।

### वृद्धावस्था पेंशन लंबे समय से प्राप्त हो रही थी अब नही मिलने से परेशानी हो रही है-ग्रामीण

ग्रामीण लालचंद बाहेश्वर, सोविंद अर्जुनवार, मल्लू पंचेश्वर, घनश्याम टांडेकर ने संयुक्त रूप से बताया कि हम सभी वृद्ध लोग हैं। हमें वृद्धावस्था पेंशन लंबे समय से प्राप्त हो रही थी परंतु अभी दिसंबर और फरवरी से यह वृद्धा पेंशन मिलना बंद हो गई है। जिस कारण हमें कुछ महीनो से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, शासन के द्वारा ६०० रुपए की हमें वृद्धा पेंशन दी जाती है। अचानक यह पेंशन बंद होने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है हमारे बुढ़ापे का सहारा यही पेंशन है। कई लोगों के परिवार तो ठीक है परंतु कुछ वृद्ध ऐसे हैं जिनके घर कमाने वाला कोई नहीं है पेंशन के भरोसे उनका जीवन है उनके साथ बहुत ज्यादा दिक्कत है। हम चाहते हैं कि मामले में शासन प्रशासन को ध्यान देकर सभी पेंशनर्स को समय पर पेंशन उपलब्ध करवाये।

### वृद्धजनों को पेंशन नही मिलने से जीवनयापन करने आ रही समस्या-पीतांबर नागेश्वर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि वृद्धजनों को ६० वर्ष की उम्र पूरी करने पर गरीबी की रेखा के नीचे वालों को इंदिरा गांधी वृद्धा पेंशन के तहत ६०० रूपये मिलते हैं। लगातार इन्हें पेंशन मिल रही थी किंतु बीते दो महीने से पेंशन नहीं मिल रही है यह लोग कियोस्क सेंटर बैंक ऑनलाइन सेंटर के चक्कर लगा रहे हैं। हर जगह उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है जबकि अभी इन्हें रुपए की अधिक जरूरत है परिवार संचलन आना जाना व्यवस्था उनकी इसी पर निर्भर है। कुछ वृद्ध लोगों को पेंशन महीने की १ तारीख की जगह २७ तारीख को मिल रही है जिससे वृद्ध जनों में हाहाकार मचा हुआ है। पंचायत से बात की गई दोनों का कहना है कि ऊपर की यह समस्या है। हमारे ग्राम में करीब ४५० पेंशनर है जिन्हें शासन वृद्धा पेंशन कल्याणी पेंशन देती है जिसमें से ५० प्रतिशत लोगों को यह समस्या आ रही है।

### इनका कहना हैं

ग्राम में कुछ वृद्ध लोग ऐसे हैं जिनके जन्म प्रमाण पत्र नहीं है आधार कार्ड और वोटर आईडी में अलग अलग जानकारियां हैं। इस कारण से इन व्यक्तियों के नाम हट गये हैं वहीं आधार कार्ड में मोबाइल नंबर से लिंक मांग रहा है। इस संबंध में वृद्ध जनों के नाम जोड़ने और प्रक्रिया को पूर्ण करने का प्रयास हमारे द्वारा करवाया जा रहा।

**हंसराज कावरे**
**सरपंच ग्राम बुदबूदा**

# मध्य प्रदेश पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक संपन्न

## चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति से पेंशनर्स को कराया अवगत

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** गुरुनानक धर्मशाला में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रांतीय उपाध्यक्ष आई डी पटले, अध्यक्ष के एल गौतम, सचिव यशवंत राव पिपरेवार, फेडरेशन अध्यक्ष आर के शर्मा ,मानिकचंद ठाकरे ,आर पी करण ,बसंत दुबे, श्रीमती सरिता गुप्ता ,सेजवंती बसेने की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें संगठन के द्वारा किए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन की जानकारी उपस्थित पेंशनरों को देकर विभिन्न मांगों से अवगत करवाया गया। वहीं सत्र समाप्त होने पर संगठन की नई सदस्यता उपस्थित पेंशनरों को ग्रहण करवाई गई। तत्पश्चात विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई की सरकार के द्वारा ६ महीने का राहत या महंगाई भत्ता काट लिया गया है। क्षेत्रीय लेखा अधिकारी कार्यालय छिंदवाड़ा जाना बहुत मुश्किल हो रहा है। वहीं सरकार के द्वारा विद्युत विभाग का निजीकरण करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे हमारी पेंशन की गारंटी स्पष्ट नहीं दिख रही है सहित अन्य स्थानीय विषय को लेकर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इसमें भविष्य में संगठन के द्वारा किस प्रकार इन सभी मांगों को लेकर आंदोलन करेगा बताया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष आई डी पटले ने बताया कि वारासिवनी डिवीजन के सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई थी। हमारा आंदोलन अभी दो से तीन मांगों को लेकर चल रहा है ,इसमें पेंशन की गारंटी महंगाई एवं राहत भत्ता की राशि जो ३ महीने की दी है ६ महीने की काट दी गई है। क्षेत्रीय लेखाधिकारी कार्यालय जो छिंदवाड़ा में है हम चाहते हैं कि क्षेत्रीय लेखाधिकारी कार्यालय यहां से १७५ किलोमीटर बैहर से २५० किलोमीटर पड़ता है। पेंशनर को सेवानिवृत्ति के बाद प्रकरण बनाने के लिए छिंदवाड़ा जाना होता है। उसमें रुपए भी अधिक खर्च होते हैं और काफी असुविधा भी होती है क्योंकि हर काम के लिए छिंदवाड़ा जाना होता है। जबकि पहले सिवनी था तो फिर से सिवनी में स्थापित करना चाहिए। वहीं सरकार निजीकरण करने का प्रयास कर रही है हालांकि अभी तक हुआ नहीं है परंतु यदि होता है तो हमारी पेंशन की गारंटी कौन लेगा यह स्पष्ट नहीं हो रहा है। वहीं जो हमारा भत्ता ९ महीने का बनता है उसमें ६ महीने का भत्ता काटना न्यायोचित नहीं है। मार्च के साथ वर्ष खत्म हो गया है ऐसे में सभी सदस्यों की सदस्यता करवाई जा रही है। यह सब विषय है जिसको लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाना है जिसके लिए उपस्थित पेंशनरों को अवगत करवा दिया गया है। वही विस्तार पूर्वक सभी विषय पर जानकारियां दी गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के पेंशनर मौजूद रहे।

# विधायक पटेल के प्रयासों से बनेंगे आठ जर्जर स्कूलों के नवीन भवन

## भवनों के आभाव में विद्यार्थियों को पढ़ने हो रही परेशानी -विवेक पटेल

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के आठ नए प्राथमिक शाला के नवीन भवन की स्वीकृति मिली है। इन सभी भवनों के निर्माण लगभग एक करोड़ रुपयों की लागत से किया जाएगा।

यह स्वीकृति वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल के प्रयासों के बाद मिली है। ये भवन उन स्कूलों के पास बनाए जाएंगे जो बहुत ही जर्जर या खस्ताहाल इमारतों में संचालित हो रही है। विधायक विवेक पटेल ने बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों के जर्जर भवनों को तोड़कर नए भवनों के निर्माण की पहल की थी। जिसमें शासकीय कन्या प्राथमिक शाला मेंहदीवाडा, शासकीय प्राथमिक शाला मेंहदीवाडा, शासकीय माध्यमिक शाला धोबीटोला, शासकीय प्राथमिक शाला सिर्रा, शासकीय प्राथमिक शाला हुड़कीटोला, शासकीय प्राथमिक शाला बिजटोला,फोगलटोला और मरारीटोला में भवनों की स्वीकृति मिली है। इन सभी नवीन भवनों की स्वीकृति मिलने के बाद विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री रावउदय प्रताप सिंह का आभार व्यक्त किया है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि यह स्वीकृति क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बेहतर अधोसंरचना और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव प्रयास उनकी पहली प्राथमिकता है शिक्षा के क्षेत्र में विधानसभा के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। नए भवनों के निर्माण के बाद शिक्षा के क्षेत्र में और सुधार आयेगा मैं लगातार मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री रावउदय सिंह से लगातार मुलाकात कर क्षेत्र में जर्जर भवन को बनवाने की मांग की थी। जिसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है यह भवन एक निर्माण नहीं बल्कि बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में एक छोटा सा कदम है। हमारा प्रयास है कि किसी भी बच्चों की पढ़ाई केवल संसाधनों की कमी के कारण प्रभावित ना हो। इन बच्चों को सम्मान जनक और सुरक्षित शिक्षा ग्रहण करवाना हमारी पहली जवाबदारी है।

# रामपायली में हनुमान जन्मोत्सव की रही धूम

## भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जीवंत झांकियों ने मोहा मन

**पद्मेश न्यूज। रामपायली।** वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ऐतिहासिक नगरी रामपायली में इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अगाध श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुप्रसिद्ध श्री राम बालाजी मंदिर में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ.साथ दूर दराज के क्षेत्रों से आए भक्तों ने शिरकत की। जन्मोत्सव की शुरुआत हनुमान जी के महाभिषेक के साथ हुई। प्रभु को नवीन चोला धारण करवाया गया और विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था जो देर रात तक जारी रहा। पूजन के पश्चात विशाल भंडारे के माध्यम से महाप्रसादी का वितरण किया गया। शाम के समय मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा ग्राम के प्रमुख चौक चौराहों और गलियों से होकर गुजरी। शोभायात्रा में देवी देवताओं के स्वरूप वाली जीवंत झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इन्हें देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर भारी भीड़ जमा रही। डीजे पर बज रहे श्री हनुमान जी के भजनों और भक्ति गीतों पर श्रद्धालु जमकर थिरके। ग्रामवासियों ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर शरबत पानी और स्वल्पाहार के स्टाल लगाकर शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा हनुमान जी की आरती भी उतारी गई। रामपायली का श्री राम बालाजी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की अटूट आस्था का केंद्र है। इस मंदिर की महिमा अद्भुत है वनवासी स्वरूप मान्यता है कि भगवान श्री राम अपने वनवास काल के दौरान यहाँ से गुजरे थे। यहाँ प्रभु श्री राम की वनवासी स्वरूप की प्रतिमा माता सीता के सूक्ष्म रूप के साथ विराजमान है। साथ ही यहाँ रेत से निर्मित शिवलिंग भी स्थापित है,मंदिर में विराजित हनुमान जी को लंगड़े हनुमान के नाम से जाना जाता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार पुरातन काल में इस स्वयंभू प्रतिमा को अन्यत्र स्थापित करने का प्रयास किया गया था लेकिन प्रतिमा का एक पैर पाताल लोक तक गहराई में धंसा होने के कारण उसे हटाया नहीं जा सका। इसी कारण उन्हें इसी स्थान पर विराजित कर मंदिर का निर्माण किया गया। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से सटे इस क्षेत्र में यह मंदिर अपनी दिव्यता और पौराणिक महत्व के लिए विख्यात है। हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर पूरे रामपायली क्षेत्र में भक्ति की बयार बहती रही और भक्तों ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर सुख समृद्धि की कामना की।

# पानी की समस्या से जूझ रहे कायदी के ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल से की मुलाकात

## प्रदीप जायसवाल ने अधिकारियों से बात कर ग्रामीणों को पेयजल समस्या से निजात दिलाने की बात

**पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।** वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के पांच दर्जन ग्रामीणों की पेयजल समस्या का समाधान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के प्रयासो से संभव हो सका। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र नगरगडे, संगीता मानकर, अरविंद नागेश्वर सहित अन्य लोगो के साथ आकर इन परिवारो की महिला ने नहर के बाजू से पाईप लाइन लाने के विषय को गंभीरता से रखा। ग्राम बनियाटोला में पेयजल को लेकर अनेको बार दिक्कतो का सामना करना पडता है। बनियाटोला में पेयजल की दिक्कत इतनी ज्यादा है की घरेलू बोर में भी पानी नही मिल पाता है। साथ ही पुराने बोर के कारण अधिकांश घरो में नल कनेक्शन में पानी की धार इतनी कम आती है की रहवासी जीवन यापन के कार्यो में बेहद परेशान महसूस करते है। इसी समस्या के द्रष्टिगत मुख्यमंत्री आन लाईन में बार बार शिकायत कर आखिर पहाडीटोला के उपर नये बोर का कार्य संपन्न कराया गया। जिसमें तीन इंची पानी ने बनियाटोला के निवासीयो को प्रसन्नचित कर दिया। नये बोर के विषय में नयी पाईप लाईन बिछाने का कार्य भी ठेकेदार के माध्यम से किया जाने लगा है। पहाडीटोला के लगभग ६० परिवारो की समस्या का पुख्ता समाधान नही हो पा रहा था। नयी पाईप लाइन मुख्य नहर के बाजू से गुजरने के कारण अनुमति जैसे विषय उन्हे परेशान कर रहे थे। पेयजल की समस्या से परेशान ग्रामीण क्षेत्र की कामीनी बिंजारे, पुस्तकला यादव, बबिता मानकर, संदीप पंचेश्वर ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल से मुलाकात कर अपनी व्यथा सामने रखी। जिसे सुनकर तत्काल पूर्व मंत्री ने कायदी क्षेत्र में नहर के बाजू से पाईप लाइन ले जाकर इन पांच दर्जन परिवारो को नल कनेक्शन दिलाने के निर्देश पीएचई विभाग के एसडीओ श्री गजभीये को प्रदान किये।

# गीता हनवत ने क्षेत्र के तीन ग्रामों में ३ नवीन आंगनवाड़ी भवनों की स्वीकृति दिलाई

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली।** जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत ने अपने क्षेत्र के विकास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनके निरंतर प्रयासों और सक्रिय पहल के चलते दूरस्थ एवं सुविधाविहीन ग्रामों में ३ नवीन आंगनवाड़ी भवनों की स्वीकृति प्राप्त हुई है जो क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इन आंगनवाड़ी भवनों में ग्राम पंचायत सोनझरा टोला वार्ड क्रमांक १, कस्बीटोला के गोंडीटोला तथा दिनेरा के किड़कीटोला शामिल हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के लिए भी काफी दूरी तय करनी पड़ती है और प्राथमिक विद्यालय भी एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं। ऐसे में इन स्थानों पर आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण बच्चों के शैक्षणिक और शारीरिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। गीता हनवत जिला पंचायत सदस्य इससे पहले भी अपने क्षेत्र में ३ आंगनवाड़ी भवनों की स्वीकृति दिला चुकी हैं। वे लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर आंगनवाड़ियों का निरीक्षण करती हैं और वहां की समस्याओं को गंभीरता से लेकर जिला पंचायत की बैठकों में प्रमुखता से उठाती हैं। श्रीमती हनवत क्षेत्र की समस्याओं को केवल सुनती ही नहीं बल्कि उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास भी करती हैं। बच्चों के पोषण शिक्षा स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं को लेकर उनकी विशेष संवेदनशीलता उनके जनसेवा भाव को दर्शाती है। श्रीमती हनवत सक्रियता और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण क्षेत्रवासियों में उनके प्रति विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी पहल से दूरस्थ गांवों को भी अब मूलभूत सुविधाएं मिलने लगी हैं।

# ३५ साल बाद लौटा बचपन, सरस्वती शिशु मंदिर में पूर्व छात्रों ने गुरुओं का किया वंदन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी। समय का पहिया भले ही घूमकर साढ़े तीन दशक आगे निकल गया हो लेकिन यादों की खुशबू आज भी उतनी ही ताजा है। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर वारासिवनी में ३ अप्रैल को एक अत्यंत भावुक और गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। जहाँ लगभग ३५ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद विद्यालय के पूर्व छात्र छात्राओं ने एकत्रित होकर अपने गुरुजनों का सम्मान किया। यह मिलन उन छात्रों का था जिन्होंने वर्ष १९८५ से १९९२ के बीच इस विद्यालय के प्रांगण में शिक्षा ग्रहण की थी। सफलताओं के शिखर पर पहुँच चुके इन शिष्यों ने अपनी जड़ों को नहीं भुलाया और अपने मार्गदर्शकों का पाद पूजन व स्वागत सत्कार किया। इस समारोह में गुरुजन महेंद्र कावडे ,श्रीमती निर्मला पटले ,भुवन लाल खैरवार ,श्रीमती सुरजन बघेल, श्रीमती प्रेमलता बिसेन ,नंदकिशोर डोंगरे का भावभीना अभिनंदन किया गया। अपने पुराने विद्यार्थियों को देखकर गुरुजनों की आँखें भी सजल हो उठीं। इस रियूनियन की खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने के लिए छात्र ना केवल देश के कोने कोने से आए बल्कि कुछ पूर्व छात्र विदेशों से भी विशेष रूप से इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनने पहुँचे। इस दौरान पुरानी यादें ताजा करने के साथ साथ पूर्व छात्रों ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय भी दिया। रियूनियन के दौरान सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे भविष्य में विद्यालय के विकास और छात्रहित में निरंतर कार्य करेंगे। इसके लिए एक विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार की गई है ताकि आने वाली पीढ़ी को और भी बेहतर संसाधन और मार्गदर्शन मिल सके।

यह आयोजन केवल एक मुलाकात नहीं बल्कि इस बात का प्रमाण था कि सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कार आज भी इन सफल नागरिकों के हृदयों में जीवित हैं। इस अवसर पर अरविंद पारधी, अजय रामचंदानी ,दीपक रामचंदानी, गिरधारी चिमनानी, शैलेंद्र निराला ,गगन बिसेन ,कैलाश बिसेन ,जागेश राहंगडाले ,मोनिका संचेती, रिंकी खंडेलवाल, एकता ठाकुर ,नीलम पंचेश्वर, शिप्रा इंदुरकर, पंकज साहू ,विनय देव मुरारी ,आशीष ,कार्तिक ,आशीष अग्रवाल, अमित सोहाने ,रजत जैन और संतोष सोनकुसरे सहित अनेक पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

# युद्ध कोई नहीं जीता है

अमेरिका- इज़राइल और ईरान युद्ध युद्ध जिस पर दुनिया भर के मीडिया का ध्यान है। सारे चैनल युद्ध पर और खबर जो दिखाई जा रही है उससे शांति नष्ट हो गई है — युद्ध ने इंसानियत के मतलब पर हज़ारों बातचीत शुरू कर दी होती। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया ने इसे नज़रअंदाज़ करना चुना, जिससे हमें हैरानी हुई कि क्या हमने अपने आस-पास एक अंधा और असंवेदनशील सोशल बबल बना लिया है। ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। तेहरान ने मरी हुई लड़कियों की फ़ोटो जारी की हैं। उनके दुखी माता-पिता के वीडियो और फ़ोटो मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए, लेकिन हममें से कितने लोगों ने उन्हें देखने की परवाह की, ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की बमबारी में एक महीने से ज़्यादा समय से, ईरान के शहर मिनाब में 170 से ज़्यादा लड़कियों और टीचरों के अलावा, कई लोग मारे गए हैं। 24 मार्च को, दर्जनों औरतें रोम की सड़कों पर हाथ में हाथ डाले, नंगे पैर मार्च कर रही थीं। ये गाज़ा और इज़राइल की माँएँ थीं। उनके बच्चे या रिश्तेदार हमास की हिंसा और इज़राइल द्वारा लिए गए बदले के शिकार हुए थे। उनका मैसेज ज़ोरदार और साफ़ था- इज़राइल और गाज़ा दोनों के रहने वाले खुद को आदम और हव्वा की औलाद मानते हैं, और उन्हें बस शांति चाहिए। यह मार्च उन लोगों के लिए एक सबक था जो सोचते हैं कि हर इज़राइली गाज़ा को जला देना चाहता है। ये औरतें 25 मार्च को पोप लियो ङ्कढ्ढङ्क से मिलीं। पोप पहले ही शांति की अपील कर चुके थे। लेकिन क्या उन्होंने इन मांओं के कहने पर अमेरिका या यूरोप से बात की? तब से उनके रिएक्शन की कोई खबर नहीं है। इस युद्ध मेंअमेरिकी सेना, उपकरण और मध्य देश में बेस भी में खो देता हैऔर फिर कहा कि मैं असलऔर ट्रम्प ने देश से कहा युद्ध मेंअमेरिकी जीत गया हैलेकिन वास्तव में, कोई नहीं जीता है,ईरान देश को अब शांति से आपसी तालमेल से इसे खत्म करना चाहिएक्योंकि अमेरिका का युद्ध का इतिहास दूसरे विश्व युद्ध में 1945में अंत में हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराने तक का है।द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में, 6 और 9 अगस्त 1945 को संयुक्त राज्य अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर दो परमाणु बम गिराए। इन हवाई बमबारी में 150,000 से 246,000 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। ये परमाणु हथियारों का सशस्त्र संघर्ष में पहला और एकमात्र प्रयोग था। हम बौनों के ज़माने में जी रहे हैं, लीडर्स के नहीं। वर्ल्ड वॉर ढ्ढढ्ढ से पहले और उसके ठीक बाद दुनिया ने महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला जैसे बड़े लोगों को देखा, जिनके कामों, अपीलों और दलीलों का बहुत वज़न था और दुनिया भर में उनकी गूंज सुनाई दी। उन्होंने अपनी जागृति से दुनिया को जगाए रखा और ज़िंदा रखा। उनसे प्रेरित होकर, आम लोगों ने अन्याय के खिलाफ़ मिलकर आवाज़ उठाई। 8 जून, 1972 की बात है। वियतनाम के ट्रांग बांग इलाके में बच्चे अमेरिका के सपोर्ट वाले हमलों से बचने के लिए अपनी सुरक्षा के लिए भाग रहे थे। नौ साल की किम फुक, वियतनाम में युद्ध से हुए भयानक हालात का उदाहरण बन गई, जब उसकी पीठ पर नेपाम के हमले में जलने के बाद, वह बिल्कुल नंगी दौड़ती हुई मारी गई। युद्ध का परिणाम हमेशा विनाशकारी होता है, जिसमें जान-माल की भारी हानि, आर्थिक मंदी, बुनियादी ढांचे का विनाश और गहरा मानवीय संकट शामिल है। यह न केवल देशों की सीमाओं को बदलता है और राजनीतिक स्थिरता को बाधित करता है, बल्कि पीढ़ियों तक मनोवैज्ञानिक

# नागरिक देवो भव-भ्रष्टाचार-मुक्त भारत की ओर एक निर्णायक यात्रा

वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और संस्कृति का मूल मंत्र सदियों से अतिथि देवो भव रहा है, जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों को आकार दिया,बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी स्थापित की।किंतु आज के परिवर्तित समय में यह आवश्यकता महसूस की जा रही है कि इस मंत्र को एक व्यापक और अधिक समकालीन रूप देते हुए नागरिक देवो भव के रूप में स्थापित किया जाए। यह केवल एक नारा नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन का दर्शन है। जब तक शासन के केंद्र में नागरिक नहीं होगा,तब तक विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। यह मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के मूल चरित्र में आमूल-चूल परिवर्तन का आह्वान है। 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिया गया संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।वर्तमान समय में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में 2047 का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है तब भ्रष्टाचार इस यात्रा का सबसे बड़ा अवरोध बनकर सामने आता है।इसलिए यह समय की मांग है कि जैसे नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई और लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया,वैसे ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए भी एक ठोस और समयबद्ध रणनीति अपनाई जाए। जिसकी मांग मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से हर आर्टिकल के माध्यम से करते रहता हूं आज फिर इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन कर रहा हूं।भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है,यह सामाजिक विश्वास का हनन है। यह उस तंत्र को खोखला करता है, जिसपर लोकतंत्र टिका होता है। विकसित भारत के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें,तो पाएंगे कि भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं पहुंचाता, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करता है।भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती है। चाहे वह एक छोटे स्तर का कर्मचारी हो या उच्च पदस्थ अधिकारी जब तक काम निकालने की मानसिकता और जुगाड़ संस्कृति समाज में बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं।जब एक आम नागरिक सरकारी दफ्तर में जाता है,तो वह केवल एक सेवा की अपेक्षा नहीं करता,बल्कि वह न्याय,पारदर्शिता और सम्मान की भी उम्मीद करता है। यदि उसे वहां भ्रष्टाचार,उपेक्षा या अपमान का सामना करना पड़ता है,तो उसका विश्वास न केवल उस संस्था से,बल्कि पूरे शासन तंत्र से उठने लगता है।यही कारण है कि नागरिक देवो भव की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,क्योंकि यह शासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित करती है कि नागरिक सर्वोपरि है और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है।

साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव की संकल्पना को समझने की करें तो इसका का अर्थ है,हर नागरिक को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।यह सोच प्रशासन को पावर-सेंट्रिक से पीपल-सेंट्रिक बनाती है।इस अवधारणा के अंतर्गत्सरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वत: ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,इस प्रकार,इंडिविजुअल ट्रांसफॉर्मेशन ही इंस्टिट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन का आधार बनता है।स्थानीय प्रशासनः सरकार का वास्तविक चेहरा आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं होता, बल्कि उसका स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है।तहसील कार्यालय नगर निगम,पुलिस स्टेशन,सरकारी अस्पताल यही वे स्थान हैं, जहां नागरिक सीधे सरकार से जुड़ता है। यदि यहां का व्यवहार सकारात्मक, पारदर्शी और संवेदनशील होगा, तो लोकतंत्र में विश्वास स्वत: ही मजबूत होगा। लेकिन यदि यहां भ्रष्टाचार, देरी और असंवेदन शीलता होगी, तो जनता का विश्वास डगमगा जाएगा।कर्तव्य-प्रधान प्रशासनः अधिकार से अधिक जिम्मेदारीपीएम ने प्रशासनिक संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, अधिकार से अधिक कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना।भारतीय संविधान भी यही सिखाता है कि अधिकार, कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।जब कोई अधिकारी हर निर्णय से पहले यह सोचता है किय्यह निर्णय जनता के लिए कितना लाभकारी है? इससे कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा? तो उसके निर्णय स्वत: ही अधिक प्रभावी और सटीक रूप से अति जनहितकारी बन जाते हैं।

साथियों बात अगर हरशासकीय कर्मचारी द्वारा इस भाव की संकल्पना को समझने की करें तो,हम आज आवश्यकता है कि चपरासी से लेकर उच्चतम अधिकारी तक,संत्री से लेकर मंत्री तक,हर शासकीय कर्मचारी इस भावना को अपने भीतर आत्मसत करे। पद का अहंकार छोड़कर सेवा का भाव अपनाना ही इस परिवर्तन की कुंजी है। जब एक अधिकारी अपने पद को अधिकार के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।यह व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बनता है। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि उसके एक निर्णय से कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा,तो वह निर्णय अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी होगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में भारत की करें तो, भारत एक आकांक्षी समाज के रूप में उभर रहा है, जहां हर नागरिक के अपने सपने हैं, अपने लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी केवल नागरिक की नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की भी है। जब सरकार और नागरिक के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है, तभी विकास की गति तेज होती है।इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवस्था अधिकसंवेदनशील उत्तरदायी और पारदर्शी बने। नागरिक देवो भव का सिद्धांत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शासन को नागरिक- केंद्रित बनाता है।इस संदर्भ में क्षमता निर्माण आयोग (कैपेसिटी बिल्डिंग कमिशन) और आईगोट मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं है,बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है, जहां हर सरकारी कर्मचारी एक कर्मयोगी के रूप में कार्य करे। कर्मयोगी वह होता है,जो अपने कर्तव्य को पूजा मानता है और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है। जब यह भावना प्रशासन में विकसित होती है,तो वह केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनती है।प्रशासनिक सुधारों के लिए यह भी आवश्यक है कि विभागों के बीच समन्वय और संवाद को बढ़ावा दिया जाए। अक्सर देखा जाता है कि विभिन्न विभागों के बीच संवादहीनता के कारण योजनाएं प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पातीं। इससे न केवल संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि सभी विभाग एक साझा दृष्टिकोण और समझ के साथ कार्य करें, तो शासन अधिक प्रभावी और सटीक रूप से परिणामोन्मुखी बन सकता है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस की नीति को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना भी आवश्यक है।इसके लिए एक सशक्त निगरानी तंत्र, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य है। यदि किसी भ्रष्टाचार के मामले की जांच वर्षों तक लंबित रहती है, तो यह न केवल न्याय में देरी है,बल्कि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा भी देता है।इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक मामले की जांच के लिए एक निश्चित समयसीमा तय की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए स्रोतों की करें तो,तकनीक का उपयोग भी भ्रष्टाचार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिजिटल गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवाएं,और पारदर्शी डेटा प्रणाली से न केवल प्रक्रियाएं सरल होती हैं, बल्कि मानव हस्तक्षेप भी कम होता है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं घटती हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि सही तरीके से तकनीक का उपयोग किया जाए, तो बिचौलियों की भूमिका समाप्त की जा सकती है और लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाया जा सकता है। साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव के क्रियान्वयन की करें तो इसकी भावना को केवल सरकारी कर्मचारियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे समाज के हर वर्ग तक फैलाना होगा।जब नागरिक स्वयं भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएंगे,तभी यह आंदोलन व्यापक रूप ले सकेगा। इसके लिए जन जागरूकता अभियान, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक हैं। सफलता का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत यह भी है कि दूसरों को छोटा दिखाने के बजाय स्वयं को बेहतर बनाया जाए। यही सिद्धांत शासन व्यवस्था पर भी लागू होता है। यदि हम अपने तंत्र को अधिक सक्षम, पारदर्शी और संवेदनशील बनाते हैं, तो भ्रष्टाचार स्वत: ही समाप्त होने लगेगा। इसके लिए निरंतर सुधार,नवाचार और सीखने की प्रवृत्ति को सटीक रूप से अपनाना होगा। साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिए गए संदेश को समझने की करें तो वह इसी दिशा में एक प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि शासन का मूल मंत्र नागरिक देवो भव होना चाहिए और प्रत्येक लोक सेवक को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है, इसलिए वहां का व्यवहार और कार्यशैली अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वहां पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व होगा, तो जनता का विश्वास स्वत: ही मजबूत होगा।

**--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं**

# विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुडे प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जु?ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बड़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बड़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। स्वाइप संस्कृति卐 ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंतत: मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

**--ललित गर्ग**

## कुसंगति त्यागें धर्मबुद्धि जागे जीवन बने उज्ज्वल और संस्कारित

**- कांतिलाल मांडोत**

मनुष्य का जीवन संगति से निर्मित होता है। जैसा वातावरण मिलता है वैसा ही मनुष्य का स्वभाव बनता जाता है। प्राचीन नीतिकारों ने स्पष्ट कहा है कि अच्छे और बुरे लोगों का प्रभाव मन पर अवश्य पड़ता है। आम और नीम के उदाहरण से यह बात समझाई गई है कि यदि दोनों के मूल एक साथ जुड़े हों तो मीठा आम भी कड़वाहट ग्रहण कर लेता है। यही स्थिति मनुष्य जीवन में भी देखी जाती है। कुसंगति का प्रभाव धीरे धीरे व्यक्ति के विचारों और आचरण को बदल देता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि मनुष्य अपनी संगति को लेकर सजग रहे और सदैव उत्तम मार्ग का चयन करे।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि बुरे लोगों का प्रभाव जल्दी क्यों पड़ता है और अच्छे लोगों का प्रभाव उतनी तीव्रता से क्यों नहीं पड़ता। इसका कारण मनुष्य की प्रवृत्ति में छिपा हुआ है। बुराई आकर्षक प्रतीत होती है और वह सरल मार्ग का भ्रम देती है। जबकि अच्छाई में अनुशासन और संयम की आवश्यकता होती है। सज्जन का हृदय कोमल होता है इसलिए वह दूसरों के प्रभाव में जल्दी आ सकता है जबकि दुर्जन कठोर होता है और अपने स्वभाव को नहीं छोड़ता। यही कारण है कि सज्जन व्यक्ति को विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अविवेक है। बाहरी शत्रु उतना नुकसान नहीं पहुंचाता जितना कि गलत निर्णय और गलत संगति पहुंचा देती है। परिवार में भी यदि माता पिता विवेकशील नहीं हैं तो वे अपनी संतान को सही दिशा नहीं दे पाते। आज के समय में यह देखा जा रहा है कि माता पिता अपने बच्चों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर तो ध्यान देते हैं लेकिन उनके नैतिक और आध्यात्मिक विकास की ओर उतना ध्यान नहीं देते। परिणामस्वरूप बच्चे भटक जाते हैं और जीवन के सही मार्ग से दूर हो जाते हैं।

संस्कारों का निर्माण बचपन से ही होता है। बालक का मन अत्यंत कोमल होता है। वह जैसा देखता है वैसा ही सीखता है। इसलिए यह

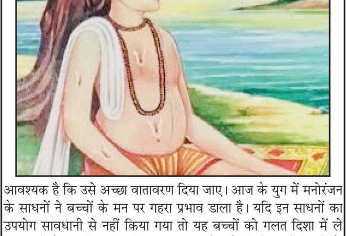

आवश्यक है कि उसे अच्छा वातावरण दिया जाए। आज के युग में मनोरंजन के साधनों ने बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डाला है। यदि इन साधनों का उपयोग सावधानी से नहीं किया गया तो यह बच्चों को गलत दिशा में ले जा सकते हैं। इसलिए माता पिता का यह कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों के व्यवहार पर ध्यान दें और उन्हें सही मार्ग दिखाएं।

एक प्रेरक प्रसंग इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक व्यक्ति जो स्वयं सुन नहीं सकता था वह प्रतिदिन अपने बच्चों को लेकर संतों के प्रवचन में जाता था। जब लोगों ने उससे पूछा कि उसे तो कुछ सुनाई नहीं देता फिर वह क्यों आता है तो उसने उत्तर दिया कि वह अपने बच्चों के संस्कारों के लिए आता है। उसका मानना था कि यदि बच्चे अच्छे संस्कारों से युक्त होंगे तो वे जीवन में सही निर्णय लेंगे और धन का सदुपयोग करेंगे। यह दृष्टिकोण हर माता पिता के लिए प्रेरणादायक है।

परंपराओं का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम अपनी अच्छी परंपराओं को नहीं बचाएंगे तो समाज में नैतिकता का पतन हो जाएगा। नई पीढ़ी को आधुनिकता के साथ साथ संस्कारों का भी ज्ञान होना चाहिए। केवल भौतिक उन्नति से जीवन सफल नहीं होता। नैतिक मूल्यों और धर्मबुद्धि के बिना जीवन अधूरा रह जाता है।

वर्तमान समय में बुराइयों का प्रभाव बढ़ता हुआ दिखाई देता है लेकिन यह सत्य है कि अंतत: विजय सत्य की ही होती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि असत्य और अधर्म अधिक समय तक टिक नहीं सकते। इसलिए हमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सजग रहकर समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए।

संगति का प्रभाव इतना गहरा होता है कि वह मनुष्य के जीवन की दिशा बदल सकता है। यदि व्यक्ति बुरे लोगों के संपर्क में रहता है तो वह धीरे धीरे उनके जैसा बनने लगता है। प्रारंभ में यह प्रभाव छोटा होता है लेकिन समय के साथ यह गहरा हो जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मित्रों और परिचितों का चयन सोच समझकर करें।

एक हास्य प्रसंग के माध्यम से भी यह समझाया गया है कि बुरी आदतें धीरे धीरे विकसित होती हैं। प्रारंभ में वे छोटी लगती हैं लेकिन बाद में वे गंभीर रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को गलत आदत लग जाए तो उसे छोड़ना कठिन हो जाता है। इसलिए शुरुआत में ही सावधानी बरतनी चाहिए।

एक अन्य उदाहरण में बताया गया है कि एक व्यक्ति ने शेर का पालन किया। वह उसे शाकाहारी बनाना चाहता था लेकिन अंतत: शेर ने अपने स्वभाव को नहीं छोड़ा। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि स्वभाव और संगति का प्रभाव कितना गहरा होता है। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि बुरे तत्वों के साथ रहकर अच्छा बने रहना अत्यंत कठिन है।

महापुरुषों ने हमेशा कुसंगति से दूर रहने की शिक्षा दी है। उन्होंने कहा है कि बुरे मित्र से अच्छा है कि व्यक्ति अकेला रहे। काजल की कोठरी में जाने से दाग लगना निश्चित है। इसलिए हमें अपने जीवन को पवित्र बनाए रखने के लिए बुरी संगति से बचना चाहिए।

जीवन का प्रत्येक क्षण मूल्यवान है। यदि हम इसे अच्छे कार्यों में लगाते हैं तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। लेकिन यदि हम इसे व्यर्थ में गंवाते हैं तो यह हमें गलत दिशा में ले जा सकता है। खाली मन में नकारात्मक विचार जल्दी प्रवेश करते हैं इसलिए हमें सदैव व्यस्त और जागरूक रहना चाहिए।

आत्मावलोकन भी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम प्रतिदिन अपने कार्यों और विचारों का विश्लेषण करें तो हम अपनी गलतियों को पहचान सकते हैं और उन्हें सुधार सकते हैं। जो व्यक्ति स्वयं के प्रति सजग होता है वह कभी भी बुराई के प्रभाव में नहीं आता।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि कुसंगति से बचना और सद्गुणों को अपनाना ही जीवन की सफलता का मूल मंत्र है। हमें स्वयं भी अच्छे मार्ग पर चलना चाहिए और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। जब हम अपने जीवन को प्रकाशमय बनाएंगे तभी समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव होगा।

## इंदौर बाजार भाव

**इंदौर। एजेंसी।** मिलगत कमजोर रहने से शुक्रवार को तिलहनों में सोयाबीन सुधार पर रहा। खाद्य तेलों में सोया तेलों में मजबूती कायम रही। किन्तु सींगदाना तेल में सुस्ती रही। दलहनों में लेवाली के चलते चने में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में नारियलों में आवक 6 गाड़ी की रही। बाजार पूर्वस्तर पर टिके रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में सोया संयंत्रों की माँग खड़ी है। मिलगत कमजोर रहने से भावों में 100 रू. क्विंटल का सुधार रहा। सरसो व रायडा बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। सोया तेलों में सुर्खी कायम रही। गुजरात लाइन की सुस्ती से सींगदाना तेल नरमी पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में पूछपरख से बाजार मजबूत रहे। नारियलों में नरमी का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4125-4180, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 270-280, ऊंझा हल्का 250-260, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 725-730, मीनी मटरदाना 760-780, मटरदाना 790-800, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-860, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्ड?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

**तेल**- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2760, सोया साल्वेंट 1505-1510, सोया रिफाइंड 1560-1580, कपास्या 1500, धूलिया 1490, कड़ी 1500,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1570,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- सरसो 7600-7700, रायडा 6300-6400, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5550-5600, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीर्ड?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2250-2300, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

**मावा**- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर। एजेंसी।** शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज विशेष का अभाव रहा। दोनों कीमती धातुओं में जहां सुबह के कारोबार में आंशिक मजबूती थी। वहीं, दोपहर में बाजार सुस्त नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 234000, चॉंदी (99) 233000, टंच 232500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151500,

## हिंदुस्तान जिंक का खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन बढ़ा

**नई दिल्ली। एजेंसी।** वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है, जबकि चांदी और पवन ऊर्जा उत्पादन में थोड़ी गिरावट देखी गई। जनवरी से मार्च तक खनन धातु उत्पादन 3,15,000 टन यानी पिछले साल की इसी अवधि से 2 फीसदी अधिक रहा। परिष्कृत धातु उत्पादन 2,82,000 टन, जो 5 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। खनन धातु में कच्चे अयस्क से संकेंद्रित धातु तैयार की जाती है, जबकि परिष्कृत धातु 99 फीसदी से अधिक शुद्धता तक पहुंचती है।

# मार्च 2026 में बाजार की गिरावट के बीच आर्बिट्राज फंड ने दिखाया संतुलन

**नई दिल्ली। एजेंसी।** मार्च 2026 का महीना शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते बाजार में व्यापक गिरावट देखने को मिली। इस उथल-पुथल के बीच आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने अपेक्षाकृत स्थिर प्रदर्शन किया, हालांकि निवेशकों की सतर्कता साफ नजर आई। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी 50 में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी करीब 10 प्रतिशत तक कमजोरी देखी गई। बाजार के लगभग सभी सेगमेंट इस दबाव से प्रभावित रहे। इसके बावजूद आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने संतुलन बनाए रखा। इस श्रेणी के फंड बाजार की दिशा पर दांव लगाने के बजाय कैश और फ्यूचर्स बाजार के बीच मूल्य अंतर का लाभ उठाते हैं, जिससे गिरावट के दौर में भी इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। रिपोर्ट

के मुताबिक, एडेलवेसिस आर्बिट्रेज फंड के डायरेक्ट प्लान ने 1 साल में 6.73 प्रतिशत और 3 साल में 7.72 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो इसकी स्थिरता को दर्शाता है। डेरिवेटिव डेटा भी मिश्रित संकेत देता है। सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स में रोलओवर करीब 93 प्रतिशत रहा, जो बताता है कि बड़े निवेशक बाजार में बने हुए हैं। हालांकि रोल स्प्रेड सीमित दायरे में रहे, जिससे कमाई के अवसर सीमित रहे। दूसरी ओर, अप्रैल सीरीज के लिए ओपन इंटरेस्ट में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल आर्बिट्राज निवेश घटकर लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रह गया। विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने एक्सपोजर कम किया, जो घटती जोखिम लेने की क्षमता को दर्शाता है। कम वोलैटिलिटी के चलते आर्बिट्राज स्प्रेड भी सीमित रहे, जिससे रिटर्न पर दबाव बना। कुल मिलाकर, गिरते बाजार में आर्बिट्राज फंड ने स्थिरता तो दी, लेकिन ऊंचे रिटर्न की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

## भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22

मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

## भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति, यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

### मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजेक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजेक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है

कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं। यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है, जो आरबीआई और इंडियन बैंक एसोसिएशन की पहल से संचालित है।

**मेष**- आज का दिन आपके जीवन में कुछ ऐसा लेकर आ रहा है, जो आपको भीतर से उत्साहित कर देगा। जैसे किस्मत अचानक नया मोड़ लेने जा रही हो। बड़े बदलाव आपके दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं और आप उन्हें महसूस भी कर रहे हैं। अगर आप सिंगल हैं, तो आज दिल की दुनिया में खुशखबरी मिल सकती है। प्यार का रिश्ता परिवार की मंजूरी तक पहुंच सकता है।

**वृषभ**- आज का दिन आपको राहत और स्थिरता का एहसास कराएगा, खासकर सरकारी कामों में सफलता मिलने से मन हल्का रहेगा। बड़े-बुजुर्गों का साथ और आशीर्वाद आपको सही दिशा दिखाएगा। आय के नए रास्ते खुलते नजर आएंगे और आप परिवार के साथ बैठकर भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से चर्चा करेंगे। पुराने झगड़े या मनमुटाव आज खत्म हो सकते हैं, जिससे रिश्तों में मिठास लौटेगी।

**मिथुन**- आज का दिन आपके कामकाज में नई ऊर्जा और उत्साह भरने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और पारिवारिक रिश्ते भी पहले से ज्यादा मजबूत नजर आएंगे। हालांकि, कोई छोटी सी शारीरिक परेशानी आपको मानसिक रूप से थोड़ा परेशान कर सकती है। ऐसे में खुद का ध्यान रखना जरूरी होगा। दिन के बीच में आप बच्चों के साथ हंसी-मजाक और मस्ती में समय बिताएंगे, जिससे मन हल्का होगा।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं का द्वार खोल सकता है, खासकर अगर आप प्रॉपर्टी खरीदने की सोच रहे हैं तो समय अनुकूल है। आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। जो लोग रोजगार की तलाश में भटक रहे थे, उन्हें आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

**सिंह**- आज आपका व्यक्तित्व और आपके विचार लोगों को प्रभावित करेंगे। आपके सुझावों को महत्व मिलेगा और आप परिवार के मामलों को समझदारी से सुलझाने में सफल रहेंगे। हालांकि, कुछ विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। संतान के करियर को लेकर आपकी चिंता बढ़ सकती है और आप इस दिशा में गंभीरता से सोचेंगे। मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है, इसलिए बोलते समय संयम रखें।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए समृद्धि और सफलता का संदेश लेकर आया है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने के पूरे योग बन रहे हैं। भाग्य आपका पूरा साथ देगा और आपके प्रयासों को सही दिशा मिलेगी। पैतृक संपत्ति से जुड़ी कोई खुशखबरी आपके मन को प्रसन्न कर सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में कोई खास व्यक्ति दस्तक दे सकता है। हालांकि, कोई पुरानी समस्या फिर से उभर सकती है, जो थोड़ी चिंता बढ़ाएगी।

**तुला**- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा, लेकिन एक साथ कई काम सामने आने से आपका ध्यान थोड़ा बिखर सकता है। ऐसे में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। अगर आप किसी से लेन-देन कर रहे हैं, तो हर चीज़ को लिखित रूप में रखना ही समझदारी होगी, वरना बाद में परेशानी हो सकती है। पुराने दोस्त की यादें आज मन को भावुक कर सकती हैं। धन से जुड़ा कोई रुका हुआ काम पूरा होने की संभावना है, जिससे राहत मिलेगी।

**वृश्चिक**- आज आपको सबसे पहले अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी होगी, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको मानसिक शांति देगा। जीवनसाथी का साथ हर कदम पर आपको मजबूती देगा और आपके कामों में सहयोग करेगा।

**धनु**- आज का दिन आपको अपने कामों में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेगा। अगर आपका पैसा कहीं अटका हुआ था, तो उसके वापस मिलने के संकेत हैं, जिससे मन हल्का होगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर हल्की नाराजगी हो सकती है, लेकिन बातचीत से हर समस्या का समाधान निकल सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी रखना जरूरी होगा।

**मकर**- आज का दिन आपको राहत देने वाला है, जैसे धीरे-धीरे समस्याएं पीछे छूट रही हों। हालांकि माता-पिता की सेहत को लेकर आपको सजग रहना होगा। संतान के कहने पर कोई बड़ा निवेश करने से पहले कई बार सोचें, क्योंकि जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। बिजनेस में आपको हर कदम पर सतर्क रहना होगा, क्योंकि कोई आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है।

**कुंभ**- आज का दिन थोड़ा तनाव भरा रह सकता है, लेकिन अगर आप अपनी मेहनत पर भरोसा रखते हैं, तो हालात धीरे-धीरे आपके पक्ष में आते नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी गति को संतुलित रखना होगा, क्योंकि जल्दबाजी में किए गए काम से परेशानी बढ़ सकती है। पिताजी से काम को लेकर कोई महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है।

**मीन**- आज का दिन खर्चों से भरा रह सकता है, इसलिए आपको अपनी आय और व्यय के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी का साथ आपको मानसिक शांति देगा। किसी अजनबी पर भरोसा करना आज आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है, इसलिए सतर्क रहें। आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें पार्टनरशिप आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

## शब्दजाल- 8218

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | व | र | सु | चे | ता | कृ | प | ला | नी | इ |
| न | सुं | क | ज | इं | डो | ने | ह | ति | म | श |
| अ | ध | आ | ज | य | ल | लि | ता | ह | प | उ |
| हु | रा | ल | मा | ज | ल | स | रा | ह | इ | मा |
| ब | रा | ब | ड़ि | दे | वी | क | र | क | ते | भा |
| द | जे | कि | र | क | दा | का | को | ड | क | र |
| शी | मा | दे | श | व | था | र | त | म | क | ती |
| ला | दे | श | शि | न | प | य | रा | घु | व | ला |
| दी | दि | ल | क | ले | दा | र | जा | या | वी | दे |
| क्षि | ज | ति | ला | हि | द | ह | मा | द | ल | र |
| त | र | सु | ष | मा | स्व | रा | ज | त | र | म |

**शब्दजाल में 'भारत की 10 महिला मुख्यमंत्रीयो के नाम' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं**

सुचेताकृपलानी, शशिकला, काकोडकर, मायावती, राबड़ी देवी, सुषमा स्वराज, शीलादीक्षित,उमाभारती,वसुंधराराजे,जयललिता

### शब्दजाल - 8217 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | | | | | | | | | | |
| क | र | रा | प | क्ष | प | का | र | चो | द | ख |
| र | व | त | य | रा | हो | प | य | अ | सिं | अ |
| क | र | ल | प | र्जु | ज | ता | रे | आ | ह | द |
| क | ह | रि | कि | श | न | चि | त्र | ब | त | म |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली - 7162

**बायें से दायें:-**

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली - 7161

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | लं | दी | ■ | अं | दा | ज | ■ | य | श |
| झू | ■ | पा | की | जा | ■ | मी | ना | ■ | ह |
| मि | ली | ■ | ■ | म | द | र | ■ | स | जा |
| ल | ■ | सू | र्या | ■ | डॉ | ■ | श | र | दा |
| ग | द | र | ■ | ध | न | वा | न | ■ | ■ |
| या | ■ | ज | ख्मी | ■ | ■ | रि | ■ | जी | त |
| ■ | डि | ■ | ■ | वि | रा | स | त | ■ | र |
| अ | नो | खा | अं | दा | ज | ■ | ला | ड़ | ला |
| ना | ■ | मो | ■ | ई | ■ | जो | श | ■ | ■ |
| ड़ी | ■ | शी | बा | ■ | ड | र | ■ | जु | र्म |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**4 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

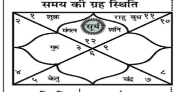


| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मेष | 06.24 बजे से |
| चंद्र | तुला में | वृष | 08.04 बजे से |
| मंगल | मीन में | मिथुन | 10.02 बजे से |
| बुध | कुंभ में | कर्क | 12.16 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | सिंह | 14.32 बजे से |
| शुक्र | मेष में | कन्या | 16.44 बजे से |
| शनि | मीन में | तुला | 18.54 बजे से |
| राहु | कुंभ में | वृश्चिक | 21.09 ब.से |
| केतु | सिंह में | धनु | 23.25 बजे से |
| राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक | | मकर | 01.30 बजे से |
| | | कुंभ | 03.17 बजे से |
| | | मीन | 04.50 बजे से |

**शनिवार** 2026 वर्ष का 94 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** द्वितीया 10.10 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** स्वाती 21.36 बजे को समाप्त।
**योग** हर्षण 14.17 बजे को समाप्त।
**करण** गर 10.10 बजे तदनन्तर वणिज 23.02 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 15.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 05° 37'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872669
**जूलियन दिन** 2461134.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** सव्वाल
**तारीख** 15

| दिन का चौघड़िया | | | | | रात का चौघड़िया | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 | से | 07.23 | बजे तक | लाभ | 05.37 | से | 07.10 | बजे तक |
| शुभ | 07.23 | से | 08.51 | बजे तक | उद्वेग | 07.10 | से | 08.42 | बजे तक |
| रोग | 08.51 | से | 10.19 | बजे तक | शुभ | 08.42 | से | 10.14 | बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 | से | 11.46 | बजे तक | अमृत | 10.14 | से | 11.47 | बजे तक |
| चर | 11.46 | से | 01.14 | बजे तक | चर | 11.47 | से | 01.19 | बजे तक |
| लाभ | 01.14 | से | 02.42 | बजे तक | रोग | 01.19 | से | 02.51 | बजे तक |
| अमृत | 02.42 | से | 04.10 | बजे तक | काल | 02.51 | से | 04.23 | बजे तक |
| काल | 04.10 | से | 05.37 | बजे तक | लाभ | 04.23 | से | 05.56 | बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: ऐसी होती है योग्य प्रजा

उज्जयिनी के राजा भोज संस्कृत के प्रकांड विद्वान और बड़े दानवीर शासक थे। हर याचक को कुछ न कुछ देना वह अपना कर्त्तव्य समझते थे। उनकी विद्वता और दानशीलता दूर-दूर तक चर्चित थी। विद्वानों के साथ-साथ आम लोग भी उनके दरबार में अपनी याचना एवं जिज्ञासा लेकर समय-समय पर उपस्थित होते रहते थे। एक कुम्हार की पत्नी ने राजा भोज की बड़ी प्रशंसा सुनी। वह भी अपनी समस्या का समाधान पाने के लिए साहस करके राजमहल पहुंची। द्वारपाल से निवेदन करते हुए उसने कहा, 'हे द्वार रक्षक! मैं राजा भोज के दर्शनार्थ आई हूं। कृपया भीतर जाने की अनुमति दीजिए।' द्वारपाल ने कहा, 'तुम्हें राजा भोज से क्या काम है?' उसने कहा, 'अपनी एक समस्या राजा भोज के सामने रखना चाहती हूं आपके सामने नहीं।' द्वारपाल सभा में पहुंचा। हाथ जोड़कर बोला, 'राजन! किसी कुम्हार की धर्मपत्नी आपके दर्शन करना चाहती है। आपसे कुछ निवेदन करने की भावना लेकर आई है।' राजा ने कहा, 'आने दो।' वह आई और नमस्कार कर बोली, 'हे राजन! खेत में मिट्टी खोदते समय मेरे पति को धन मिला है। वह उसी खेत में उस धन की सुरक्षा के लिए पहरा दे रहे हैं। मैं आपके पास सूचना देने के लिए आई हूं। जमीन में गड़ा धन राजा का होता है। इसलिए उसे अपने खजाने के लिए मंगवाएं।' राजा के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उन्होंने धन से भरे हुए घड़े को मंगाया। घड़े का मुंह खोलकर देखा। वह रत्नों से भरा था। राजा ने पूछा, 'हे कुंभकार! ये सब क्या है?' कुम्हार बोला, 'हे राजन! मेरी समझ में आप साक्षात चंद्रमा स्वरूप हैं। आपको मृत्यु लोक में आया जानकर आकाश के सब तारागण भी रत्नों की पंक्ति के रूप में आपके पास आए हैं।' कुम्हार की ईमानदारी के साथ उसकी विद्वतापूर्ण भाषा ने राजा को विस्मय में डाल दिया। उसने सोचा, 'यह साधारण व्यक्ति नहीं है, इसकी ईमानदारी प्रेरक है, अनुकरणीय है। यह बड़ा विद्वान भी लगता है।' भोज ने वह घड़ा कुम्हार को भेंट में दे दिया।

## सूडोकु नवताल- 7471

★★★✯☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7470 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

## शब्द पहेली - 8686

**बाएँ से दाएँ**

1.आस्तिक,अनुगामी,पूजक-2
2.रख-रखाव-2,3
6.देह, बदन-2
7.कारण-3
8.तपस्या-2
9.बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11.पति की बहन-3
12.प्रतिज्ञा,वचन-3
14.पिता,डैडी-2
16.मन मोहने वाला-5
18.आनंदित-2
19.लवण,खार-3
21.बख्तरबंद,आवरण-3
23.पासों से भविष्य जानना-3
25.आमिर व काजोल की फिल्म-2
27.मुलायम,कोमल-3
28.उस समय-2
29.भ्रमण,घूमना-3,
30.कोलाहल-2

**ऊपर से नीचे**

1.खतरनाक-4
2.सनम,बालम-3
3.रहने का तरीका-3,3
4.चावल-2
5.बिजली का कौंधना-5
6.कौवा,काग-2
10.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13.मन को भाने वाला-5
15.सहयात्री-5
17.कटि-3
20.निम्न,न्यूनतम-4
22.उत्कर्ष-3
24.अधर,होठ-2
26.संबोधन-2

### शब्द पहेली - 8685 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | क | वि | ता | ■ | क | या | स | ■ |
| भ | ला | ■ | क | ■ | री | ■ | ही | न |
| र | ■ | म | त | ल | ब | ■ | ■ | ह |
| म | द | द | ■ | क्ष | ■ | फि | तू | र |
| ■ | ■ | भ | क्त | ■ | शी | त | ■ | ■ |
| से | हा | रा | ■ | यं | ■ | र | ज | त |
| ह | ■ | ■ | ज | हा | ल | त | ■ | मी |
| त | ल | ■ | मा | ■ | की | ■ | आ | ज |
| ■ | ब | हा | ब | ■ | र | वा | ना | ■ |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# लांजी शराब दुकान को नहीं मिल पा रहा उचित स्थान

## गुजरी बाजार में स्थान चयन पर फिर भड़का विरोध

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** लांजी नगर में लांजी ए के नाम से संचालित शराब दुकान के नियत स्थान को लेकर विवाद थमने के बजाय लगातार नया रूप लेता जा रहा है। यह दुकान पूर्व में सुभाष चौक अवंति काम्प्लेक्स में हो रही थी, जिसकी बिल्डिंग जिर्णशिर्ण होने के कारण पुरे काम्प्लेक्स को डहाना पड़ा एवं यह दुकान सालेटेकरी मार्ग पर खुली। तीन वर्ष तक वहां चलने के उपरांत वह बिल्डिंग भी आधिपत्य परिवर्तन व डिस्मेंटल करने के कारण व 1 अप्रैल को ठेका परिवर्तन उपरांत यहां से हटाना पड़ा व अब इस लांजी ए दुकान को नियत स्थान नहीं मिल पा रहा है एवं हर जगह इसका विरोध हो रहा है। पहले भिलाई मार्ग स्थित सिद्धेश्वर मंगल भवन और भारती लॉन के सामने विरोध के बाद अब प्रशासन ने वार्ड क्रमांक 4 के गुजरी बाजार क्षेत्र को नया विकल्प बनाया, जो स्वयं ही अनुचित है, क्योंकि इसके महज 50 मीटर से भी कम दूरी पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है। इसके एक ओर तालाब तो दूसरी ओर कब्रिस्तान मौजूद हैं, वहीं एक ओर खिलिया मुठिया देव का मंदिर तो दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग का विश्राम गृह मौजूद है। जिसके चलते यहां भी जनआक्रोश फूट पड़ा है। हालात ऐसे हैं कि जहां भी दुकान के लिए स्थान तय किया जा रहा है, वहीं विरोध शुरू हो जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है-एक ओर जनभावनाओं का तीखा दबाव है, तो दूसरी ओर राजस्व हानि का बढ़ता खतरा। अब सवाल यह है कि आखिर शराब दुकान खुले तो कहां खुले? अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस बार क्या निर्णय लेता है? क्या गुजरी बाजार का चयन बरकरार रहेगा या एक बार फिर नया विकल्प तलाशा जाएगा। फिलहाल लांजी की मुख्य दुकान लांजी ए शराब दुकान को लेकर स्थिति लगातार उलझती जा रही है। जहां एक स्थान पर विरोध होता है, वहां से दुकान हटाने की कोशिश होती है और नया स्थान तय होते ही वहां भी विरोध शुरू हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

### पहले लांजी-भिलाई मार्ग में खुल रही थी दुकान.

लांजी में शराब दुकान के लिए पहले भिलाई मार्ग स्थित सिद्धेश्वर मंगल भवन और भारती लॉन के सामने स्थित परिसरों का चयन किया गया था, लेकिन वहां जनप्रतिनिधियों और वार्डवासियों ने मोर्चा खोलते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। लगातार विरोध के चलते प्रशासन को वैकल्पिक स्थान की तलाश करनी पड़ी। इसी कड़ी में 3 अप्रैल को नगर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित गुजरी बाजार के बीचों-बीच शराब दुकान खोलने के लिए स्थान चयन की खबर सामने आई। लेकिन यह फैसला सामने आते ही एक बार फिर विरोध तेज हो गया। वार्ड पार्षद, स्थानीय व्यापारी और वार्डवासी सड़क पर उतर आए और दुकान खोलने के फैसले का विरोध करने लगे।

### गुजरी बाजार का चयन पूरी तरह अनुचित- प्रेमलता खोब्रागढ़े पार्षद

वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमती प्रेमलता संजय खोब्रागढ़े ने स्पष्ट कहा कि गुजरी बाजार नगर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन सभी वार्डों और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में परिवार, महिलाएं और बच्चे सब्जी खरीदने आते हैं। ऐसे स्थान पर शराब दुकान खोलना सामाजिक दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रस्तावित स्थल से महज 50 मीटर की दूरी पर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है। इसके एक ओर तालाब तो दूसरी ओर कब्रिस्तान मौजूद हैं, वहीं एक ओर खिलिया मुठिया देव का मंदिर है। जिससे यह निर्णय पूरी तरह अनुचित प्रतीत होता है। वहीं पार्षद पति संजय खोब्रागढ़े ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सीएमओ के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि सीएमओ द्वारा महज एक हजार रुपये के स्टांप पर लिखा-पढ़ी कर गरीब व्यापारियों को उनके आजीविका के स्थान से हटाया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। इस मामले को लेकर पार्षद प्रेमलता खोब्रागढ़े और मरारमाली समाज अध्यक्ष भरतलाल बड़मे और भाजपा कार्यकर्ता देवेश एड़े एवं वार्डवासियों ने एसडीएम कमलचंद सिंहसार को ज्ञापन सौंपते हुए गुजरी बाजार में शराब दुकान न खोलने की मांग की है।

### इनका कहना है.

उक्त स्थान का चयन नगर परिषद की बैठक में किया गया है। इस बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष, सीएमओ सहित 14 पार्षद मौजूद थे और सभी ने सामूहिक सहमति से इस स्थान को मंजूरी दी थी। जब परिषद की बैठक में सहमति बनी थी, तो बाद में उसी निर्णय का विरोध क्यों हो रहा है ? क्या जनभावनाओं का आकलन पहले नहीं किया गया या फिर निर्णय लेने में जल्दबाजी हुई। वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद को भी बैठक में आमंत्रित किया गया था परंतु वह नहीं पहुंची तो इसमें परिषद जिम्मेदार नहीं है।

**मयूर वाहने, सीएमओ**
**नगर परिषद, लांजी**

# सेंट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी का परीक्षा परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** सेंट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी का सत्र 2025- 26 का परीक्षा परिणाम दिनांक 02/04/2026 को कक्षा एलकेजी से कक्षा 11वीं तक का घोषित किया गया जो सराहनीय रहा। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य श्री हेमंत बनकर द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संध्या मिश्रा द्वारा किया गया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार रहा। कक्षा एल के जी में प्रथम युक्ति बडमे 99.16 प्रतिशत ,द्वितीय श्रेया पिपरे 98.66 प्रतिशत ,तृतिय आयत हाशमी 98.5 प्रतिशत , कक्षा यू के जी ए प्रथम हिमानी कटरे 100 प्रतिशत ,द्वितीय अनाया पांचे एवं लाची गौतम 99.83 प्रतिशत ,तृतिय आर्यन कर्राहे एवं रियांश महोबिया 99.66 प्रतिशत , यू के जी वर्ग बी प्रथम हितांशी गोदुले 100 प्रतिशत एवं द्वितीय देवांशी रामटेक्कर एवं वाणी कलपूरे 99.66 प्रतिशत ,तृतीय आराध्या पांडे एवं अपर्णा महोबिया 99.5 प्रतिशत एवं मोनास्वी वाकडे 99.5 प्रतिशत , कक्षा पहली ए प्रथम डिंपल चौधरी, नव्या कुचलाहे एवं तूर्वी कटरे 99.91 प्रतिशत ,द्वितीय माधवी टेंभरे 99.83 प्रतिशत ,तृतिय निलीशा हिरवानी 99.66 प्रतिशत , कक्षा पहली बी में प्रथम हिमांशी बंजारी 99.91 प्रतिशत ,द्वितीय गोविंद कुमावत 99.83 प्रतिशत ,तृतिय डिंपल धारणे 99.75 प्रतिशत, कक्षा दूसरी प्रथम स्थान थींरा मानकर 99.1 प्रतिशत ,द्वितीय कनक महोबिया 98.16 प्रतिशत , तृतीय कुंज नरताम 97.9 प्रतिशत , कक्षा दूसरी बी प्रथम कनक गोधुले 98.4 प्रतिशत ,द्वितीय देवांशी वानखेड़े एवं दिव्यानी मनेश्वर 97.5 प्रतिशत ,तृतीय चारवी कावडे 97.1 प्रतिशत , कक्षा तीसरी ए प्रथम स्थान दीक्षा चोरवाड़े 99 प्रतिशत , द्वितीय हरशानी उके 98.75 प्रतिशत एवं गगन घोरमारे 98.7 प्रतिशत ,तृतीय दिशांत केकरे एवं रव्या आमाडारे 98.5 प्रतिशत , कक्षा तीसरी बी प्रथम स्थान जयेश बनोठे 99.83 प्रतिशत ,द्वितीय रिद्धिमा बैस 99.4 प्रतिशत , तृतीय स्थान आरोही पसीने 99.25 प्रतिशत , कक्षा चतुर्थ प्रथम स्थान विधि पीपलेवार 95.2 प्रतिशत ,द्वितीय भावेश टिकेश्वर 93.8 प्रतिशत ,तृतीय रूही लटारे 91.6 प्रतिशत , कक्षा छठवीं ए प्रथम अनुष्का पांडे 96.2 प्रतिशत ,द्वितीय आस्था पांचे 95.41 प्रतिशत,तृतिय अफसा मिर्जा 94.75 प्रतिशत ,कक्षा छठवीं बी प्रथम भावी बारसागडे 95.08 प्रतिशत ,द्वितीय पूर्वी बागडे 94 प्रतिशत ,तृतिय अन्नया तिवारी 88.5 प्रतिशत , कक्षा सातवीं हिंदी माध्यम प्रथम नव्या सातपुते ,द्वितीय अन्नया नारनौरे, तृतीय कुणाल टेकाम रहे। कक्षा सातवीं अंग्रेजी माध्यम ए प्रथम मिश्र उमरे एवं अदिति बोरकर 99.5 प्रतिशत ,द्वितीय सिद्धि ठाकुर 98.8 प्रतिशत ,तृतिय सेजल ठाकुर 97 प्रतिशत, कक्षा सातवीं वर्ग बी प्रथम मोक्षी इंझरावते 98.91 प्रतिशत , द्वितीय हुमायरा शेख 98.34 प्रतिशत ,तृतिय लालिमा मानकर 98.25 प्रतिशत , कक्षा सातवीं वर्ग सी प्रथम रूचि ठोमरे 97.9 प्रतिशत ,द्वितीय शिखा सोनटेके 95.6 प्रतिशत ,तृतिय अनन्या मेहरबान 89.3

प्रतिशत , कक्षा 9 वी हिंदी माध्यम प्रथम अक्षरा घोंगड़े 82.16 प्रतिशत ,द्वितीय त्रिवेणी चौधरी 79.08 प्रतिशत ,तृतीय संजना सत्कार 76 प्रतिशत ,कक्षा नवी अंग्रेजी माध्यम प्रथम मोहित वानखेड़े 91.25 प्रतिशत ,द्वितीय मिताली दौने 88.75 प्रतिशत ,तृतीय पल्लवी दुबे 87.83 प्रतिशत , कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय प्रथम रिद्धिमा उमरे 95.74 प्रतिशत ,द्वितीय ईशा आसटकर 91.24 प्रतिशत ,तृतीय मीनल बोरकर 90.84 प्रतिशत ,कक्षा ग्यारहवीं बी प्रथम उमा अस्तने 91.44 प्रतिशत ,द्वितीय सौरभ कश्यप 86.74 प्रतिशत ,तृतिय सुमायरा खान 86.72 प्रतिशत रहा। इस प्रकार सभी छात्र-छात्राओं का परीक्षाफल सराहनीय रहा। संस्था में समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं श्रीमती एम वैष्णव , श्रीमती एस राउत , श्रीमती ए बरसागडे, श्रीमती बी. राउत, श्रीमती पी लाडे , श्रीमती बी सोमनकर , कुमारी एन भंडारकर, कुमारी एम शुक्ला, श्रीमती एन कुरैशी, कुमारी एस ऐडे , कुमारी पी मोरघडे , कुमारी पी ऐडे , कुमारी एस शेख, श्रीमती यू बिसेन , कुमारी पी सोनवाने , कुमारी एम खोबरागड़े , श्रीमती एस राकड़े , श्रीमती पी येरपुडे, श्रीमती वी.कश्यप, कुमारी एच खान, श्रीमती एस मिश्रा , कुमारी रानू सोनवाने,कुमारी एस . आसटकर, आर. वाल्थरे ,श्रीमती एल इंझरावते , बी नरताम का कार्यक्रम में सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की समिति अध्यक्ष श्रीमती विभा अनिल तिवारी द्वारा छात्र-छात्राओं का उत्सावर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई समिति सचिव श्रीमती मीरा बनकर के द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत को धैर्य की सीख दी गई। विद्यालय के प्राचार्य हेमंत बनकर द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को उनके अच्छे परीक्षा परिणाम की बधाई दी गई।

# युवक को डांडेकार सर्प ने काटा

## वैद्यकीय उपचार से मिला स्वास्थ्य लाभ

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** मुख्यालय से 22 किमी दूर वनांचल ग्राम बीजागढ़ निवासी विनोद पिता चमरूलाल आचरे 22 वर्ष को 2 अप्रैल को शाम 6 बजे अपने घर में काम करते समय डांडेकार सांप ने उसको काट लिया। सांप को देखने के बाद उसने घर

के अन्य लोगों को बताया। जिसके उपरांत परिजनों के द्वारा मोटरसाइकिल में बैठाकर लांजी इलाज के लिए लाया गया। रात्रि लगभग 8.30 बजे लांजी पहुंचने पर देखा कि युवक को जहर का असर बढ़ने लगा व कुछ देर बाद चक्कर आने लगे तो परिजनों द्वारा सीधे लांजी आत्माराम चन्ने के घर पहुंचे। लगभग तीन घंटे देरी से पहुंचेने के कारण जहर का असर काफी हो गया था। आत्माराम चन्ने के घर पहुंचते उनके द्वारा देखा गया एवं तुरंत ही वैद्यकीय पद्धति से उपचार प्रारंभ किया। दवा देते ही दवा का असर होने लगा एवं एक घंटे के भीतर जहर का असर खत्म होकर युवक पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गया। वैद्यराज आत्माराम चन्ने ने बताया कि काफी देर हो जाने के कारण युवक पर सर्प का जहर का असर अधिक हो गया था और कुछ देर उपचार नहीं मिलता तो जान भी जा सकती थी।

### सर्पदंश से पीड़ित रोगीयों का करते हैं निशुल्क उपचार - आत्माराम चन्ने

बता दें कि लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी आत्माराम चन्ने द्वारा सर्पदंश से पिड़ित लोगो का निःशुल्क इलाज कर उन्हे ठीक करने का काम कर रहे है। नगर व क्षेत्र के जितने भी लोग है जो सर्पदंश का शिकार हो रहे है, उनमें से अनेक लोग अपना इलाज करवाने के लिए आत्माराम चन्ने के निवास पर ही आते है। आत्माराम चन्ने बताते है कि उनके पूर्वजो द्वारा दादा कोटेश्वर भगवान की असीम कृपा से व वैद्यकीय विधि से सर्पदंश से पिड़ित लोगो का उपचार किया जाता रहा है। उसके उपरान्त वे भी विगत 45 वर्षो से सर्पदंश से पिड़ितों को सेवा भावना के साथ निःशुल्क उपचार कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहे है। आपने बताया कि प्रतिवर्ष सर्प दंश के शिकार हुए अनेकों लोग उनके पास उपचार के लिए पहुंचते हैं एवं उपचार प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ लिया।

# उपमंडी लांजी में अवैध परिवहन का फिर बना प्रकरण

## एक माह में 11 वाहनों से 64535 रूपये वसूला

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** भारसाधक अधिकारी (मंडी) बालाघाट गोपाल सोनी एवं सचिव कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के मार्गदर्शन में निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, विनोद बन्सो? एवं नेलचंद बारबुदे सहायक उप निरीक्षक उपमंडी लांजी के द्वारा 2 मार्च एवं 3 मार्च को कुल्पा आमगांव रोड एवं रिसेवाड़ा भिलाई रोड में दिन एवं रात के सघन निरीक्षण के दौरान 3 वाहनों पर बिना मंडी के वैध दस्तावेजों के अवैध परिवहन करने पर पांच गुना कार्यवाही कर दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। जिसमें पिकअप क्रमांक एमपी 50 जेड जे 5379 मे गणेश किराना बिसोनी (लांजी)से मिर्ची 5.21क्विं.पर राशि 3345, एमपी 28 जेड एच 6082 मे राम सब्जी भंडार परासिया (छिंदवाड़ा) से लहसुन 16 क्वि. पर राशि 5000 एवं वाहन क्रमांक एम एच 49एटी 0365 में मांगूलाल पंजरे, ग्राम बिरसोला (कांटी) जिला -गोंदिया से गुड़ 28 क्विंटल पर राशि 8000 रूपये वसुल कर शासकीय खजाने में जमा कराया गया। बताया गया कि इसके पूर्व विगत माह- मार्च 2026 में भी इसी प्रकार कार्यवाही कर लांजी उपमंडी क्षेत्र में 8 वाहनों पर बिना मंडी के वैध दस्तावेजों के अवैध परिवहन करने पर पांच गुना कार्यवाही कर दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया, जिसमें वाहन एमपी 28 जेड डी 5893 मे रामकुमार चौरिया छिंदवाड़ा से लहसुन 12 क्वि.पर राशि 4000, वाहन एम एच 40 सी डी 5538 मे राहुल कंटक छिंदवाड़ा से लहसुन 23.20 क्वि. पर राशि 8960, वाहन एमपी 28 जी 6168 मे शिवहरी चौरिया परसगांव (छिंदवाड़ा)से लहसुन 16.60 क्वि. पर राशि 6980, वाहन एम एच 40 डीसी 5105 मे नीरज साहू छिंदवाड़ा से लहसुन 10 क्वि. पर राशि 4000, वाहन एम एच 40 सी टी 1095 मे राजेश मधुकर ठाकरे एंड संस छिंदवाड़ा से लहसुन 40 क्वि. पर राशि 12000, वाहन एमपी 15 जेड एन 7242 मे देवेंद्र कुटेल सागर से लहसुन 19.40 क्वि. पर राशि 5850, वाहन एम एच 40 सी टी 9513 मे मकरू डिगरसे छिंदवाड़ा से लहसुन 10 क्वि. पर राशि 3000, वाहन एमपी 22 जी 4419 मे निलेश कुमार अग्रवाल आमगांव से पोपट 10 क्वि. पर राशि 3400 रूपये वसुल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया था। इस प्रकार, 11 वाहनों से कुल राशि 64535 रूपये वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया है। प्रशासन द्वारा अपील की गई कि कोई भी व्यापारी बगैर मंडी के वैध दस्तावेजों अथवा अनुज्ञापत्र के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में ना करें,अन्यथा अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों पर प्रशासन की सतत् कार्यवाही जारी रहेगी।

# एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव ने मनाया अपना प्रवेश उत्सव

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** भानेगांव में अंग्रेजी माध्यम से संचालित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव ने अपना नवीन प्रवेश उत्सव 2026-27 कार्यक्रम मनाया। सर्वप्रथम संस्था के संचालक ए.आर कुशले के द्वारा माँ सरस्वती जी एवं भारत माता की पूजा की गई एवं सरस्वती वंदना का गायन छात्रों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुरूवात में सत्र 2025-26 के उर्तीण समस्त छात्रों को नवीन कक्षा में प्रवेश की शुभकामनाएं दी गई साथ ही स्कूल की प्रथम कक्षा नर्सरी में प्रवेशित छात्रों का तिलक वंदन किया गया। प्रवेश उत्सव में मुख्य रूप से छात्रों के साथ पालकगण की भी उपस्थित रहे जिसमें कु. भव्या पिता राकेश कामडे, पावनी पिता प्रदीप रामटेके, कुशल पिता उमेश बढाई, शिवांश पिता संजय चौधरी, वरण पिता विरेन्द्र मेंश्राम, अंश पिता कमल पांचे, शिवांश पिता धर्मेंद्र कालबेले, अनुज पिता सुरेन्द्र ठाकरे, मेहुल पिता यादोराव बिसेन, तनु पिता विरेन्द्र बागड़े एवं अन्य छात्र व पालकगण की उपस्थिती रही उपस्थित समस्त छात्रों को मिठाई खिलाकर मुंह मिठा किया गया। आज के कार्यकम में स्व. श्री महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष बलराम बड़धैया, उपाध्यक्ष सुभाष कुशले सचिव राजाराम कुशले स्कूल संचालक ए.आर. कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले, पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया सचिव, भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे सहसचिव, दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके, सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती, सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने एवं समस्त शिक्षक / शिक्षिकाओं की उपस्थिती रही ।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# आधी रात को दतिया विधानसभा सीट रिक्त घोषित

## राजेन्द्र भारती को 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद विधानसभा ने जारी की अधिसूचना

भोपाल। दिल्ली की साउथ एजेन्यू कोर्ट द्वारा दतिया विधायक राजेन्द्र भारती को गुरुवार दोपहर 3 साल की सुजा सुनाई। इसके बाद मप्र विधानसभा ने गुरुवार देर रात दतिया विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। विधानसभा सचिवालय ने 2 अप्रैल की रात ही अधिसूचना भी जारी कर दी है। हालांकि आदेश और अधिसूचना शुक्रवार सुबह ही सामने आए हैं। अब सीट रिक्त की सूचना चुनाव आयोग को भेजी जाएगी।

दतिया विधायक राजेन्द्र भारती को पुराने मामले में दिल्ली की साउथ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह ने 3 साल की सजा का ऐलान किया। हालांकि कोर्ट ने आदेश में भारती की सजा पर 2 महीने तक रोक भी लगा दी थी।

कोर्ट का आदेश आते ही विधानसभा सचिवालय सक्रिय हुआ। विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा गुरुवार रात करीब 9 बजे विधानसभा सचिवालय पहुंचे। जहां उन्होंने कोर्ट के आदेश का हवाला देकर दतिया सीट को रिक्त घोषत करने का आदेश जारी किया और अधिसूचना भी जारी की। हालांकि देर रात करीब 10 बजे पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी विधानसभा सचिवालय पहुंचे। जहां दोनों नेताओं ने प्रमुख सचिव शर्मा के कक्ष में पहुंचकर रात को विधानसभा खोलने पर आपत्ति जताई। हालांकि कांग्रेस नेताओं के पहुंचने तक अरविंद शर्मा ने दतिया सीट को रिक्त घोषित करने की कागजी कार्रवाई को पूरा कर दिया था। शर्मा के जाने के बाद अधिसूचना जारी की गई और आदेश भी निकाला।

### अब मामला हाईकोर्ट के पाले में

मप्र विधानसभा ने आनन-फानन में बेशक दतिया सीट को रिक्त घोषित कर दिया है, लेकिन अब मामला दिल्ली हाईकोर्ट के पाले में पहुंचेगा। क्योंकि विशेष न्यायाधीश ने अपने आदेश में राजेन्द्र भारती की सजा पर 2 महीने तक रोक लगाते हुए उच्च न्यायालय जाने का अवसर दिया है। ऐसे में चुनाव आयोग को भी इस आदेश पर अमल करना होगा। संभवत: आज भारती की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जेंट अपील की जा सकी है।

# आलोक नागर और राजेश भट बने सूचना आयुक्त

भोपाल । सामान्य प्रशासन विभाग ने एमपी में दो नए राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति कर दी है। इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, दो नए राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त किए गए हैं। सरकार द्वारा पिछले माह इसको लेकर चयन समिति की बैठक मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बुलाई गई थी। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्य सूचना आयुक्त के पद पर जिन दो व्यक्तियों की नियुक्ति के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है, उनमें आलोक नागर और राजेश भट के नाम शामिल हैं। नागर रजिस्ट्रार, फर्म्स एंड सोसायटी के पद से रिटायर हैं, जबकि राजेश आकाशवाणी में कार्यरत हैं।

# भाजपा मीडिया विभाग में पदाधिकारियों की घोषणा

## 33 प्रवक्ता,41 पैनेलिस्ट के साथ 9 सह-मीडिया प्रभारी एवं 6 सदस्य प्रदेश मीडिया विभाग बनाए गए

भोपाल। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के मीडिया विभाग में प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। इस सूची में जहां कुछ नए चेहरों को जगह मिली है वही पुराने चेहरों पर विश्वास जताया गया है। प्रदेश प्रवक्ताओं में जहां 11 विधायकों को जगह मिली है। वही 5 पूर्व विधायक भी शामिल है। इनके अलावा पूर्व में प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी संभाल रहे पंकज चतुर्वेदी, गुलरेज शेख, डॉ. दुर्गेश केसवानी, डॉ सनवर पटेल, अजय धवले, को फिर से प्रवक्ता बनाया गया है। वही पूर्व पैनेलिस्ट में रहे अजय यादव, मंजूरी जैन, डॉ वाणी आहलूवालिया को भी प्रवक्ता बनाया गया है। प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी में बृज गोपाल लोया, मिलन भार्गव,आलोक दुबे, राकेश पण्डया, राजलखन सिंह, विशाल बत्रा, पवन दुबे, श्रीकांत साहू एवं प्रदीप राजौरिया को जिम्मेदारी सौपी गई है। मीडिया पैनेलिस्ट में 41 लोगों को जिम्मेदारी दी गई है इसमें पूर्व में पैनेलिस्ट रहे ब्रजेश पाण्डे, योगेश गुप्ता, वंदना मार्तंड त्रिपाठी, सत्येन्द्र जैन, शिवम शुक्ला, कर्नल ईशान आर, को फिर से जगह मिली है। इनके अलावा सदस्य प्रदेश मीडिया विभाग में 6 लोगों की नियुक्ति की गई है।

**चिटनीस, ऊषा सहित 10 विधायकों को बीजेपी ने प्रवक्ता बनाया**

**प्रदेश प्रवक्ता ( 33 ) सदस्य 10 विधायकों सहित )**

अर्चना चिटनीस, विधायक (बुरहानपुर)
कुंवर सिंह टेकाम, विधायक (सीधी)
उषा ठाकुर, विधायक (इंदौर)
गौरव पारधी, विधायक (बालाघाट)
नीरज सिंह लोधी, विधायक (जबलपुर)
संदीप जायसवाल, विधायक (कटनी)
संतोष बरकड़े, विधायक (जबलपुर)
दिलीप परिहार, विधायक (नीमच)
संजय शाह, पूर्व विधायक (हरदा)
योगेश पंडाग्रे, विधायक (बैतूल)
छाया मोरे, विधायक (खंडवा)
कलसिंह भाबर, पूर्व विधायक (झाबुआ)
यशपाल सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक (मंदसौर)
घनश्याम पिरोनिया, पूर्व विधायक (दतिया)
रामलाल रौतेल, पूर्व विधायक (अनूपपुर)
सनवर पटेल, वक्फ़ बोर्ड अध्यक्ष (उज्जैन)
राजेन्द्र भारती, पूर्व विधायक (उज्जैन)
हितेश वाजपेयी (भोपाल)
पंकज चतुर्वेदी (भोपाल)
गुलरेज शेख (उज्जैन)
रूप पमनानी (उज्जैन)
विवेक गुप्ता (उज्जैन)
दुर्गेश केसवानी (भोपाल)
अजय धवले (पांढुर्णा)
दिव्या गुप्ता (इंदौर)
राजेन्द्र सिंह ठाकुर (नर्मदापुरम)
अजय यादव (टीकमगढ़)
मंजरी जैन (विदिशा)
वाणी अहलूवालिया (जबलपुर)
धैर्यवर्धन शर्मा (शिवपुरी)
कल्पेश ठाकुर (विदिशा)
वैभव शुक्ला (इंदौर)
सचिन बघेल (इंदौर)

**प्रदेश सह मीडिया प्रभारी (9 सदस्य)**

बृजगोपाल लोया (रायसेन)
मिलन भार्गव (भोपाल)
आलोक दुबे (इंदौर)
राकेश पण्ड्या (उज्जैन)
राजलखन सिंह (ग्वालियर)
विशाल बत्रा (बैतूल)
पवन दुबे (भोपाल)
श्रीकांत साहू (जबलपुर)
प्रदीप राजोरिया (सागर)

**प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट (कुल 47)**

बृजेश पाण्डे (रीवा)
योगेश गुप्ता (भोपाल)
गुंजन चौकसे (भोपाल)
वंदना मार्तण्ड त्रिपाठी (भोपाल)
सत्येन्द्र जैन (भोपाल)
शिवम शुक्ला (सीधी)
प्रेम व्यास (इंदौर)
ईशान आर (भोपाल)
प्रियंका दुबे (हरदा)
स्वाति चोपड़ा (नीमच)
नमिता अग्रवाल (रायसेन)
महेश शर्मा (भोपाल)
कृष्णगोपाल पाठक (रायसेन)
शाहवर आलम (भोपाल)
मोहित गर्ग (बैतूल)
अभय यादव (टीकमगढ़)
निशांत बिसेन (बालाघाट)
आदित्य दीक्षित (इंदौर)
सागर कसेरा (इंदौर)
अनिमेष भार्गव (राजगढ़)
रश्मि अग्रवाल (भोपाल)
मनस्वी पाटीदार (इंदौर)
योगेश तिवारी (भोपाल)
अविनाश पटवारी (इंदौर)
संजय पाटीदार (खरगोन)
सुबोध दुबे (ग्वालियर)
विकास जैन (गुना)
माही भजनी (भोपाल)
नितिन मोहन डेहरिया (छिंदवाड़ा)
श्याम गंगराड़े (खण्डवा)
एसके तिवारी (भोपाल)
विवेक सिन्हा (इंदौर)
कमल वर्मा (इंदौर)
सुमित रघुवंशी (भोपाल)
विजय जोशी (शाजापुर)
सूरज खरे (भोपाल)
जे.पी. मूलचंदानी (इंदौर)
अर्जिता जोशी (भोपाल)
सुमित पाण्डे (भोपाल)
रिशांक तिवारी (सागर)
गौरव कुलश्रेष्ठ (ग्वालियर)
नवीन चौधरी (ग्वालियर)
आयुषी देशमुख (जबलपुर)
राहुल शर्मा (ग्वालियर)
रितुराज दीक्षित (ग्वालियर)
गजेन्द्र सोलंकी (उज्जैन)
देवेन्द्र पाल सिंह (उज्जैन)

# मध्य प्रदेश में 6 अप्रैल को थम सकती हैं मेडिकल सर्विस

## एमटीए का काम बंद हड़ताल का ऐलान

भोपाल। राजधानी के गांधी चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) में सीधी भर्ती के विरोध में मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन यानि एमटीए का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रहा। गुरुवार को चिकित्सकों ने एक घंटे का कार्य बहिष्कार कर प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जल्द फैसला नहीं लिया गया तो सोमवार से आंदोलन और उग्र होगा। इस दौरान अस्पतालों में मरीजों के इलाज की व्यवस्थाएं भी चरमरा सकती हैं।

एमटीए के आह्वान पर गुरुवार को हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-2 पोर्च पर दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक चिकित्सा शिक्षकों ने काम का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ओपीडी से लेकर अकादमिक गतिविधियां प्रभावित रहीं। विभागाध्यक्षों से लेकर मेडिकल ऑफिसर्स तक बड़ी संख्या में चिकित्सक धरने में शामिल हुए।

आंदोलन में शामिल चिकित्सकों ने आरोप लगाया है कि दो दिनों से चल रहे विरोध और पेन-डाउन स्ट्राइक के बावजूद गांधी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने विवादित विज्ञप्ति को निरस्त करने के संबंध में कोई पहल नहीं की है। एमटीए पदाधिकारियों का कहना है कि जब ग्वालियर हाईकोर्ट समान मामले में सीधी भर्ती को खारिज कर चुका है, तब भी जीएमसी भोपाल प्रशासन इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखा रहा है।

### डीपीसी से पदोन्नति की मांग पर अड़े चिकित्सक

एमटीए महासचिव डॉ। अविनाश ठाकुर ने कहा कि यह आंदोलन चिकित्सा शिक्षकों के अधिकारों और सम्मान से जुड़ा है। यदि महाविद्यालय प्रशासन ने जल्द समाधान नहीं निकाला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं, संगठन के अध्यक्ष डॉ। राकेश मालवीय ने स्पष्ट किया कि जब तक डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) के माध्यम से पदोन्नति सुनिश्चित नहीं होती, आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा।

### 4 अप्रैल को दो घंटे का बहिष्कार

कॉलेज प्रबंधन ने यदि बात नहीं मानी तो संघ ने आंदोलन के अगले चरण की भी घोषणा कर दी है। डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि 4 अप्रैल को दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया जाएगा और चिकित्सक काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। यदि इसके बाद भी विवादित विज्ञप्ति निरस्त नहीं की गई तो 6 अप्रैल से अनिश्चितकालीन क्रमिक कार्य बंद आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिससे अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यापक असर पड़ सकता है।

# 16 लाख छात्रों का इंतजार होगा खत्म

## 15 अप्रैल से पहले जारी होगा एमपी बोर्ड 10वीं-12वीं का रिजल्ट

भोपाल । मध्य प्रदेश में 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा देने वाले लाखों छात्र-छात्राओं का इंतजार अब खत्म होने वाला है। माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) जल्द ही रिजल्ट जारी करने की तैयारी में है और संभावना जताई जा रही है कि परिणाम 15 अप्रैल से पहले घोषित कर दिए जाएंगे। विभागीय सूत्रों के मुताबिक 7 से 12 अप्रैल के बीच रिजल्ट जारी होने की संभावना भी बन रही है। सभी जरूरी प्रक्रियाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं और अब काम अंतिम चरण में है।

इस वर्ष प्रदेशभर में करीब 16 लाख विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में हिस्सा लिया। इनमें लगभग 9 लाख 7 हजार छात्र 10वीं और करीब 7 लाख छात्र 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए। इतनी बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाएं आयोजित कराई गईं।

### नकल रोकने के लिए सख्त इंतजाम

परीक्षा को निष्पक्ष बनाने के लिए इस बार विशेष इंतजाम किए गए थे। फ्लाइंग स्क्वॉड की निगरानी,

सीसीटीवी कैमरे और प्रश्नपत्र वितरण की वीडियोग्राफी जैसी व्यवस्थाएं लागू की गईं। इसके बावजूद पूरे प्रदेश से करीब 100 नकल के मामले सामने आए, जिनमें मुरैना में सबसे ज्यादा 41 और भोपाल में 20 प्रकरण दर्ज किए गए।

### रिजल्ट जारी करने की तैयारी अंतिम चरण में

रिजल्ट जारी करने से पहले कॉपियों की जांच और डेटा का वेरिफिकेशन तेजी से किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के अनुसार विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि परिणाम पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हों, ताकि छात्रों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। संभावना है कि अप्रैल के पहले पखवाड़े में नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

### रिजल्ट में उतार-चढ़ाव का ट्रेंड

पिछले वर्षों के रिजल्ट पर नजर डालें तो इसमें लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 2017 में 10वीं का परिणाम 49.9 प्रतिशत और 12वीं का 67.8 प्रतिशत रहा था, जबकि 2018 में इसमें सुधार हुआ। 2019 में 12वीं का रिजल्ट 72.37 प्रतिशत तक पहुंचा, वहीं 2021 में कोरोना महामारी के चलते दोनों कक्षाओं का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इसके बाद 2023 में 12वीं का परिणाम गिरकर 55.28 प्रतिशत रह गया, लेकिन 2025 में फिर सुधार देखने को मिला, जहां 10वीं में 76.22 प्रतिशत और 12वीं में 74.28 प्रतिशत छात्र सफल हुए।

# 24 अप्रैल तक हाईकोर्ट में पेश करें दस्तावेज

## - ओबीसी आरक्षण मामले में 27 से होगी नियमित सुनवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के संबंधित दायर याचिकाओं पर 27 अप्रैल से तीन दिनों तक नियमित सुनवाई होगी। जबलपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने सभी संबंधित पक्षकारों को नियमित सुनवाई के तीन दिन पूर्व तक दस्तावेज प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत किये जाने के पक्ष तथा विपक्ष में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कुछ याचिकाओं की सुनवाई करते हुए ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने पर रोक लगा दी थी। विपक्ष में दायर याचिका में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा साहनी तथा मराठा आरक्षण के संबंध में दायर याचिकाओं में स्पष्ट कहा गया है कि आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होने चाहिए। कुछ याचिकाओं में याचिकाओं में फार्मूला 87-13 को चुनौती देते हुए 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर आपत्ति की गयी थी। पक्ष में दायर की गयी याचिकाओं में आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग की गई थी। याचिकाओं पर पिछली सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया था कि सर्वोच्च न्यायालय ने ओबीसी आरक्षण के संबंध में दायर एसएलपी को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट वापस भेजते हुए सुनवाई के निर्देश दिये थे। सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश जारी किए हैं कि प्रकरणों की सुनवाई के लिए विशेष बेंच का गठन किया जाए। विशेष न्यायालय तीन माह में याचिका का निराकरण करे। युगलपीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए सभी पक्षकारों को 15 अप्रैल तक दस्तावेज प्रस्तुत करने के आदेश जारी किये थे। याचिका पर गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान आरक्षण के खिलाफ दायर की गयी याचिकाओं की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने युगलपीठ को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने तीन माह में संबंधित याचिकाओं के निराकरण करने निर्देश जारी किए हैं। जिसमें से डेढ़ माह का समय गुजर गया है।

# अब ईवी खरीदना भी हो गया महंगा...

भोपाल। इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) खरीदने वालों के लिए अब सौदा पहले जैसा सस्ता नहीं रहेगा। सरकार ने शून्य प्रतिशत रोड टैक्स के रूप में मिलने वाली सब्सिडी को खत्म कर दिया है। अब नई खरीद पर 4 प्रतिशत टैक्स देना होगा, जिससे कीमत सीधे बढ़ जाएगी। मालूम हो कि अब तक राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए रोड टैक्स पूरी तरह माफ था, लेकिन नए फैसले के बाद यह राहत खत्म हो गई है। इस बदलाव का असर सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों पर पड़ेगा। यानी अब ईवी खरीदते समय ग्राहकों को पहले से ज्यादा खर्च करना होगा।

दरअसल, राज्य परिवहन विभाग ने प्रदेश की ईवी नीति में संशोधन कर दिया है। अब नए इलेक्ट्रिक वाहन पर ग्राहक को 4 प्रतिशत रोड टैक्स देना होगा। अभी तक रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट थी, लेकिन अब इस छूट का समाप्त कर दिया गया है। जानकारी अनुसार परिवहन विभाग ने सभी प्रकार के ईवी वाहन जैसे दो पहिया, तीन पहिया और चार पहिया वाहनों पर रोड टैक्स व रजिस्ट्रेशन फीस लागू कर दी है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह टैक्स पेट्रोल व डीजल वाहनों के मुकाबले बहुत कम है, क्योंकि सरकार ईवी का बढ़ावा देना चाहती है। ईवी नीति में हुए इस बदलाव का असर सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों पर पड़ेगा। चाहे कार हो, स्कूटर हो या कमर्शियल वाहन। यानी अब ईवी खरीदते समय ग्राहकों को पहले से ज्यादा खर्च करना होगा।

### खरीदी पर पड़ेगा असर

मालूम हो कि राजधानी में हर साल आठ हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री होती है। ऑटो सेक्टर से जुड़े जानकार मानते हैं कि इस फैसले से बाजार की चाल बदल सकती है। अब ग्राहक पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों की तुलना नए सिरे से करेंगे। टैक्स बढने से ईवी की लागत बढ़ेगी, जिससे कुछ लोग अन्य विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं।

### नया नियम कितना पड़ेगा भारी

ईवी पर टैक्स लागू होने से कीमत में सीधा इजाफा होगा। उदाहरण के लिए अगर कोई व्यक्ति 10 लाख की इलेक्ट्रिक कार खरीदता है तो उसे टैक्स के रूप में 40 हजार रुपए अतिरिक्त देने होंगे। वहीं 20 लाख की कार पर 80 हजार रुपए का टैक्स लगेगा। मालूम हो कि पेट्रोल और डीजल वाहनों पर 4 से 16 प्रतिशत तक टैक्स लिया जाता है। परिवहन विभाग का तर्क है कि राज्य में तेजी से बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन और अन्य सुविधाएं विकसित करने के लिए फंड की जरूरत है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ईवी की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है, क्योंकि कीमत बढने से ग्राहकों का रुझान बदल सकता है।

### रेट्रोफिटिंग पर भी छूट होगी खत्म

रेट्रोफिटिंग यानी 15 साल पुराने पेट्रोल-डीजल वाहन को ईवी में बदलवाने पर भी छूट खत्म हो जाएगी। जबकि अभी तक किट नहीं मिल पाने के कारण रेट्रोफिटिंग का काम ठीक से शुरू भी नहीं हो पाया।

# कार्तिकेय चौहान के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

भोपाल। मप्र हाई कोर्ट में जल्द ही कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी और शिवराज परिवार आमने-सामने होंगे। मामला मानहानि केस से जुड़ा है। इसे लेकर राहुल गांधी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की बेंच एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगी। साल 2018 में राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उस समय झाबुआ में हुई एक चुनावी सभा हुई। इसमें राहुल ने भाषण देते हुए पनामा पेपर लीक का जिक्र किया। शिवराज सिंह चौहान और उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया। राहुल गांधी ने तुलना करते हुए कहा था कि पाकिस्तान में नवाज शरीफ पर कार्रवाई हुई, लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ। कार्तिकेय सिंह चौहान ने राहुल गांधी के इस बयान को अपनी छवि खराब करने वाला बताते हुए भोपाल के एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया। भोपाल एमपी एमएलए कोर्ट की विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया और इसी को रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने हाई कोर्ट का रुख किया। अदालत ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद इस मामले को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। राहुल गांधी वर्सेस शिवराज सिंह चौहान के परिवार का यह केस सिर्फ कोर्ट तक नहीं, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी गहरा असर करेगा। एक तरफ जहां कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी हैं तो वहीं दूसरी और भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता शिवराज सिंह चौहान का परिवार। ऐसे में हो सकता है कि आने वाले समय में यह मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बन जाए। बहरहाल, अब सब की नजरें हाईकोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं कि कोर्ट इस मामले में क्या निर्णय देता है।

# अब महाकाल स्टैंडर्ड टाइम से चलेगी दुनिया

## समय की गणना जीएमटी के स्थान पर एमएसटी से !

उज्जैन। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को शहर के तारामंडल में 3 दिवसीय महाकाल द मास्टर्स ऑफ टाइम अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान उज्जैन में 15.20 करोड़ की लागत से बने विज्ञान केंद्र का लोकार्पण किया गया। दोनों नेताओं ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2026-27 की वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि महाकाल हमारी परंपरा में कालगणना के केंद्र बिंदु हैं, जहां भारत और मध्य प्रदेश सरकार मिलकर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है। महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम से महाकाल स्टैंडर्ड टाइम तक जाना, इस विमर्श का उद्देश्य है। भारत को विकसित करना है तो भारत की वैज्ञानिक ताकत को बढ़ाना पड़ेगा।

भारत की ज्ञान-विज्ञान परंपरा को जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य है। स्कूली बच्चों को उज्जैन के इस विज्ञान केंद्र के माध्यम से जोड़ा जाना चाहिए। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान पर मंथन होगा। इसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक एवं विद्वान सम्मिलित हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है, जहां मध्य रेखा और कर्क रेखा का केंद्र बिंदु मिलता है। यहीं से प्राचीन काल मे कालगणना होती थी। इसलिए समय आ गया है कि हम ग्रीनविच मीन टाइम की जगह महाकाल स्टैंडर्ड टाइम की तार्किक स्थापना करें। उज्जैन एक ऐसा स्थान जहां विज्ञान और अध्यात्म के बीच की दूरी खत्म होती है। चाहे काशी हो, कांची हो या पुरी धाम। ये सभी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी जीती-जागती प्रयोगशालाएं हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय मिलता है।

### उज्जैन में विज्ञान केंद्र की स्थापना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन ज्ञान विज्ञान की नगरी बने, समय अनुसार इसका रेखांकन हो, इसके प्रयास जारी हैं। अब उज्जैन में विज्ञान केंद्र की स्थापना हो गई है। प्राचीन विज्ञान की दृष्टि से वराहमिहिर से लेकर आर्यभट्ट तक अतीत के काल में उज्जैन का जो महत्व था, आधुनिक काल मे भी ऐसा ही महत्व होगा। उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालु काल गणना के केन्द्र उज्जैन का वैज्ञानिक महत्व भी जानेंगे।

### उज्जैन में खगोलीय गणनाओं की सटीकता

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन और डोंगला के आधार पर होने वाली खगोलीय गणनाओं की सटीकता अद्भुत है। डोंगला को एस्ट्रोनोमिकल स्टडीज के लिए विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में उज्जैन का यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मील का पत्थर होगा। भूमध्य रेखा और कर्क रेखा का कटाव या केंद्र बिंदु पहले उज्जैन में था, जो अब उज्जैन से डोंगला में शिफ्ट हो गया है। यहां 21 जून को सूर्य की छाया शून्य हो जाती है। ग्रीनविच के मीन टाइम में रात को 10 बजे तक सूर्य के दर्शन होते हैं। यह केंद्र बिंदु कैसे हो सकता है।

# आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

## शाम 07. 30 बजे से शुरू होगा मैच

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

### दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

**गुजरात टाइटंस** = शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

**राजस्थान रॉयल्स** = रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

# पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और स्पिनर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकिं अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

# मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता – ललित मोदी

लंदन। आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है।

प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा , 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसककों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था। ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।'वहीं दूसरी ओर इस मामले को बढ़ता देख लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में बहसबाजी जैसी बात नहीं दिख रही है। संजीव, ऋषभ और सहायोगी स्टाफ के साथ हंसते हुए बातें करते हैं। फ्रैंचाइजी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है। '

# आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3=30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए है जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल हैं । ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाफ में रहती है1 इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

### दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

**मुम्बई इंडियंस**- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

# आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई – अरुण धूमल

## टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा।

धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है।

साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब र्नामेंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

# पीएसएल जांच समिति ने फखर पर लगा प्रतिबंध हटाने से इंकार किया

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर जमां की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। पाक सुपर लीग (पीएसएल) की तीन सदस्यीय तकनीकी समिति ने फखर पर लगाये दो मैचों के प्रतिबंध को हटाने से इंकार कर दिया है। ये प्रतिबंध गेंद से छेड़छाड़ के आरोप में लगाए गए थे। समिति ने सुनवाई के बाद सभी सबूतों की जांच के बाद मैच रेफरी रोशन महानामा द्वारा फखर पर लगाए गए प्रतिबंध को जारी रखा। फखर इस लीग में लाहौर कलंदर्स की कप्तानी कर रहे हैं। उनका मैच के दौरान गेंद का आकार बदलने के प्रयास करने के आरोप हैं। इसके लिए उनपर आचार संहिता के लेवल तीन के उल्लंघन का आरोप हैं। अब फखर मुल्तान सुल्तान और इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पायेंगे। जमां ने अपनी अपील में कहा था किउनके खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ का कोई सबूत नहीं है , इसलिए उनपर लगाया प्रतिबंध हटाया जाये

# प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है।

प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया,

उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

# एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

# पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने लखनऊ सुपर जायंट्स की रणनीति पर सवाल उठाये

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रबंधन पर स्पिनर दिग्वेश राठी को पहले ही मैच में शामिल नहीं करने पर सवाल उठाये हैं। मुकुंद ने कहा कि राठी जिसे पिछले सत्र की खोज कहा गया था उसे ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं करना हैरानी की बात है। मुकुंद ने कहा कि सुपर जायंट्स के खराब प्रदर्शन के लिए टीम प्रबंधन की खराब रणनीति भी जिम्मेदार है। मुकुंद ने कहा कि पहले ही मैच में टीम संयोजन सही नहीं दिखा, क्योंकि टीम सात बल्लेबाजों और

केवल चार गेंदबाजों के साथ उतरी। ऐसे में राठी जैसे मुख्य स्पिनर को जगह न देना बड़ी गलती थी। उन्होंने यह भी कहा कि जब टीम ने रवि बिश्नोई को रिलीज कर दिया था, तो उसे राठी को उतारना चाहिये था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच मेंशाहबाज अहमद, एडेन मार्कराम और अब्दुल समद जैसे ऑलराउंडर्स को ही अवसर दिये गये पर वे असफल रहे। टीम ने दिल्ली के खिलाफ स्पिन का उपयोग किया। इस मैच में लखनऊ ने बहुत कम स्पिन गेंदबाजी कराई। शाहबाज अहमद और एडन मार्कराम ने एक-एक ओवर ही किया। राठी ने पिछले सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन 13 मैचों में 14 विकेट लिए थे। अभिनव कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स अभी तक अपनी खास पहचान नहीं बन पाई है। ऐसे में ये देखकर हैरानी होती है कि टीम किस रणनीति के साथ खेलना चाहती है। साथ ही कहा कि अगर उसे अगले मैच मे जीत की राह पर उतरना है तो रणनीति में बदलाव करते हुए बेहतर टीम चयन कर उतरना होगा।

# अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी ऑरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं। अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं।

# पीटरसन ने की दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी की तारीफ

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बल्लेबाज समीर रिजवी की जमकर प्रशंसा की है। रिजवी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। पीटरसने पिछले साल कैपिल्स के मेंटर रहे थे। उनका कहना है कि पिछले सीजन में ही उन्होंने समीर की प्रतिभा देख ली थी। तभी से वह इस युवा बल्लेबाज के खेल से प्रभावित हैं। उन्होंने टीम प्रबंधन से अपील की है कि वह इस युवा का साथ देते रहे। जिससे उसका आगे भी इसी प्रकार खेलने के लिए मनोबल बढ़ता रहे। पीटरसन ने कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और इसमें मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था। उन्होंने एक अभ्यास मैच में भी शतक बनाया था पर टूर्नामेंट के पहले चरण में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सत्र के बाद के हिस्से में उन्हें अवसर मिला, तो उनकी क्षमताएं सभी ने देखीं। तब हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा इसमें काफी संभावनाएं नजर आती हैं। उन्होंने आगे कहा, जब आप किसी युवा खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं, तो आपको यह विश्वास होना चाहिए कि वह खिलाड़ी आपके भरोसे पर खरा उतरेगा, और उसने इस मैच में ठीक वैसा ही किया है।

## मिडिल ईस्ट युद्ध से सप्लाई संकट का दबाव बढ़ा...

### गैस और तेल संकट से बेहाल दुनिया में गेहूं-चावल की समस्या भी बढ़ी...पिस्ता-बादाम से लेकर खजूर तक सबकुछ हो गया महंगा

# दुनिया में गहराया खाद्य संकट!

### – यूरोप में तेल-गैस के साथ खाने-पीने के समानों की राशनिंग की तैयारी, अभी नहीं कम होंगे दाम

वाशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव/नई दिल्ली(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका की जंग अभी खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। उधर, इस युद्ध से सप्लाई संकट बढने् के कारण केवल गैस और तेल ही नहीं बल्कि खाने-पीने सहित अन्य व्यावसायिक सामानों के आयात-निर्यात पर पड़ रहा है। गैस और तेल संकट के साथ ही अब खाद्य संकट भी पैर पसारने लगा है। इससे पूरी दुनिया पर आर्थिक संकट गहराने लगा है। महंगाई दिन पर दिन महंगाई बढ़ रही है। इसका असर यह देखने को मिल रहा है कि केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया महंगाई से बेहाल है। ईरान जंग का असर तेल की कीमतों पर लंबे समय तक पडने् वाला है। दुनिया में तेल-गैस की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहेंगी। यूरोपियन यूनियन ने कहा है कि कि मध्य-पूर्व युद्ध से होने वाले लंबे समय तक चलने वाले ऊर्जा संकट का सामना करने की तैयारी कर रहा हैऔर इसके लिए वह ईंधन की राशनिंग और आपातकालीन भंडारों से और तेल निकालने जैसे सभी संभावित उपायों पर विचार कर रहा है।

इजराइल के तेल अवीव पर ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है, जिसमें केंद्रीय इजराइल के रिहायशी इलाकों और सरकारी इमारतों को निशाना बनाया गया है। इन लगातार हमलों के कारण इजराइल में तबाही मची है। इस युद्ध का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है, जिससे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। कच्चे तेल के दाम बढने् से दुनिया भर में ईंधन की कमी और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। कई देशों में पेट्रोल और डीजल के दामों में 50 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। एक सामान्य आर्थिक परिदृश्य में तेल की ऊंची कीमतें महंगाई की आशंकाएं बढ़ाती हैं, जिससे सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतों में इजाफा होता है क्योंकि निवेशक मुद्रास्फीति के जोखिम से बचने के लिए इनमें निवेश करते हैं। लेकिन वित्त वर्ष 2026 में विपरीत रुझान देखे गए। जब तेल की कीमतों पर दबाव था, तब भी सोने और चांदी की कीमतों में पूरे साल बढ़ोतरी होती रही। दोनों कीमती धातुओं में फिलहाल गिरावट के रुझान हैं, जबकि तेल की कीमतें एक महीने में लगभग दोगुनी हो गई हैं और इनमें अभी और तेजी की आशंका है।

#### होर्मुज स्ट्रेट में तनाव घातक

इस युद्ध के परिणामस्वरूप ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तनाव पैदा कर दिया है, जहां से वैश्विक तेल ढुलाई का पांचवां हिस्सा ढोया जाता है। अब कई देशों को उर्वरकों, गैस, जिसमें खाना पकाने वाली गैस भी शामिल है, की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण घरेलू और व्यावसायिक दोनों उपयोगकर्ताओं को नुकसान हो रहा है। सबसे अधिक चोट छोटे उपयोगकर्ताओं को पहुंच रही है। कॉमट्रेंड्ज रिस्क मैनेजमेंट सर्विसेज के संस्थापक ज्ञानशेखर त्यागराजन बताते हैं, 'युद्ध शुरू होने तक ऊर्जा क्षेत्र में अधिक आपूर्ति थी। ओपेक उत्पादक रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति संबंधी समस्या के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से बाजार को स्थिर करने के लिए तैयार थे। लेकिन पश्चिम एशिया युद्ध ने आपूर्ति समीकरण को फिर से रूस के पक्ष में कर दिया है। पूरे वर्ष भारत रूस से सस्ता तेल खरीदने का प्रमुख लाभार्थी रहा है।' उन्होंने कहा कि इतनी ऊंची कीमत पर उपयोगकर्ताओं की मांग सस्ते और अधिक स्थिर ऊर्जा स्रोतों की ओर केंद्रित होने की संभावना है और जीवाश्म ईंधन की दीर्घकालिक मांग को नुकसान होगा।

#### सबकुछ हो गया महंगा

पश्चिम एशिया में युद्ध का असर भारत के आयात-निर्यात पर भी पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर सूखे मेवों के आयात और चावल के निर्यात पर देखने को मिल रहा है। ईरान के साथ-साथ अफगानिस्तान से भी सूखे मेवे भारत नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिसके कारण इनकी कीमतों में

करीब 25 से 30 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। 19 अप्रैल से शादी का सीजन भी शुरू हो रहा है, जिससे सूखे मेवों की मांग बढ़ेगी और कीमतों में लगभग 10 से 15 प्रतिशत तक और बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली की सबसे बड़ी ड्राई फ्रूट मंडी खारी बावली के बड़े कारोबारी सनी के मुताबिक, ईरान से आने वाले मामरा बादाम, पिस्ता, पिस्ता मगज, अंजीर, हींग, खजूर और बादाम की कीमतों में 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो चुकी है। मुनक्का, खजूर, ईरानी रिंग, खुबानी और शाहजीरा में भी 10 से 15 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। ईरान और दुबई से आने वाले ड्राई फ्रूट्स या तो रास्ते में फंसे हुए हैं या वहां से निकल ही नहीं पाए हैं और पोर्ट पर ही डंप हो गए हैं। इससे दिल्ली के व्यापारियों और ईरान के निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है।

#### खाने-पाने की चीजों की कीमतें भी बढ़ेंगी

वहीं इस बीच संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने शुक्रवार को कहा कि मार्च में दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों की कीमतें पिछले साल सितंबर के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। अगर मध्य-पूर्व में चल रहा संघर्ष जिसकी वजह से ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हैं, जारी रहता है, तो ये कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। यूएन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने एक बयान में कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से कीमतों में जो बढ़ोतरी हुई है, वह मामूली रही है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह तेल की ऊंची कीमतें हैं, लेकिन अनाज की वैश्विक आपूर्ति भरपूर होने के कारण कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल नहीं आया है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह संघर्ष 40 दिनों से ज्यादा चलता है और खेती में लगने वाली चीज़ों की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो किसान इनपुट का इस्तेमाल कम कर सकते हैं, कम बुवाई कर सकते हैं, या फिर ऐसी फसलें उगाना शुरू कर सकते हैं जिनमें कम खाद की जरूरत पड़ती हो। उन्होंने आगे कहा कि किसानों के इन फैसलों का असर भविष्य की पैदावार पर पड़ेगा, और इस साल के बाकी समय और अगले पूरे साल के लिए हमारी खाद्य आपूर्ति और कमोडिटी की कीमतों का रुख इन्हीं फैसलों से तय होगा। एफएओ का खाद्य मूल्य सूचकांक जो दुनिया भर में व्यापार की जाने वाली खाने-पीने की चीजों की कीमतों में होने वाले बदलावों को मापता है, फरवरी के संशोधित स्तर से 2.4 प्रतिशत ऊपर चढ़ गया। यह सूचकांक एक साल पहले के स्तर से 1 प्रतिशत ज्यादा है।

#### बादाम और पिस्ता

इस समय दिल्ली में बादाम 1240 रुपये, पिस्ता 1500 रुपये, अंजीर 1600 रुपये, हींग 6000 रुपये और खुबानी 800 रुपये प्रति किलो बिक रही है। इन सभी के दाम में पहले ही 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, 19 अप्रैल से शादी के सीजन की शुरुआत के बाद कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत तक और इजाफे की उम्मीद है। यानी जिन घरों में शादी है, उनकी जेब पर सूखे मेवे खरीदने का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से सूखे मेवे दिल्ली नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है।

#### चावल एक्सपोर्ट पर भी पड़ा है असर

आयात के साथ-साथ भारत के चावल निर्यात पर भी होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने का असर पड़ा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक है। ईरान को सेला चावल और बासमती चावल का सबसे ज्यादा निर्यात किया जाता है। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से चावल का निर्यात 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो गया है। दरअसल, भारत के कई राज्यों से अलग-अलग किस्म के बासमती चावल खाड़ी देशों में भेजे जाते हैं। पिछले एक महीने से चावल का निर्यात प्रभावित हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के कारण अब वैकल्पिक मार्गों से चावल भेजने की कोशिश की जा रही है, जिससे भाड़ा और लागत 4 गुना तक बढ़ गई है। दिल्ली ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश गुप्ता का कहना है कि ज्यादातर कंटेनर यूरोप और अमेरिका जाने वाले जहाजों से भेजे जाते थे, जो होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं जा पा रहे हैं। लंदन की एक कंपनी ने चावल का बीमा भी रोक दिया है, जिससे जोखिम और बढ़ गया है। कुछ व्यापारी ओमान के रास्ते सडक् मार्ग से खाड़ी देशों में चावल पहुंचा रहे हैं, जिससे लागत 4 गुना तक बढ़ गई है। यही वजह है कि चावल के निर्यात पर करीब 30 से 35 तक असर पड़ा है। नरेश गुप्ता ने बताया कि चावल निर्यातक मोहित के अनुसार, कंटेनरों में चावल भरा हुआ है, लेकिन वह विदेश नहीं जा पा रहा है, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। बड़े व्यापारी तो महंगा भाड़ा देकर अलग-अलग रास्तों से माल भेज रहे हैं, लेकिन छोटे व्यापारी, जो महीने में दो-चार कंटेनर ही भेजते थे, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब यह देखना होगा कि यह युद्ध कितने समय तक चलता है और इसका भारत के आयात-निर्यात पर कितना गहरा असर पड़ता है। फिलहाल व्यापारी काफी चिंतित नजर आ रहे हैं।

## संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय में जिला स्तरीय शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया है। इस अभियान के समापन अवसर पर 03 अप्रैल को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, कलेक्टर मृणाल मीना, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, श्री डी पी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री एम आर कोल, राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, नगर पालिका के पार्षद एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को ध्यान में रखकर योजनायें बनायी जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान चलाया गया है। जब हम

संकल्प कर लेते हैं तो उस समस्या का समाधान अवश्य होता है। संकल्प से समाधान अभियान भी अपने नाम के अनुरूप पात्र लोगों तक शासन की योजनाओं से लाभांवित करने का माध्याम बना है। बालाघाट जिला शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश एवं देश में अग्रणी रहा है। इसके लिए बालाघाट का जिला प्रशासन एवं उसका नेतृत्व सराहना का पात्र है। आज भी इस शिविर के माध्यम से आवास योजना, पेंशन योजना एवं स्वनिधि योजना का लाभ दिया गया है। सांसद श्रीमती पारधी ने प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में कुछ लोगों के नाम काटे जाने की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि इस समस्या पर संज्ञान लेकर उसका निराकरण किया जाये।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने शिविर के प्रारंभ में बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत स्तर एवं शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर 20 विभागों की 106 सेवाओं का पात्र लोगों का लाभ दिया गया है। जिन लोगों को योजना का लाभ नहीं मिला था, उनसे आवेदन लेकर उनका परीक्षण कराया गया है और पात्रता पाये जाने पर उन्हें योजना का लाभ दिलाया गया है। बालाघाट जिले में इस अभियान के अंतर्गत लगभग 74 हजार आवेदन प्राप्त किये गये हैं, इनमें से 95 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। इस अभियान के शिविरों में लर्निंग लायसेंस बनाने, नामांतरण, बंटवारा, नक्शा बटांकन, पेंशन संबंधी योजनाओं के आवेदनों का निराकरण किया गया है।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत रानी फुलसुंघे, ममता लिल्हारे, अनिल राहंगडाले, रजनी सोनिले को 50-50 हजार एवं प्रिया सिंगरे को 25 हजार रुपए की ऋण राशि के चेक प्रदान किये गए। सरस्वती को राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, वर्षा पालेवार, गायत्री टेम्भरे एवं रामकली को कल्याणी पेंशन योजना, संध्या बिसेन, प्रदीप गाडेश्वर, राकेश वर्मा, पुष्पा राहंगडाले, वासुदेव लिल्हारे, खिलेश मानेश्वर, अनिता सोनेकर, रजनी सोनेकर को प्रधानमंत्री आवास एवं राधिका मंडेला को संबल योजना में 04 लाख रुपए की अनुग्रह राशि स्वीकृति का पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राजिक खान को विवाह प्रमाण पत्र तथा राजस्व विभाग द्वारा नामांतरण फौती दर्ज एवं बटवारा संबंधी स्वीकृति पत्र प्रदान किये गए।

कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय द्वारा लर्निंग लायसेंस बनाये गए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय, जिला उद्योग केंद्र, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगर पालिका, मत्स्य विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, आयुष विभाग द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आवेदन प्राप्त किये गए।

## उपराज्यपाल सिन्हा ने अरहामा में हुई मुठभेड़ की निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए

जम्मू,। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले के अरहामा में हुई मुठभेड़ की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। यह कदम तब उठाया गया जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफती सहित कई नेताओं ने घटना पर सवाल उठाए। उपराज्यपाल ने कहा कि जांच के जरिए सभी पहलुओं की पड़ताल की जाएगी और न्याय सुनिश्चित होगा।

घटना 1 अप्रैल 2026 की रात हुई, जब अरहामा गांव में संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर सेना और पुलिस ने संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया। सेना ने बताया कि जवानों पर गोलीबारी हुई और जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया। मृतक राशिद अहमद मुगल के परिजनों ने दावा किया कि उसका आतंकवाद से कोई संबंध नहीं था और वह स्थानीय ग्रामीणों की सरकारी योजनाओं व बैंक ऋण में मदद करता था। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने जांच की पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया पर जोर दिया, ताकि सभी तथ्य सार्वजनिक हों और विश्वसनीयता बनी रहे। उपराज्यपाल के आदेश के बाद जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने जिलाधिकारी को सात दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

इस घटना के बाद पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया। गांदरबल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खलील अहमद पोसवाल सहित 82 अधिकारियों का तबादला किया। सेवानिवृत्त होने वाले पोसवाल को 12वीं इंडिया रिजर्व बटालियन में कमांडेंट नियुक्त किया गया, जबकि 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधांशु धामा को गांदरबल का नया एसएसपी बनाया गया। घटना और इसके बाद की कार्रवाई ने जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक और प्रशासनिक बहस तेज कर दी है, जहां पारदर्शिता, न्याय और सुरक्षा के मुद्दे सामने आए हैं।

## समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में उठाई महाबोधि महाविहार मुक्ति

## की मांग

पद्मेश न्यूज। किरनापुर/बालाघाट। समाजवादी महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन, जिला बालाघाट समिति के अध्यक्ष विकास खांडेकर ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन (रामजीलाल सुमन) ने आज राज्यसभा के शून्यकाल में महाबोधि महाविहार, बोधगया के प्रबंधन को पूर्ण रूप से बौद्ध धर्मावलंबियों को सौंपने की मांग जोरदार तरीके से उठाई। उन्होंने 1949 के क्ष्भस्न्द्ध तड्ड4ड्ड ज्ञद्दद्वश्चद्यद्द,ष्ह्ल को काला कानून करार देते हुए इसके तत्काल संशोधन या निरस्तीकरण की मांग की।मुख्य मांगो में महाबोधि महाविहार का संपूर्ण प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को सौंपा जाए। वर्तमान व्यवस्था में गैर-बौद्ध सदस्यों की नियुक्ति को समाप्त किया जाए।अन्य धार्मिक स्थलों (अयोध्या राम मंदिर, गुरुद्वारों, मस्जिदों, चर्चों) की भांति बौद्ध तीर्थ स्थल का प्रबंधन भी बौद्धों के हाथ में हो। सांसद ने पूछा कि जब अयोध्या मंदिर समिति में कोई मुस्लिम सदस्य नहीं है, तो महाबोधि में हिंदू सदस्य क्यों? महाबोधि महाविहार से प्राप्त भारी राजस्व और दान राशि का दुरुपयोग बंद किया जाए। विशेष रूप से गया के जिलाधिकारी द्वारा मंदिर कोष से अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए दिए गए एक करोड़ रुपये के दान पर गहरी आपत्ति जताई गई। गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम भगवान गौतम बुद्ध के नाम पर रखा जाए।सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि महाबोधि विश्व धरोहर स्थल है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। दुनिया भर में लगभग 55 करोड़ बौद्ध अनुयायी हैं, फिर भी उनके सबसे पवित्र तीर्थ का प्रबंधन उनके हाथ में नहीं है, जो अन्यायपूर्ण है।आंदोलन का संदर्भसांसद ने बोधगया में 415 दिनों से निरंतर चल रहे धरने का उल्लेख करते हुए बिहार सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। उन्होंने ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम (द्धक्ष्न्र) और डॉ. आंबेडकर विचारधारा वाले विभिन्न संगठनों के आंदोलन का समर्थन किया।हाल ही में आगरा में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय महाबोधि महाविहार मुक्ति बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा देशभर के सभी सांसदों को संसद में यह मुद्दा उठाने का आह्वान किया गया। ,देशभर के राष्ट्रीय संगठन तथा बौद्ध भिक्षु व अनुयाई सैकड़ों कि संख्या में शामिल हुए।माननीय आकाश लामा (बोधगया धरना स्थल), पूज्य भदन्त प्रज्ञाशील (बोधगया धरना स्थल),पूज्य भदन्त धम्मशिखर (सुप्रीम कोर्ट याचिकाकर्ता, बालाघाट) ,पूज्य भदन्त डॉ. चंद्रकीर्ति (अध्यक्ष महिला सशक्तिकरण संघ), पूज्य भदन्त धम्मतप (राजनांदगांव), पूज्य भदन्त श्रद्धामित्र (उत्तरप्रदेश),मा. धर्मप्रकाश भारती (संस्थापक अध्यक्ष, आर.बी.एम.),मा.चंद्रबोधि पाटिल (राष्ट्रीय ट्रस्टी चेयरमैन, बी.एस.आई.),मा.मार्शल सुनिल सारीपुत्र (राष्ट्रीय समन्वयक, एस.एस.डी.)विकास खांडेकर, अध्यक्ष, महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन, जिला बालाघाट समिति ने कहा कि यह आंदोलन अब पूरे देश में तेज हो गया है और बौद्ध समाज 1949 के अन्यायपूर्ण कानून को रद्द

## कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन सख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर प्रशासन ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के पालन में राज्य शासन ने एलपीजी सिलेंडरों के वितरण के लिए प्राथमिकता क्रम तय किया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं प्राप्त मांग के आधार पर ही कमर्शियल तथा एग्जेमटेड कैटेगरी के गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में सभी संबंधित एजेंसियों और वितरकों को निर्देशित किया गया है कि वे ऑयल कंपनियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पात्र कनेक्शनधारियों को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध हो सके।

## ईरान से 6 लाख बैरल तेल लेकर आ रहा पिंग शुन जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ा

### -अभी तक साफ नहीं है किस भारतीय रिफाइनरी ने यह कार्गो खरीदा था

नई दिल्ली। ईरान से करीब 600,000 बैरल कच्चे तेल की खेप लेकर आ रहा जहाज अचानक चीन की तरफ मुड़ गया। ये जहाज गुरुवार रात तक अरब सागर में भारत के रास्ते पर था लेकिन अब ये चीन की तरफ मुड़ गया है। इस जहाज का नाम पिंग शुन है और इसके गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद थी। तेल बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसी ने इस कच्चे तेल के जहाज के भारत से चीन की तरफ रास्ता बदलने की पुष्टि की है।

वैश्विक व्यापार डेटा इंटेलिजेंस में रिफाइनरी और तेल बाजारों की मॉडलिंग के मैनेजर ने शुक्रवार को बताया है कि एक ईरानी कच्चे तेल का जहाज पिंग शुन जो पिछले तीन दिनों से भारत के वाडिनार की तरफ जा रहा था उसने अपने मंजिल के करीब पहुंचने से ठीक पहले अपना रास्ता बदल लिया और चीन की तरफ मुड़ गया। उन्होंने बाजार के सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि चीन की तरफ जहाज के मुड़ने के पीछे ईरानी तेल को लेकर पेमेंट की शर्तों में आया बदलाव है। अब विक्रेता 30-60 दिनों की क्रेडिट विंडो देने के बजाय पहले से ही पेमेंट की मांग कर रहे हैं यानि एडवांस पेमेंट के बाद ही तेल का खेप भेजने की बात हो रही है।

उन्होंने कहा कि हालांकि ईरानी कच्चे तेल के मामले में सफर के बीच में मंजिल में इस तरह के बदलाव होना कोई नई बात नहीं है लेकिन ये इस बात को उजागर करते हैं कि व्यापार के प्रवाह के लिए वित्तीय शर्तें और काउंटरपार्टी जोखिम कितने ज्यादा संवेदनशील होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक साफ नहीं है कि किस भारतीय रिफाइनरी ने यह कार्गो खरीदा था क्योंकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, नायरा एनर्जी और भारत पेट्रोलियम जैसी कई रिफाइनरियां वाडिनार के जरिए ही कच्चा तेल मंगाती हैं।

उन्होंने संकेत दिया है कि अगर पेमेंट से जुड़ी समस्याएं हल हो जाती हैं तो कार्गो को अभी भी वापस भारत भेजा जा सकता है, लेकिन यह घटना इस बात पर जोर देती है कि चीन के अलावा दूसरे देशों में ईरानी कच्चे तेल की सप्लाई तय करने में लॉजिस्टिक्स की तरह ही कमर्शियल शर्तें भी कितनी अहम होती जा रही हैं।

## न्यूज गैलरी

### कीटनाशक के संपर्क में आने से किसान की हुई मौत

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक के प्रभाव में आने से के निजी अस्पताल में भर्ती एक किसान की मौत हो गई। मृतक किसान सुरेंद्र पिता भादू चौरे उम्र 55 वर्ष ग्राम बोरी थाना लालबर्रा निवासी है। कोतवाली पुलिस ने इस किसान का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम पश्चात उसके परिजनों

के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी अनुसार 30 मार्च को 4:00 बजे सुरेंद्र चौरे खेत में लगी धान फसल में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के लिए गया हुआ था इसके पश्चात वह शाम को जब घर पहुंचा तो उसकी तबीयत बिगड़ गई, इसके पश्चात परिजनों ने तत्काल ही लालबर्रा अस्पताल में भर्ती कराया, डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के पश्चात जिला अस्पताल में रेफर कर दिया। परिजनों ने जिला अस्पताल ना ले जाते हुए नगर की एक निजी अस्पताल लाइफ केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान 3 अप्रैल की अल सुबह करीब 4:30 बजे मौत हो गई। 3 अप्रैल को 11:30 कोतवाली ने इस किसान का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

# 312 से घटकर 250 करोड़ नपा ने पास किया शहर विकास का बजट

## कांग्रेस और भाजपा के कुछ पार्षदों ने बजट पर उठाए सवाल, बढ़ाने की जगह घट गया बजट, क्या शहर में नहीं बचे विकास कार्य ?

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**नगर पालिका द्वारा नए वित्तीय सत्र के लिए शहर विकास का बजट तैयार कर लिया गया है। इस बजट को पीआईसी ( प्रेसिडेंट इन काउंसिल ) की बैठक में पारित कर दिया गया है और अब इसे जल्द ही परिषद की बैठक में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। जानकारी के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया मार्च माह के अंतिम दिनों तक पूरी हो जानी थी, ताकि अप्रैल से नए सत्र की विकास कार्य योजना पर अमल शुरू किया जा सके। लेकिन प्रक्रिया में हुई देरी को लेकर नगर पालिका में कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों ने इसे बड़ी चूक बताया है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका ने इस बार करीब 250 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है, जिसे पीआईसी की बैठक में स्वीकृति मिल चुकी है। अब परिषद की अंतिम मंजूरी के बाद ही शहर में प्रस्तावित विकास कार्यों को गति मिल पाएगी।**

नगर पालिका बालाघाट द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। शहर विकास के लिए प्रतिवर्ष बजट पेश करने की परंपरा के तहत इस बार भी 250 करोड़ रुपए का बजट पारित किया गया, लेकिन इस पर सत्ता पक्ष के ही वरिष्ठ भाजपाई पार्षद सुधीर चिले ने नाराजगी जताते हुए कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सुधीर चिले का कहना है कि सबसे पहले तो नगर पालिका ने इस बार बजट देरी से प्रस्तुत किया, जो अपने आप में गंभीर विषय है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी

आपत्ति जताई कि बीते वर्ष की तुलना में इस बार बजट की राशि कम कर दी गई है। उनका आरोप है कि पिछले साल पेश किए गए बजट में से नगर विकास के ठोस कार्य धरातल पर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बीते वर्ष भारी-भरकम बजट प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उसका आधा काम भी शहर में दिखाई नहीं देता। कोई बड़ा प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया गया और जिन गार्डनों का निर्माण हुआ है, वे भी जनभागीदारी से बने हैं, न कि नगर पालिका के बजट से। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर बजट की राशि का उपयोग कहां और कैसे किया गया।

### बीते वर्ष की तुलना में घटा बजट, उठे सवाल

पार्षद चिले ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले वर्ष नगर पालिका ने 312 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। उस समय बजट में त्रुटियों की बात कहते हुए उसे संशोधित कर पुन: प्रस्तुत करने की बात कही गई थी, लेकिन वह संशोधित बजट अब तक सामने नहीं आया। वहीं इस वर्ष 250 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया है, जिससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या शहर के विकास कार्य कम हो गए हैं, या फिर नगर पालिका की प्राथमिकताएं बदल गई हैं।

### पीआईसी बैठक में बजट पास, सूचना को लेकर भी आरोप

वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद सुधीर चिले ने बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया से मिली जानकारी के अनुसार 250 करोड़ रुपए का बजट पीआईसी (प्रेसिडेंट इन काउंसिल) की बैठक में पास किया जा चुका है, जिसे जल्द ही परिषद की बैठक में अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने नगर पालिका पर पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि पीआईसी में पारित प्रस्तावों की सूची और बजट संबंधी जानकारी को सूचना पटल पर प्रदर्शित नहीं किया गया, जो कि नियमों के विपरीत है और इससे जनप्रतिनिधियों व आम नागरिकों को आवश्यक जानकारी नहीं मिल पा रही है। इस पूरे मामले में अब यह देखना होगा कि परिषद की बैठक में इस बजट पर क्या चर्चा होती है और नगर पालिका प्रशासन इन आरोपों पर क्या जवाब देता है।

### 250 करोड़ का बजट पीआईसी में पारित- बी.डी. कतरोलिया

मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान जानकारी दी कि नगर पालिका का चालू वित्तीय वर्ष का बजट पीआईसी (प्रेसिडेंट इन काउंसिल) की बैठक में पारित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 250 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है, जिसे जल्द ही परिषद की आगामी बैठक में अंतिम अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

## जिला अस्पताल में दो अज्ञात बुजुर्गों की इलाज के दौरान मौत

### नगरपालिका ने किया अंतिम संस्कार

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिला अस्पताल से एक बेहद मार्मिक और सोचने पर मजबूर कर देने वाली घटना सामने आई है।जो समाज में बुजुर्गों की उपेक्षा की सच्चाई को उजागर करती है। यहां उपचार के दौरान दो अज्ञात वृद्ध महिला और पुरुष की मौत हो गई। परिजनों का कोई पता न चलने पर अस्पताल प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर शवों को नगरपालिका को सौंप दिया गया। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार 10 मार्च की शाम गोंदिया रेलवे लाइन स्थित सरेखा रेलवे फाटक पर एक करीब 55 वर्षीय महिला ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गई थी। रेलवे कर्मचारियों की मदद से उसे ट्रेन के माध्यम से स्टेशन लाया गया और 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल पुलिस ने महिला की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना भेजी थी। लेकिन कोई भी परिजन सामने नहीं आया। आखिरकार 31 मार्च की शाम इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

### अज्ञात वृद्ध पुरुष की भी हुई मौत

इसी तरह 27 मार्च को करीब 60-65 वर्षीय एक अज्ञात पुरुष को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी भी पहचान के लिए पुलिस ने प्रयास किए थे। लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। उपचार के दौरान 1 अप्रैल की शाम लगभग 6:30 बजे उसकी भी मौत हो गई।

### 36 घंटे इंतजार के बाद हुआ पोस्टमार्टम

दोनों मृतकों के शवों को अस्पताल की मर्च्युरी में सुरक्षित रखा गया और परिजनों की तलाश के लिए सोशल मीडिया व विभिन्न थानों के माध्यम से प्रयास किए गए। 36 घंटे तक कोई भी परिजन सामने नहीं आने पर पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्यवाही पूरी कर पोस्टमार्टम कराया।

### नगरपालिका ने किया अंतिम संस्कार, समाजसेवी ने की मदद

पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को नगरपालिका बालाघाट को सौंप दिया गया।जहां पुलिस की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में कोतवाली में मर्ग कायम किया गया है।घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी ज्ञानचंद चोपड़ा ने आगे आकर कफ़न-दफ़न की व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।जिससे मानवता की मिसाल देखने को मिली।

### एक सवाल समाज के नाम

यह घटना सिर्फ एक खबर नहीं बल्कि समाज के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा करती है।क्या हम अपने बुजुर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभा पा रहे हैं या उन्हें यूं ही बेसहारा छोड़ रहे हैं।

## पेड़ से टकराई मोटरसाइकिल-घायल दोनो व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** जिले के बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुक्की रोड पर स्थित इमली मोड़ के पास साइकिल रोड किनारे पेड़ से टकराने से गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। 3 मार्च को 11:30 बजे करीब दर्शनसिह पिता जगनसिह मरकाम 35 वर्ष की मौत हुई तो 4:30 बजे बहादुरसिंह पिता लामूसिह धुर्वे 40 वर्ष ने दम तोड़ दिया। दोनों व्यक्ति ग्राम लगमा थाना बैहर निवासी है। 2 अप्रैल को यह दर्दनाक सड़क हादसा उस समय हुआ था। जब दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल में बैहर से अपने घर लगमा जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के ग्राम लगमा निवासी दर्शन सिंह मरकाम और बहादुर सिंह धुर्वे दोनों आपस में रिश्तेदार है जोअपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे। 2 अप्रैल को दर्शन सिंह मरकाम अपने रिश्तेदार बहादुर सिंह धुर्वे के साथ मोटरसाइकिल में किसी काम से बैहर आये थे। 2 बजे करीब दोनों बैहर से अपना काम निपटने के बाद मोटरसाइकिल से वापस अपने गांव लौट रहे थे। मोटरसाइकिल दर्शन सिंह मरकाम

चल रहा था।इसी दौरान बैहर से मुक्की रो? इमली मोड़ के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।इस हादसे में दोनोंव्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें तत्काल बैहर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहा से प्राथमिक उपचार के बाद दोनो को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में दोनों का इलाज चल रहा था। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान 3 अप्रैल की सुबह करीब 11:30 बजे दर्शन सिंह मरकाम ने दम तोड़ दिया वहीं बहादुर सिंह का इलाज चल ही रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने दर्शन सिंह मरकाम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए थे इसके कुछ घंटे बाद शाम 4:30 बजे करीब बहादुर सिंह धुर्वे की भी जिला अस्पताल में ही उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसके शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने मौके की प्रारंभिक कार्रवाई करने के बाद ने शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं। जिसका पोस्टमार्टम 4 अप्रैल को किया जाएगा। बताया गया है कि दर्शन सिंह मरकाम के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं और बहादुर सिंह धुर्वे के परिवार में पत्नी और एक बेटी और दो बेटे हैं। दोनों व्यक्ति अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी कर जीवनव्यापन करते थे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
**प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट